आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, शनिवार
21 जून 2025
वर्ष: 38, अंक: 194
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों संग मनाया जन्मदिन, दिव्यांगजनों को समर्पित किया खास दिन

झारखंड

राजद प्रदेश अध्यक्ष ने रजरप्पा मंदिर में पूजा अर्चना की प्रदेश एवं हुसैनाबाद वासियों को कि शुख शाति समृद्धि की कामनाएं

हज़ारीबाग

बरसात में डटे रहे हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, मासीपीढ़ी की जलजमाव समस्या का लिया संज्ञान

हेमंत कैबिनेट की बैठक में बत्ती गुल, सीएम ने अधिकारियों से किया जवाब तलब, 26 प्रस्तावों पर लगी मुहर

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांची: राज्य में जारी बिजली संकट की झलक कैबिनेट की बैठक के दौरान भी देखने को मिली. झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही कैबिनेट की बैठक के दौरान अचानक बिजली गुल हो गई. कुछ देर मुख्यमंत्री से लेकर राज्य सरकार के मंत्री और आला अधिकारी अंधेरे में बैठे रहे. हालांकि 10 मिनट के अंदर बिजली बहाल कर दी गई, लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसे गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को बिजली संकट को लेकर जवाब तलब किया है. झारखंड मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खुद मीडियाकर्मियों के समक्ष बिजली कटने की बात स्वीकारते हुए कहा कि इसको लेकर भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है.

राज्य सरकार ने झारखंड हिन्दू न्यास बोर्ड को हर साल तीन करोड़ रुपए अनुदान देने का फैसला लिया है। इसके अलावा झारखंड राज्य लेजिसलेटिव फोरम ऑफ एचआईवी-एड्स के गठन का निर्णय लिया गया। वहीं रांची-अरगोड़ा चौक-रिंग रोड तक फोर लेन सड़क के लिए 141 करोड़ और विवेकानंद स्कूल मोड़ से रिंग रोड तक साइकिल ट्रैक और सर्विस रोड निर्माण के लिए 301 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई झारखंड कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि आज की बैठक में 26 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट सचिव ने बताया कि हिन्दू न्यास बोर्ड को तीन करोड़ रुपए प्रति वर्ष अनुदान देने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। वहीं उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग खूंटी में महिला कॉलेज स्थापना के लिए 57 करोड़ की मंजूरी दी गई। वहीं ईचागढ़ में डिग्री कॉलेज स्थापना के लिए 38.76 करोड़ की स्वीकृति दी गई। बैठक में झारखंड राजकीयकृत प्रारंभिक शिक्षक प्रोन्नति नियमावली 2025 के गठन को स्वीकृति दी गई। इसके अलावा दुमका और पलामू डिप्लोमा स्तरीय राजकीय फार्मेसी संस्थान के लिए 28-28 पदों के सृजन के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन नई दिल्ली के निर्देश पर झारखंड राज्य लेजिस्लेटिव फोरम ऑफ एचआईवी-एड्स गठन किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। जिला स्तर पर गठित आईसीडीएस केंद्र संचालित है, एड्स नियंत्रण केंद्र संचालित है, जिला स्तरीय तंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए फोरम के गठन का निर्णय लिया गया है। इस फोरम के अध्यक्ष विभागीय मंत्री अध्यक्ष होंगे, जबकि स्पीकर की ओर से मनोनीत पांच विधायक सदस्य होंगे। विकास आयुक्त, विभागीय प्रधान सचिव, सचिव और परियोजना निदेशक भी फोरम के सदस्य होंगे। फोरम की ओर से एचआईवी एड्स की रोकथाम के लिए जागरूकता और एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव समाप्त करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पुलिस पदाधिकारियों-जवानों को झारखंड दिवस पर सम्मानित किए जाने से संबंधित एक प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके तहत झारखंड राज्यपाल पदक कही संख्या 11 को बढ़ाकर 21 और सराहनीय सेवा के लिए 31 को बढ़ाकर 60 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। एक अन्य प्रस्ताव में झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग-जेएसएससी को वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए झारखंड अकस्मिता निधि से 31 करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। वहीं जेएसएससी परीक्षा में स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा में 50 हजार से अधिक अभ्यर्थियों की संख्या रहने पर अब प्राथमिक और मुख्य परीक्षा होगी। वहीं 50 हजार से कम आवेदन रहने पर दो स्तरीय परीक्षा नहीं होगी।

एक अन्य प्रस्ताव में पथ निर्माण विभाग रांची के अंतर्गत अरगोड़ा, पुराना अरगोड़ा, नयासराय, रिंग रोड भाया पुंदाग तक फोर लेन सड़क निर्माण के लिए 141 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। 6.17 किलोमीटर सड़क निर्माण के अलावा मुआवजा-पुनर्वास और पौधरोपण समेत अन्य कार्यों के लिए 141 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई। सिमडेगा-कुरडेग से छत्तीसगढ़ सीमा तक सड़क निर्माण के लिए 63.2 किमी सड़क निर्माण कार्य में सुधार के लिए 38 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

धनबाद में बारिश के बाद अग्नि प्रभावित क्षेत्र में बसे लोगों में दहशत, गैस रिसाव से घुटन

क्राइम संवाददाता द्वारा

धनबाद: झारखंड में मानसून की एंट्री के बाद धनबाद सहित कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है. बरसात का मौसम शुरू होने के बाद धनबाद के अग्निप्रभवित क्षेत्र के लोग दहशत में हैं. जगह-जगह भू-धंसान की घटना होने की संभावना बढ़ गई है और बारिश के बाद झरिया और आसपास के इलाकों में तेजी से गैस का रिसाव शुरू हो गया है. साथ ही भू-धंसान का खतरा मंडरा रहा है. प्रभावित क्षेत्र में भूमिगत आग फैल गई है.

झरिया के अग्नि प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले लोग वर्षों से सुरक्षित स्थान पर विस्थापन की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कई बस्ती का विस्थापन नहीं हो पाया है. यहां अभी भी हजारों लोग जान जोखिम में डालकर रहने को विवश हैं. झरिया के इंदिरा चौक, लिलोरी पथरा, बालू गद्दा, कुजामा, घनुडीह, चौथाई कुल्ही, बेरा, दोबारी सहित अन्य क्षेत्रों में गैस रिसाव होना शुरू हो गया है. बीते कई सालों से लोग पुनर्वास की मांग कर रहे हैं.

आपको बता दें कि जब बारिश का पानी अग्नि प्रभावित क्षेत्र में प्रवेश करता है तो तेजी से गैस रिसाव होता है. यह इलाका रहने के लिहाज से काफी खतरनाक माना जाता है, लेकिन विस्थापन नहीं होने के कारण लोग यहां जान जोखिम में डालकर रह रहे हैं.

बरसात शुरू होने के बाद झरिया अग्निप्रभवित क्षेत्र में रह रहे सैकड़ों परिवार दहशत में हैं. इस संबंध में स्थानीय विजय भुइंया ने कहा कि बारिश के दिनों में गैस रिसाव अधिक होने लगता है. गैस रिसाव के कारण सांस लेने में कठिनाई हो रही है. किसी तरह से जीवन काट रहे हैं. अब तक हमारे लिए प्रशासन की ओर से कोई व्यवस्था नहीं की गई है. कई बार सर्वे और निरीक्षण हुआ, लेकिन अबतक पुनर्वास की व्यवस्था नहीं की गई है. पूछने पर कहा जाता है कि ऊपर लिखकर भेज दिए हैं.

वहीं स्थानीय रवि हाड़ी ने कहा कि बीसीसीएल और टाटा जैसी कंपनियां जब यहां आई थी उसी वक्त से हमारा पूरा परिवार यहां रह रहा है. पुनर्वास के नाम पर एक घर बेलगड़िया टाउनशिप में दिया है. रवि हाड़ी ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं. बेटों को रहने के लिए अब तक घर नहीं दिया गया है. तीनों बेटे शादीशुदा हैं और बाल-बच्चेदार हैं. किसी तरह से यहां बेटे परिवार के साथ रह रहे हैं. कोई उपाय नहीं है और हम मजबूर हैं. बारिश के दिनों में होने वाले गैस रिसाव से काफी डर लगता है. हमलोगों की परेशानी बढ़ गई है.

झारखंड में भारी बारिश से नुकसान पर सीएम हेमंत सोरेन गंभीर

संवाददाता द्वारा

रांची- झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ संवाद किया और राज्य में हो रहे भारी बारिश को देखते हुए अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के उपायुक्तों से कहा है कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या से आम जनमानस को निजात दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं. मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिया कि लोकल अथॉरिटीज के साथ समन्वय स्थापित कर जलजमाव की स्थिति को जल्द से जल्द खत्म करने का प्रयास करें.

सीएम ने जिलों में इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे सड़क, पुल-पुलिया, घर, फसल इत्यादि को हुए नुकसान का आकलन कर राज्य सरकार को तत्काल रिपोर्ट भेजी जाए ताकि प्रभावित लोगों को राहत और मुआवजा देने में किसी तरह का कोई विलंब नहीं हो.

मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिया कि जिलों में स्थापित कंट्रोल रूम को पूर्ण रूप से सक्रिय रखें. अतिवृष्टि को देखते हुए वॉटरफॉल, बराज इत्यादि पर्यटन स्थलों में किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचने के लिए NDRF की टीम के साथ-साथ स्थानीय लोगों का भी सहयोग लें. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि वॉटरफॉल में आवश्यकता के अनुरूप सुरक्षा कर्मी भी तैनात रखें.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिया कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र जहां जलजमाव की स्थिति है, वहां छिड़काव कार्य करें ताकि इसकी वजह से जो बीमारियां उत्पन्न होती हैं उसे नियंत्रित किया जा सके. मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि बरसात के मौसम में सर्प दंश (स्नेक बाइट) के भी ज्यादा मामले आते हैं. ऐसे में एंटी रेबीज टीके और अन्य सभी जरूरी दवाइयां स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध कराए जाएं.

बरसात की समस्याओं से निबटने की करें तैयारी-हेमंत सोरेन -मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष मानसून की शुरुआत में ही भारी बारिश हो रही है, ऐसे में यह जरूरी है कि बरसात के मौसम में होने वाली समस्याओं से निबटने की पूरी तैयारी पहले से ही रखें. मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि भारी बारिश के कारण सड़क, पुल, पुलिया से संबंधित जो भी क्षति पहुंची है उसकी शीघ्र मरम्मत हो. उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी पुल या ब्रिज के धंसने का एक और मुख्य कारण अवैध बालू निकासी हो सकता है, इसकी भी जानकारी लें तथा ऐसे कार्यों पर अविलंब रोक लगाएं.

बैठक में ये थे उपस्थित: मौके पर मंत्री डॉ इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलों के उपायुक्त उपस्थित रहे.

बोकारो की शराब दुकान में लूट, 5 लाख 31 हजार रुपये की लूट और फायरिंग की घटना से दहशत

क्राइम संवाददाता द्वारा

बोकारो: झारखंड में बोकारो जिले के पेटरवार में एक शराब की दुकान में लूट हुई। लुटेरों ने बंदूक की नोक पर 5 लाख 31 हजार रुपये लूट लिए। यह घटना पेटरवार थाना क्षेत्र में हुई। लुटेरों ने दहशत फैलाने के लिए दो बार फायरिंग भी की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लूट के बाद अपराधियों ने फायरिंग की : पेटरवार थाना क्षेत्र के तेनु रोड पर एक विदेशी शराब की दुकान है। यहां पिस्तौल की नोक पर लूट हुई। लुटेरों ने लगभग 5 लाख 31 हजार रुपये लूट लिए। लूट के दौरान लुटेरों ने दो बार फायरिंग की। इससे वहां दहशत फैल गई। घटना के समय दुकान में तीन कर्मचारी थे। उनके नाम आनंद भूषण, साकेत कुमार सिंह और विष्णु प्रसाद हैं।

कर्मचारियों की पिटाई के बाद लूट: आनंद भूषण ने बताया कि एक कर्मचारी बाथरूम करने के लिए बाहर गया था। जब वह वापस दुकान में आ रहा था, तभी लुटेरे उसे धक्का देकर अंदर घुस गए। उन्होंने सबसे पहले सभी कर्मचारियों के मोबाइल छीन लिए। आनंद भूषण ने बताया कि तीन लुटेरे थे। वे लोग कर्मचारियों को पीटने लगे और पैसे खोजने लगे। पैसे मिलने के बाद उन्होंने एक कर्मचारी पर गोली चलाई। फिर उन्होंने आनंद भूषण पर भी गोली चलाई। लेकिन गोली काउंटर में लगी।

गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो को घटना की जानकारी मिली। वे तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और जानकारी ली। पेटरवार थाना प्रभारी राजू मुंडा भी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कारतूस के खोखे को कब्जे में ले लिया। साथ ही काउंटर से बही खाता भी ले गए। पुलिस के अनुसार, लुटेरे दो मोटरसाइकिल पर आए थे। उन्होंने लगभग 9.30 बजे घटना को अंजाम दिया। इसके बाद वे तेनुघाट की ओर भाग गए। भागते समय उन्होंने मौसम और तेज बारिश का फायदा उठाया। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। ताकि लुटेरों की पहचान की जा सके।

बोकारो में अवैध मिनी गन फैक्ट्री का पर्दाफाश, हथियारों की तस्करी

क्राइम संवाददाता द्वारा

बोकारो: जिले के गांधीनगर थाना क्षेत्र में जरीडीह बाजार के कावेरी मैरिज पैलेस और इसके सामने स्थित गोदाम में बोकारो पुलिस ने कोलकाता एसटीएफ, रांची एटीएस, बेरमो थाना और गांधीनगर थाना की संयुक्त टीम के साथ छापेमारी कर अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्री का पर्दाफाश किया. इस कार्रवाई में भारी मात्रा में अवैध हथियार और शराब बरामद की गई. बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने शुक्रवार को गांधीनगर थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी.

गुरुवार शाम कोलकाता एसटीएफ, रांची एटीएस, बेरमो और गांधीनगर थाना की संयुक्त टीम ने जरीडीह बाजार के कावेरी मैरिज पैलेस और इसके सामने गोदाम में छापेमारी की. इस दौरान एक अवैध गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ, जहां हथियार निर्माण के सामान के साथ-साथ भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब और बियर की पैकिंग सामग्री बरामद की गई. एसपी ने बताया कि यह मैरिज हॉल सूरज साव का है.

एसपी हरविंदर सिंह ने खुलासा किया कि इस फैक्ट्री में निर्मित हथियार पश्चिम बंगाल के रास्ते बांग्लादेश भेजे जाते थे. उन्होंने बताया कि कोलकाता एसटीएफ को पहले से सूचना मिल रही थी कि बोकारो में अवैध गन फैक्ट्री संचालित हो रही है. इससे पहले धनबाद के महुदा थाना क्षेत्र में भी कोलकाता एसटीएफ की सूचना पर एक गन फैक्ट्री का पर्दाफाश किया गया था.

एसपी ने स्वीकार किया कि गांधीनगर थाना क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर अवैध हथियार निर्माण की जानकारी स्थानीय प्रशासन को नहीं थी. उन्होंने कहा कि प्रशासन की सूचना तंत्र को और मजबूत किया जाएगा. यह अवैध धंधा एक सुदूर इलाके में बैंक्विट हॉल के यार्ड में चल रहा था. पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि इसके पीछे के नेटवर्क का पता लगाया जा सके. छापेमारी के दौरान छह निर्मित पिस्तौल, अठारह अर्ध-निर्मित पिस्तौल, बैरल बनाने का सामान और अन्य हथियार निर्माण की सामग्री बरामद की गई. इसके अलावा, भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब, बियर और पैकिंग के लिए खाली डिब्बे व रैपर भी जब्त किए गए. इस कार्रवाई में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें बिहार के मुंगेर जिले का प्रवीन और खगड़िया जिले का केशव शामिल हैं. मुख्य सरगना सूरज साव मौके से फरार हो गया.

पुलिस इस मामले में गहन जांच कर रही है और फरार सूरज साव की तलाश में छापेमारी तेज कर दी गई है. इस कार्रवाई में कोलकाता एसटीएफ, रांची एटीएस और जिला पुलिस बल शामिल थे.

मछली पकड़ने गए दो ग्रामीण कोयल नदी में फंसे, चट्टान पर बैठकर बचाई जान

क्राइम संवाददाता द्वारा

खूंटी: खूंटी जिले रनिया थाना क्षेत्र के कोटांगेर गांव में दो ग्रामीण गुरुवार को कोयल नदी में मछली पकड़ने गए थे। लेकिन नदी में अचानक पानी बढ़ने से वो बीच में ही फंस गए। बिरसा लोहरा और बुधवा आईद नामक दोनों ग्रामीणों ने बीच नदी में फंसने के बाद एक ऊंचे चट्टान पर चढ़कर अपनी जान बचाई। बाद में, एनडीआरएफ की टीम और स्थानीय लोगों ने मिलकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।

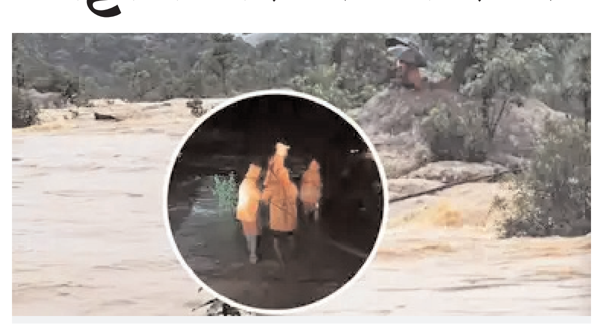

बताया गया है कि बिरसा और बुधवा के साथ के साथ दो चरवाहे बच्चे भी थे, जो समय रहते स्थिति भांपकर सुरक्षित बाहर निकल गए। लेकिन बिरसा और बुधवा नदी के बीच चट्टान पर फंस गए। बच्चों ने घटना की सूचना गांव में दी, जिससे खबर आग की तरफ फैल गई और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचित किया।

दरअसल, दोनों ग्रामीण बुधवार की सुबह कोयल नदी में मछली पकड़ने गए थे। उस समय नदी का जलस्तर सामान्य था। उन्होंने नदी में जाल बिछाया था। गुरुवार की सुबह भी पानी कम था। इसलिए वे जाल और उसमें फंसी मछलियों को निकालने के लिए नदी में उतरे। घटना की जानकारी मिलते ही एनडीआरएफ की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बचाव कार्य शुरू किया। रात तक चले इस ऑपरेशन में दोनों मछुआरों को सुरक्षित नदी से बाहर निकाल लिया गया।

नगर निकाय चुनाव को लेकर इंडिया ब्लॉक में रार!

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड में नगर निकाय चुनाव को लेकर अभी कोई घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इंडिया ब्लॉक के दो अहम दलों कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने गंभीरता से तैयारी शुरू कर दी है, वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा का मानना है कि नगर निकाय चुनाव के बारे में अभी बात करना जल्दबाजी होगी.

झारखंड में नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत समेत कुल 48 शहरी निकाय हैं. आने वाले दिनों में इन सभी नगर निकाय क्षेत्रों में नगर सरकार चुनने के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. ऐसे में राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष ने सभी जिलों के राजद पदाधिकारियों को राज्य के सभी नगर निकाय चुनाव की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया है.

राजद के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह याद का तर्क है कि चुनाव नहीं लड़ने से पार्टी का

जनाधार घटता है और उसके वोटर इधर-उधर चले जाते हैं, इसलिए राजद अपना जनाधार बढ़ाने के लिए पूरी गंभीरता के साथ नगर निकाय चुनाव लड़ेगी.

वहीं कांग्रेस ने भी नगर निकाय चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है. रांची नगर निगम क्षेत्र में जीत दर्ज करने का फार्मूला तैयार कर लिया गया है और अन्य जिलों में भी रांची जैसा नगर निकाय चुनाव कराने की रणनीति बनाई गई है. कांग्रेस नेताओं ने साफ कर दिया है कि अगर नगर निकाय चुनाव होते हैं तो कांग्रेस अपने उम्मीदवार उतारेगी और अगर चुनाव गैर पार्टी का भी होगा तो भी हमारी कोशिश होगी कि नगर निकाय चुनाव में ज्यादा से ज्यादा कांग्रेसी जीतें.

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता निरंजन पासवान ने कहा कि हमारी तैयारी झामुमो या किसी अन्य गठबंधन दल के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह तैयारी अपने लिए है. उन्होंने कहा कि जब गठबंधन दलों के नेताओं से बातचीत होगी, तब देखा जाएगा, फिलहाल राज्य के सभी नगर निगम क्षेत्रों में हमारी तैयारी चल रही है.

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि नगर निकाय चुनाव को लेकर झामुमो अभी सरकार के अगले रुख का इंतजार कर रहा है. उन्होंने कहा कि अगर दलीय चुनाव होंगे, तो उसकी रणनीति अलग होगी और अगर गैर दलीय चुनाव होंगे, तो रणनीति अलग होगी.

नगर निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस-राजद के तैयार होने के सवाल पर मनोज पांडेय ने कहा कि चुनाव लड़ने के लिए शोर मचाने की जरूरत नहीं है. वह पुरानी बात हो गई है, जब यह सोचा जाता था कि झामुमो का शहरी लोगों के बीच कोई जनाधार नहीं है. लेकिन समय बदल गया है. उनके नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विकासोन्मुखी सोच और शहरी क्षेत्रों में लगातार किए जा रहे कार्यों ने लोगों का नजरिया बदल दिया है.

मनोज पांडेय ने कहा कि जब 17 साल तक भाजपा सत्ता में थी, तब लोगों ने नदी को नाले में बदलते देखा था, तब शहरी इलाका नरक जैसा दिखता था. अब जब हेमंत सरकार सत्ता में है, तो शहरी लोगों को फ्लाईओवर की सौगात मिल रही है. उन्होंने कहा कि पिछले रांची नगर निगम मेयर चुनाव में झामुमो प्रत्याशी वर्षा गाड़ी जीत जातीं, लेकिन फिर रघुवर राज में भाजपा को गलत तरीके से जीत दिला दी गई.

दिल्ली की हवा में ऐतिहासिक सुधार, 'संतोषजनक' श्रेणी में एक्यूआई, सिरसा ने जताई खुशी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली ने वायु प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है। शहर ने लगातार कई दिनों तक संतोषजनक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) दर्ज किया है। यह महज संयोग नहीं, बल्कि केंद्र और दिल्ली सरकार की समन्वित रणनीति, ठोस राजनीतिक इच्छाशक्ति, दूरदर्शी नीतियों और ज़मीन पर की गई प्रभावी कार्रवाई का परिणाम है। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई। मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, दिल्ली ने इतिहास रच दिया है। पहली बार शहर में लगातार कई दिनों तक संतोषजनक एक्यूआई दर्ज हुआ है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता, केंद्र और दिल्ली सरकार के संयुक्त प्रयास और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हुए मार्गदर्शन का प्रतिफल है। सभी नागरिकों से अपील है कि इस परिवर्तन को स्थायी बनाने में योगदान दें। आइए मिलकर प्रदूषण को कम करें और अपने बच्चों के भविष्य के लिए स्वच्छ हवा सुनिश्चित करें। उन्होंने लिखा, बीते 100 दिनों में दिल्ली सरकार के पर्यावरण एवं वन विभाग ने प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

योग प्रेमियों के लिए डीएमआरसी की विशेष पहल, 21 जून को सुबह 4 बजे से शुरू होंगी सेवाएं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को दिल्ली-एनसीआर की लाइफलाइन मानी जाने वाली दिल्ली मेट्रो ने एक अहम फैसला लिया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने घोषणा की है कि 21 जून को मेट्रो सेवाएं सुबह 4 बजे से ही शुरू की जाएंगी। डीएमआरसी के इस फैसले का उद्देश्य यह है कि योग आयोजन स्थलों तक लोग समय से पहुंचे। दिल्ली मेट्रो ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सुबह 4 बजे से दिल्ली मेट्रो की सेवाएं शुरू होंगी। पोस्ट में आगे लिखा गया, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2025 के अवसर पर योग के प्रति उत्साही लोगों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए 21 जून 2025 (शनिवार) को सभी आरंभिक स्टेशनों से दिल्ली मेट्रो की सेवाएं सुबह 4 बजे से शुरू होंगी। डीएमआरसी ने कहा, दैनिक समय सारिणी के अनुसार सुबह 4 बजे से लेकर यात्री सेवाओं के शुरू होने तक सभी लाइनों पर 30 मिनट के अंतराल पर सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

सपा नेता एसटी हसन को योग में भी हिंदू-मुस्लिम नजर आता है : शहजाद पूनावाला

नई दिल्ली । समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व सांसद एसटी हसन के योग दिवस पर दिए गए विवादित बयान को लेकर भाजपा हमलावर है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे तुष्टिकरण की राजनीति करार दिया है। शहजाद पूनावाला ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को सांप्रदायिक पार्टी कहा जाना चाहिए। वे वोट बैंक को खुश करने में लगे रहते हैं और अब योग में भी उन्हें हिंदू-मुस्लिम नजर आने लगा है। संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के भारत के प्रस्ताव का 170 से ज्यादा देशों ने समर्थन किया, जिसमें कई मुस्लिम देश भी शामिल थे। यह हिंदू-मुस्लिम मुद्दा नहीं बना। अब जब सरकारी दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारियों के स्वास्थ्य के लिए 10-15 मिनट शारीरिक गतिविधि करने का प्रोटोकॉल तैयार किया जा रहा है, तब एसटी हसन इसे सांप्रदायिक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने एसटी हसन पर तंज कसते हुए कहा कि यह तो कई बार यूसीसी के मुद्दे पर कह चुके हैं कि अगर यूसीसी आएगा तो चार शादी का अधिकार नहीं मिलेगा। यह यूसीसी का विरोध करते हैं। यह वही पार्टी है, जिसे एक मामले में कोर्ट से फटकार लगाई गई थी। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि आतंकियों को छोड़ रहे हो, क्या आगे चलकर उन्हें पदमश्री या पदमभूषण देंगे?

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 27 जून से, 8 जुलाई तक मनाया जाएगा महोत्सव

नई दिल्ली। भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा 27 जून को त्यागराज नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से निकाली जाएगी। गुरुवार को मंदिर की कार्यकारिणी समिति ने बताया कि यह 58वीं रथयात्रा होगी जिसे बड़े महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इस अवधि के दौरान भगवान जगन्नाथ श्री गुंडिचा मंदिर में रहेंगे, जहां हर दिन त्यागराज नगर आवासीय कॉलोनी के पार्किंग क्षेत्र में एक रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। मंदिर प्रबंधन समिति ने प्रेसवार्ता में बताया कि रथ यात्रा के दिन, पवित्र विग्रहों को सुबह 11.30 बजे पहंडी बिजे नामक समारोह में बाहर निकाला जाएगा और दोपहर 1.00 बजे उन्हें रथ पर स्थापित किया जाएगा। भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अपनी मौसी के घर, श्री गुंडिचा मंदिर में 10 दिन के प्रवास के लिए जाएंगे। इस उत्सव की खासियत यह है कि भगवान अपने भक्तों के पास आते हैं ताकि जाति, पंथ और वर्ग से परे हर कोई रथ पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर सके।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी 2026 रैंकिंग शिक्षा जगत के लिए अच्छी खबर : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में भारतीय विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे देश के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है।पीएम मोदी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के एक एक्स पोस्ट को रीट्वीट करते हुए लिखा, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी 2026 रैंकिंग हमारे शिक्षा क्षेत्र के लिए बहुत अच्छी खबर लेकर आई है। हमारी सरकार भारत के युवाओं के लाभ के लिए अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। धर्मेंद्र प्रधान ने एक्स पर लिखा, वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ 54 उच्च शिक्षा संस्थानों में शामिल होने के साथ भारत ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी 2026 रैंकिंग में एक नया मुकाम हासिल किया है। साल 2014 में सिर्फ 11 संस्थानों से अब 54 तक,

यह लगभग पांच गुना वृद्धि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए परिवर्तनकारी शैक्षिक सुधारों को दर्शाती है। मुझे विश्वास है कि अनुसंधान, नवाचार और अंतर्राष्ट्रीयकरण पर एनईपी पर जोर के साथ आने वाले समय में और अधिक भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान वैश्विक उत्कृष्टता हासिल करेंगे। आपको बता दें, जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में कुल 54 भारतीय संस्थानों को शामिल किया गया है, जो भारत के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली शीर्ष रैंक वाला भारतीय संस्थान बनकर उभरा है, जो वैश्विक स्तर पर 150वें स्थान से 123वें स्थान पर पहुंच गया है, जो अब तक का उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शिक्षा मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, ÷आईआईटी दिल्ली भारत के शीर्ष रैंक वाले संस्थान के रूप में अग्रणी है। यह क्यूएस रैंकिंग में संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक ऊंचाई है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने क्यूएस रैंकिंग में प्रतिनिधित्व में 390 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि दर्ज की है, जो जी-20 देशों में सबसे तेज है। पिछले साल की रैंकिंग में भारत का शीर्ष संस्थान आईआईटी बॉम्बे इस साल 118वें स्थान से फिसलकर 129वें स्थान पर आ गया है।

डॉ. अशोक कुमार बने आरएमएल अस्पताल के नए निदेशक

एजेंसी

नई दिल्ली । अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान से संबद्ध राम मनोहर लोहिया अस्पताल को नया निदेशक और नया चिकित्सा अधीक्षक मिल गया है। केंद्र सरकार की ओर से जारी आदेश के तहत आरएमएल अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के निदेशक प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार को चिकित्सा निदेशक और शिशु रोग विभाग के परामर्शदाता डॉ. विवेक दीवान को चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त किया गया है। आदेश पत्र में कार्यवाहक चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरती मारिया से अनुरोध किया गया है कि वह आने वाले पदधारी को चिकित्सा अधीक्षक का प्रभार सौंप दें। दरअसल, स्वास्थ्य मंत्रालय ने करीब डेढ़ महीने पहले यानी 7 मई को अस्पताल के निदेशक एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय कुमार शुक्ला की सेवानिवृत्ति के बाद संस्थान की डीन और शिशु रोग विभाग की परामर्शदाता डॉ. आरती मारिया को चिकित्सा अधीक्षक का पद अस्थायी तौर पर सौंप दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश और वरिष्ठ वकीलों के साथ स्कूली बच्चे करेंगे योग

एजेंसी

नई दिल्ली। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2025 पर आम लोगों के साथ सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश और वरिष्ठ वकीलों संग स्कूली बच्चे भी योग के आसनों का अभ्यास करेंगे। इस आशय की जानकारी अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) की कार्यवाहक निदेशक (डॉ.) मंजुषा राजगोपाल ने दी।

उन्होंने कहा कि योग सिर्फ अभ्यास नहीं, बल्कि संतुलित जीवन जीने का तरीका है। इन विशिष्ट कार्यक्रमों के जरिये हम आयुर्वेद, पुरातन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान को जोड़कर लोगों के स्वास्थ्य और मजबूती को बढ़ाना चाहते हैं। डॉ. राजगोपाल ने कहा, योग संगम नामक मुख्य कार्यक्रम 21 जून को दिल्ली में दो जगहों पर आयोजित किया जाएगा। पहला कार्यक्रम सर्वोच्च न्यायालय परिसर में और दूसरा कार्यक्रम केंद्रीय विद्यालय एनटीपीसी मैदान,

बदरपुर में होगा। इस दौरान सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के आधार पर 2,000 से ज्यादा लोगों द्वारा सामूहिक योग प्रदर्शन किया जाएगा। इनमें छात्र, डॉक्टर, वकील, योग प्रेमी और स्थानीय लोग शामिल होंगे। इसके अलावा एआईआईए गोवा की डीन डॉ. सुजाता कदम और असोसिएट-डीन डॉ. मोहन जोशी के नेतृत्व में पेड्डेम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मापुसा में भी सामूहिक योग प्रदर्शन किया जाएगा।

सरकार हर भारतीय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध : शाहनवाज हुसैन

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने ईरान में बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए केंद्र द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंधु' पर कहा कि भारत सरकार अपने हर नागरिक की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने मुख्य विपक्षी दल को पाकिस्तान के एजेंडे की कार्बन कॉपी बताया। सैयद शाहनवाज हुसैन ने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, जब भी भारतीय नागरिकों को विदेश में किसी संकट का सामना करना पड़ा है, मोदी सरकार ने हमेशा सक्रियता से जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंधु के तहत 110 से ज्यादा लोगों को निकाला जा चुका है और आगे भी निकाला जाएगा। भारत सरकार हर भारतीय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, चाहे वे कहीं भी हों। कांग्रेस पार्टी द्वारा पाकिस्तान का नैरेटिव चलाने के आरोप पर शाहनवाज हुसैन ने कहा, कांग्रेस हर सवाल उठाती है जो पाकिस्तान उठाता है, यह पाकिस्तान के एजेंडे की कार्बन कॉपी बन गई है।

यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतनी बड़ी पार्टी देश की चिंताओं पर पाकिस्तान के नैरेटिव को प्राथमिकता देती है। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को क्या हो गया है? यह पाकिस्तान जैसा ही नैरेटिव और प्रोपेगैंडा फैलाती है। प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे पर शाहनवाज हुसैन ने कहा, प्रधानमंत्री बिहार जा रहे हैं और लोगों में काफी उत्साह है। सीवान में एक बड़ी रैली होने वाली है। जब भी प्रधानमंत्री बिहार आते हैं, राजद नेता बयान जारी करना शुरू कर देते हैं। प्रधानमंत्री राज्य के विकास को लेकर काफी चिंतित हैं। वह कभी खाली हाथ नहीं जाते, पिछली बार वह 87,000 करोड़ रुपए का पैकेज लेकर आए थे और एक एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। सपा नेता एस.टी. हसन के बयान पर उन्होंने कहा कि हसन को मालूम नहीं है कि योग शरीर के लिए बहुत जरूरी है, पूजा इबादत एक अलग विषय है, इसको इबादत से क्यों जोड़ रहे हैं। पूरे इस्लामी देशों में लोग योग करते हैं, इनको यहां योग में दिक्कत हो रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, अगर हसन साहब योग करेंगे तो स्वस्थ रहेंगे और बयान भी ठीक-ठीक देंगे।

तीनों सेनाओं के हथियार खरीदने के लिए बनी डीएपी की समीक्षा करेगी समिति

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं के हथियार खरीदने के लिए बनी रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) की व्यापक समीक्षा शुरू की है, जिसके लिए महानिदेशक (अधिग्रहण) की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। समिति में रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, रक्षा उद्योग और शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। पूर्व आईएएस अपूर्व चंद्रा (1980 बैच) को समिति का प्रधान सलाहकार नियुक्त किया है।? पैनल ने पहले ही परामर्श शुरू कर दिया है और 05 जुलाई तक सुझाव मांगे हैं। दरअसल, रक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2025 को सुधारों का वर्ष घोषित किया है, जिसके तहत तीनों सेनाओं के लिए हथियारों की खरीद प्रक्रिया के गठित रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) की व्यापक समीक्षा शुरू

की गई है। समीक्षा का उद्देश्य इसे सरकार की मौजूदा नीतियों और पहलों के साथ जोड़ना है। सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श करने के लिए गठित कमेटी के नियुक्त प्रधान सलाहकार 1980 बैच? के पूर्व आईएएस अधिकारी पहले महानिदेशक (अधिग्रहण) के पद पर कार्य कर चुके हैं। पैनल ने पहले ही परामर्श शुरू कर दिया है और 05 जुलाई तक हितधारकों से sec4-dap2025?@gov?.dot?.in पर सुझाव मांगे हैं। ? रक्षा मंत्रालय के अनुसार डीएपी समीक्षा का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सशस्त्र बलों की परिचालन आवश्यकताओं और आधुनिकीकरण को समय पर पूरा करना है, ताकि अधिग्रहण प्रक्रिया सरकार की नीतियों और पहलों के साथ तालमेल बिठा सकें। स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित प्रणालियों के माध्यम से प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता लाने पर जोर दिया जाना है। समीक्षा के दौरान मेक इन इंडिया को सक्षम बनाने, एफडीआई के माध्यम से विदेशी ओईएम को प्रोत्साहित करने और भारत को वैश्विक रक्षा विनिर्माण और एमआरओ केंद्र के रूप में स्थापित करने पर फोकस किया जाना है।

सोनिया गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को चार दिन के बाद आज सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें पेट से संबंधित बीमारी के कारण 15 जून को भर्ती कराया गया था।डिस्चार्ज होने पर सोनिया गांधी को लेने उनके बेटे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अस्पताल पहुंचे थे। राहुल गांधी का आज जन्मदिन भी है। पार्टी नेताओं और शुभचिंतकों ने सोनिया गांधी के जल्द ठीक होने की कामना की है।डॉक्टरों ने सोनिया गांधी को आराम करने की सलाह दी है। सर गंगा राम अस्पताल के अनुसार, सोनिया गांधी की हालत स्थिर है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें पेट में संक्रमण के चलते यहां भर्ती कराया गया था। अब उनकी हालत में सुधार हुआ है। 78 वर्षीय सोनिया को गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में निगरानी में रखा गया था। सोनिया को इस

महीने दूसरी बार अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इससे पहले 7 जून को शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में उनका एमआरआई किया गया था।

सीआईएसएफ की राष्ट्रीय अग्निशमन प्रशिक्षण पहलः 150 शहरों के 380 अग्निशामकों को मिला उन्नत प्रशिक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने देशभर में अग्निशमन सेवाओं की दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अब तक 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 150 शहरों के 380 अग्निशामकों को उन्नत अग्निशमन प्रशिक्षण प्रदान किया है। यह प्रशिक्षण हैदराबाद स्थित फायर सर्विस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एफएसटीआई) में आयोजित किया गया, जो देश में अग्निशमन प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र है। सीआईएसएफ ने यह राष्ट्रव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम गृह मंत्रालय के निर्देश पर प्रारंभ किया। वर्ष 2023 में सीआईएसएफ स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बल को देश के 100 शहरों के अग्निशामकों को प्रशिक्षण देने का जिम्मा सौंपा था। इसके बाद वर्ष 2023-24 में एफएसटीआई ने 11 प्रशिक्षण बैच आयोजित कर 113 शहरों के 274 कर्मियों को प्रशिक्षित किया। वर्ष 2025 में इस पहल को आगे बढ़ाते हुए पांच और प्रशिक्षण बैच निर्धारित किए गए, जिनमें से चार पूरे हो चुके हैं। अब तक इन अतिरिक्त बैचों में 10 राज्यों के 46 शहरों के 106 अग्निशामकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। पांचवां सत्र 25 अगस्त से शुरू होगा। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को आधुनिक अग्निशमन तकनीकों और आपदा प्रबंधन क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। इसमें घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में आगजनी और आपात स्थितियों से निपटने की विशेष तकनीकें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (सीबीआरएन) आपदाओं से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। सीआईएसएफ के प्रवक्ता अजय दहिया ने बताया कि एकमात्र समर्पित अग्निशमन विंग वाले सीएपीएफ के रूप में हमारा उद्देश्य न केवल आग लगने की घटनाओं पर समय पर प्रतिक्रिया देना है, बल्कि रोकथाम और जागरूकता की दिशा में भी कदम उठाना है। हमारे प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को लगातार अद्यतन किया जाता है ताकि वे वैश्विक मानकों पर खरे उतर सकें। यह प्रशिक्षण पहल राज्यों की अग्निशमन सेवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। यदि राज्य सरकारें और अधिक कर्मियों को नामांकित करना चाहें तो सीआईएसएफ ने वर्ष 2025 के प्रशिक्षण कैलेंडर में अतिरिक्त स्लॉट समायोजित करने की भी घोषणा की है। एफएसटीआई, हैदराबाद, अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है और न केवल सीआईएसएफ कर्मियों बल्कि अन्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिभागियों को भी प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह भारत में अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण के लिए एक प्रमुख केंद्र बन गया है। जैसे-जैसे यह अभियान आगे बढ़ेगा, यह भारत की शहरी सुरक्षा ढांचे को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा और आपदा-प्रतिरोधी भारत की परिकल्पना को साकार करने में मदद करेगा।

एम्स में आदिवासी स्वास्थ्य एवं अनुसंधान संस्थान के लिए एक उन्नत केंद्र की होगी स्थापना

एजेंसी

नई दिल्ली।विश्व सिकल सेल दिवस के मौके पर जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने रोग के इलाज को लेकर दवा विकसित करने के लिए भगवान बिरसा मुंडा पुरस्कार की घोषणा की है। इसके साथ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में आदिवासी स्वास्थ्य एवं अनुसंधान संस्थान के लिए एक उन्नत केंद्र की स्थापना की जाएगी। एम्स में एक कार्यक्रम में जनजातीय मामलों के राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया जैसी खतरनाक बीमारी को समाप्त करने के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि उनका मंत्रालय देश से इस बीमारी को समाप्त करने के लिए अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहा है। एक जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार के संकल्प की घोषणा की थी कि 2047 के अंक तक भारत की धरती से सिकल सेल एनीमिया को समाप्त कर दिया जाएगा। विश्व सिकल सेल दिवस पर एम्स में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप मंत्रालय अन्य विभागों के साथ मिलकर इस बीमारी के उन्मूलन के लिए स्क्रीनिंग, परीक्षण और अन्य आवश्यक कार्य पूरा करने वाला है। यह न केवल चिकित्सा बिरादरी के लिए एक चुनौती है, बल्कि देश में आदिवासी समुदायों को सामाजिक न्याय प्रदान करने का एक आंदोलन भी है। उन्होंने चिकित्सा बिरादरी से भारत से इस बीमारी को खत्म करके प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने के लिए आगे आने का आह्वान किया। इस दौरान राज्यमंत्री ने सिकल सेल एनीमिया के मरीजों और उनके परिवारों से भी बातचीत की। विश्व सिकल सेल दिवस कार्यक्रम में जनजातीय मामलों के मंत्रालय के सचिव विभु नायर ने कहा कि सिकल सेल और एनीमिया से पीड़ित रोगियों को प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए भारत सरकार ने देशभर के एम्स सहित 15 तृतीयक देखभाल अस्पतालों में सक्षमता केंद्र (सीओसी) शुरू किए हैं। यह इस साल नवंबर अंत तक काम करना शुरू कर देगा और रोगियों को जल्द ही निदान के साथ-साथ रेफरल सुविधाएं भी मिलेंगी।

उपचुनावः चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात, पंजाब, पश्चिम बंगाल और केरल की कुल पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में हाल ही में लागू किए गए तकनीकी उपायों और मतदाता सुविधा प्रयासों की सफलता भी इस बार मतदान प्रक्रिया में साफ दिखाई दी। चुनाव आयोग ने कहा कि इन पहलों की सफलता आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में पूर्ण रूप से लागू करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। वोटर टर्नआउट ऐप पर जारी शाम 7 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, केरल के नीलांबुर और पश्चिम बंगाल के कालीगंज में अधिक मतदाता उत्साह देखने को मिला। यहां क्रमश- 70.76 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल के कालीगंज में 69.85 प्रतिशत मतदान हुआ। गुजरात के दो विधानसभा क्षेत्रों-विसावदर और कड़ी में क्रमशः 54.61 प्रतिशत और 54.49 प्रतिशत मतदान हुआ। पंजाब के लुधियाना वेस्ट में सबसे कम 49.07 प्रतिशत मतदान हुआ। हालांकि ये मतदान के अंतिम आंकड़े नहीं हैं। मतों की गणना 23 जून को होगी। चुनाव आयोग ने आज पांच विधानसभा क्षेत्रों में कराए गए उपचुनावों के दौरान हाल ही में शुरू की

गई कई नई पहलों को सफलतापूर्वक लागू किया। मतदान के लिए कुल 1354 मतदान केंद्र बनाए गए थे। पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट आम आदमी पार्टी के विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी के जनवरी में निधन के बाद खाली हो गई। पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट तृणमूल कांग्रेस के विधायक नसीरुद्दीन अहमद के फरवरी में निधन होने के कारण रिक्त हुई थी। उनकी बेटी अलीफा तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार हैं। भाजपा ने आशीष घोष को उम्मीदवार बनाया है जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार काबिल उद्दीन शेख को माकपा का समर्थन प्राप्त है। वहीं, केरल की नीलांबुर सीट पीवी अनवर के विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद खाली हुई थी। चुनाव आयोग की नई पहल इस प्रकार हैं - मोबाइल जमा सुविधा : पहली बार सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए मोबाइल जमा करने की व्यवस्था की गई, जिससे वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांग मतदाताओं को विशेष सुविधा मिली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू - संघर्ष, सेवा और सादगी की मिसाल

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपना जन्मदिन मनाएंगी। यह दिन न केवल उनके जीवन का विशेष दिन है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र की व्यापकता, समावेशिता और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक भी बन चुका है। एक साधारण आदिवासी परिवार से निकलकर राष्ट्रपति भवन तक पहुंचने वाली द्रौपदी मुर्मू की जीवन यात्रा संघर्ष, सेवा और संकल्प की मिसाल है। द्रौपदी मुर्मू का जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा के मयूरभंज जिले के एक छोटे से गांव उपरबेड़ा में हुआ था। वह संथाल जनजाति से संबंध रखती हैं। उनके पिता बिरंची नारायण टुडू गांव के मुखिया थे और पंचायती राज व्यवस्था से जुड़े हुए थे। बचपन में ही उन्होंने यह देख लिया था कि आदिवासी समाज किन सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से जूझता है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय स्कूलों से प्राप्त की और फिर भुवनेश्वर के रामदेवी विमेंस कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की। शिक्षा के प्रति उनकी लगन ही थी जिसने उन्हें एक सशक्त मंच प्रदान किया। द्रौपदी मुर्मू ने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षिका के रूप में की। उन्होंने ओडिशा सरकार के अंतर्गत श्री अरबिंदो इंटीग्रल एजुकेशन सेंटर, रायरंगपुर में मानद शिक्षक के रूप में कार्य किया। बाद में वह ओडिशा राज्य के सिंचाई और ऊर्जा विभाग में जूनियर असिस्टेंट के पद पर भी रहीं। यह दौर उनके जीवन का संघर्षपूर्ण चरण था, जिसमें वे एक ओर घर-परिवार और दूसरी ओर सामाजिक दायित्वों को बखूबी निभा रही थीं। द्रौपदी मुर्मू ने 1997 में राजनीति में कदम रखा। वह भाजपा से रायरंगपुर नगर पंचायत से पार्षद बनीं। यहां से उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई। अपनी कार्यशैली, ईमानदारी और जनसेवा के जज्बे के कारण उन्होंने जल्द ही पार्टी के भीतर अपनी पहचान बना ली। वर्ष 2000 में जब ओडिशा में भाजपा और बीजू जनता दल (बीजद) की गठबंधन सरकार बनी, तो उन्हें राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया। उन्होंने वाणिज्य और परिवहन विभाग और बाद में मत्स्य पालन और पशुपालन विभाग में मंत्री के रूप में सेवा दी। इस दौरान उन्होंने आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए कई योजनाएं चलाईं।

संक्षिप्त समाचार

हेमंत सोरेन सरकार द्वारा नक्शा मुक्ति अभियान के तहत गांव गांव में जाकर लोगों को किया जा रहा है जागरूक

● चेपाखुर्द में नशा मुक्ति वाहन के द्वारा चलंत वीडियो दिखाकर लोगों को किया गया जागरूक

बड़कागांव संवाददाता

बड़कागांव। हेमंत सोरेन सरकार ने नशा मुक्ति योजना के तहत हजारीबाग जिला प्रशासन के नेतृत्व में नशा मुक्ति रथ निकालकर गांवों में जा जाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। नशा मुक्ति प्रचार गाड़ी में एलसीडी के माध्यम से लोगों को चलंत वीडियो दिखाकर बताया जा रहा है कि कोई भी नशीले पदार्थ का प्रयोग नहीं करना है जिससे हमारे शरीर का नुकसान हो। साथ ही वैसे लोगों को भी जागरूक करने का प्रयास करना है जो नशे के लत में लग चुका है। इस चलंत वीडियो को देखने के लिए लोगों में काफी उत्साह देखा गया। वहीं वीडियो को देखने के बाद महिलाओं से पूछे जाने पर महिलाओं ने बताया कि इस प्रकार की जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है क्योंकि गांव में जो लोगों में नशे की लत फैला हुआ है उसे रोका जा सके। मौके पर वार्ड सदस्य पिंकी देवी , शिक्षक कुलदीप कुमार , लिखु साव, परमेश्वर राम, देवनाथ यादव, सचिन कुमार,काजल कुमारी, रुदिया देवी, कौशल्या देवी, उर्मिला कुमारी, देवंती देवी, मंजू देवी, सोनी कुमारी, सरस्वती देवी, पियाशो देवी, चांदो देवी, रिया कुमारी एवं अन्य लोगों उपस्थित थे।

मतदान केंद्रों के नजरी नक्शा, की-मैप एवं टर्निंग पॉइंट कोऑर्डिनेट्स संकलन हेतु एईआरओ एवं सभी बी0एल0ओ0 सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के पूर्व पुनरीक्षण गतिविधियों के पूर्व Geo-Fencing के तहत मतदान केन्द्रों के नजरी नक्शा, की-मैप तैयार करने तथा टर्निंग पॉइंट कॉर्डिनेट्स को संकलित करने के निमित्त शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में उप निर्वाचन पदाधिकारी, हजारीबाग के द्वारा 24- मांडू विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सभी बी0एल0ओ0 सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया। उप निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को अपने अधीनस्थ बी0एल0ओ0 को मतदान केन्द्रों के नजरी नक्शा, की मैप तैयार करने तथा Turning Points Co-ordinates को संकलित करने के सम्बन्ध में प्रखंड स्तर पर दिनांक 21.06.2025 तक सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण देने हेतु निदेश दिया गया। इस मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी हजारीबाग, सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सभी बी0एल0ओ0 सुपरवाइजर 24-मांडू विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र उपस्थित रहे।

डोडा तस्करी का भंडाफोड़, 168.5 किलो डोडा के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। चौपारण थाना क्षेत्र के ढोढिया जंगल स्थित लंगड़ी महुआ के पास झोपड़ी में छिपाकर रखे गए भारी मात्रा में डोडा की तस्करी का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके से 168.5 किलोग्राम डोडा (10 बोरा), एक अल्टो कार (JH02BK-5740), एक इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन और तीन एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए। मौके से तीन तस्करों - शिवानंद कुमार, रुपेश बिरहोर एवं चन्दन कुमार को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। इनके विरुद्ध चौपारण थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

जन वितरण प्रणाली की दुकानों की जांच हेतु उड़नदस्ता दल का गठन, उपायुक्त ने जांच हेतु बनाई टीम

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देशानुसार जिले में जन वितरण प्रणाली दुकानों में खाद्यान्न, धोती-साड़ी,नमक,चीनी आदि के वितरण में संभावित गड़बड़ियों को ध्यान में रखते हुए उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है। इस दल में जिले के वरीय पदाधिकारी,प्रखंड विकास पदाधिकारी,अंचल अधिकारी एवं अन्य अधिकारी सम्मिलित होंगे। यह उड़नदस्ता दल नियमित रूप से जन वितरण प्रणाली दुकानों की जांच करेगा। जांच के दौरान दुकानों की स्थिति, ई-पॉश मशीन, वज़न मशीन, पंजी संधारण, खाद्यान्न स्टॉक, वितरण प्रक्रिया, सूचना पट्ट एवं फ्लैक्स प्रदर्शन आदि का निरीक्षण किया जाएगा। साथ ही लाभुकों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनी जाएंगी। उक्त टीम राज्य खाद्य निगम के गोदामों की भी जांच करेगी तथा भंडारण व्यवस्था, SOP के अनुसार संचालन, स्टॉक सत्यापन एवं उठाव प्रक्रिया की जांच की जाएगी।

यदि जांच के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित दुकानदार/गृहस्थ अथवा संबंधित अधिकारी पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना अंतर्गत सभी योग्य लाभुकों को मानकों के अनुरूप नियमित रूप से राशन मिले,इस बाबत उपायुक्त ने यह सकारात्मक पहल की है।

वरिष्ठ वामपंथी नेता कामरेड रामनरेश कुमार को दी गई नम आंखों से अंतिम विदाई

● नगवां मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार पूर्ण सम्मान के साथ किया गया

● कामरेड रामनरेश कुमार ने अपना पूरा जीवन श्रमिक वर्ग के हक-अधिकारों के लिए संघर्ष में बिताया: भूवनेश्वर मेहता

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के वरिष्ठ एवं संघर्षशील नेता कामरेड रामनरेश कुमार का गुरुवार, 19 जून 2025 को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग में निधन हो गया।

शुक्रवार, 20 जून को उनके पैतृक गांव नगवां पंचायत, हजारीबाग सदर प्रखंड से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में जनसामान्य, राजनीतिक कार्यकर्ता और शुभचिंतक शामिल हुए। नगवां स्थित मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार पूर्ण सम्मान के साथ किया गया।

पूर्व सांसद एवं सीपीआई के वरिष्ठ नेता सह झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष कामरेड भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर लाल झंडा ओढ़ाकर श्रद्धांजलि दी तथा परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की। अंतिम यात्रा के दौरान उन्होंने अर्थी को कांधा दिया और कामरेड रामनरेश अमर रहें, लाल सलाम, तुम्हारे अरमानों को मंजिल तक पहुंचाएंगे जैसे नारों के साथ विदाई दी।

कामरेड भुवनेश्वर मेहता ने कहा कि कामरेड रामनरेश कुमार का सम्पूर्ण जीवन मजदूर, गरीब, असंगठित श्रमिकों के अधिकारों की लड़ाई को समर्पित रहा। हजारीबाग में वे रिक्शा चालक, मोठिया मजदूर, नगरपालिका कर्मचारियों के बीच एक सशक्त और विश्वसनीय नेतृत्व के रूप में प्रसिद्ध थे। उनके समर्पण को देखते हुए उन्हें एटक (AITUC) का जिला अध्यक्ष भी बनाया गया था। वे एक जुझारू आंदोलनकारी नेता थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन श्रमिक वर्ग के हक-अधिकारों के लिए संघर्ष में बिताया।

कामरेड रामनरेश कुमार का निधन केवल सीपीआई के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड के जनांदोलन और श्रमिक वर्ग के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका संघर्षमय जीवन हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

सीपीआई झारखंड राज्य परिषद कामरेड रामनरेश कुमार को क्रांतिकारी लाल सलाम अर्पित करती है और उनके अधूरे सपनों को मंजिल तक पहुंचाने का संकल्प दोहराती है। उनकी अंतिम यात्रा में सीपीआई राज्य सचिव कामरेड महेंद्र पाठक, कामरेड कृष्ण कुमार, कामरेड शंभू कुमार, कामरेड महेंद्र राम, कामरेड निजाम अंसारी, कामरेड मजीद अंसारी, कामरेड इम्तियाज अंसारी, कामरेड अनिरुद्ध प्रसाद, नेमन यादव, सुदेशी पासवान, अनंत कुमार आर्या, अर्जुन मेहता, नगवां मुखिया विनय कुमार, सदर प्रमुख प्रतिनिधि गणेश कुमार मेहता, सीपीएम जिला सचिव गणेश कुमार (सीटू), तथा खतियानी परिवार के केंद्रीय महासचिव मोहम्मद हकीम सहित कई अन्य सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिनिधि शामिल हुए और श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपायुक्त ने मादक पदार्थों के विरुद्ध विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित गतिविधियों का समीक्षा की

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। मादक द्रव्य से संबंधित जिला स्तरीय समिति एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के कार्यान्वयन से संबंधित बैठक का आयोजन उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में किया गया। बैठक में उपायुक्त ने मादक पदार्थों के विरुद्ध विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित गतिविधियों का समीक्षा की। बैठक में संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारीगण की उपस्थिति में अभियान की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई।

उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि मादक द्रव्यों के अवैध उत्पादन, भंडारण, तस्करी एवं वितरण की सभी गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए कठोर विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी दल गठित करने तथा निरंतर छापामारी अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

शिक्षा विभाग को निदेशित किया गया कि शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को नशा उन्मूलन के प्रति जागरूक करने हेतु समर्पित कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। वाद-विवाद, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध लेखन, संगोष्ठी एवं प्राचार्य स्तरीय मार्गदर्शन सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों में नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रहने की प्रेरणा प्रदान की जाए।

स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि नशा पीड़ित व्यक्तियों की पहचान कर समुचित उपचार, परामर्श एवं पुनर्वास सेवाएं मुहैया कराई जाएं। मनोपरामर्श केंद्रों को सुदृढ़ करते हुए आवश्यक विशेषज्ञों की तैनाती एवं सुविधाओं का सशक्तिकरण किया जाए। समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया गया कि समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर महिला समूहों, युवाओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को इस अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ा जाए। आंगनबाड़ी केंद्रों में नशा मुक्ति से संबंधित गोष्ठी का आयोजन करें।

जनसंपर्क विभाग को निर्देशित किया गया कि अभियान के जनसरोकार को दृष्टिगत रखते हुए जागरूकता प्रसार हेतु बहुआयामी माध्यमों का समुचित उपयोग किया जाए। नुक्कड़ नाटक, एलईडी वैन, रैली, पोस्टर-बैनर, ऑडियो-विजुअल प्रचार सामग्री एवं डिजिटल मीडिया के समन्वित माध्यम से जन-जागरूकता सघनता से संचालित की जाए। विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों, विभिन्न कोचिंग सेंटर, माइनिंग क्षेत्रों के आसपास नशा मुक्ति से संबंधित पोस्टर-बैनर लगवाना सुनिश्चित करेंगे।

उपायुक्त ने कहा कि अभियान के समाप्ति के पश्चात भी सभी पदाधिकारी समय समय पर नशा उन्मूलन के प्रति जागरूक करने हेतु आवश्यक गतिविधि करते रहेंगे। जागरूकता ही नशा मुक्ति का सबसे बड़ा इलाज है। उन्होंने मादक पदार्थों की रोकथाम को अत्यंत गंभीर एवं प्राथमिकता का विषय बताते हुए सभी संबंधित विभागों को समन्वित एवं सुनियोजित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव से समाज के युवा वर्ग, शैक्षणिक वातावरण, आर्थिक स्थिति एवं सामाजिक ताने-बाने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिसके उन्मूलन हेतु सभी विभागों को सामूहिक उत्तरदायित्व के भाव से कार्य करना अनिवार्य है।

बैठक में उपायुक्त के अलावे डीएफओ, डीडीसी, डीएसपी, नगर आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर एवं बरही, प्रशिक्षु आईएएस, सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक, जिला खेल पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

वर्षों की प्रतीक्षा के बाद रोला सरौनी मार्ग को मिली मंजूरी, मुन्ना सिंह की पहल लाई रंग

● यह केवल एक सड़क का निर्माण नहीं, यह हजारों ग्रामीणों के संघर्ष और धैर्य की विजय है: मुन्ना सिंह

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग के सदर प्रखंड अंतर्गत रोला मोड़ से सरौनी तथा मरहेता मोड़ से पौता बस्ती तक की सड़क दशकों से उपेक्षा और दुर्दशा की प्रतीक बनी हुई थी। यह मार्ग केवल एक सामान्य ग्रामीण सड़क नहीं, बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों के जीवन का आधार है। यह वही रास्ता है जिस पर स्कूली बच्चों की उम्मीदें दौड़ती हैं, बीमार लोगों की एंबुलेंसें निकलती हैं, किसान अपनी उपज लेकर शहर पहुंचते हैं, और ग्रामीण महिलाएं रोजमर्रा की जरूरतों के लिए बाज़ार आती-जाती हैं। लेकिन बरसात हो या गर्मी, यह सड़क अधिकतर समय जलजमाव, कीचड़ और गड्ढों में तब्दील रहती थी। अंततः यह स्थिति तब बदली जब कांग्रेस पार्टी के सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं नगर निगम प्रभारी मुन्ना सिंह ने इस विषय को गंभीरता से उठाया। 23 मई 2025 को इंदरपुरी स्थित ग्रामीण विकास विभाग कार्यालय में उन्होंने मंत्री दीपिका पांडे सिंह के नाम इस मार्ग की स्थिति पर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने ज्ञापन में मंत्री से इस सड़क की दुर्दशा का न केवल वस्तुनिष्ठ वर्णन किया, बल्कि इसे जन-स्वास्थ्य, शिक्षा और आवागमन से सीधे जुड़ा मानवीय संकट बताया। वहीं मंत्री ने इस ज्ञापन को गंभीरता से लिया और शीघ्र संज्ञान में लेते हुए विभागीय स्तर पर सड़क निर्माण को स्वीकृति प्रदान कर दी। यह केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि जनभावनाओं की सार्थक जीत थी। मुन्ना सिंह ने इस स्वीकृति के पश्चात मंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह केवल एक सड़क का निर्माण नहीं है, यह हजारों ग्रामीणों के संघर्ष और धैर्य की विजय है। कांग्रेस पार्टी हमेशा जनहित में, जनता के साथ खड़ी रही है और रहेगी। जब तक समाधान नहीं होता, तब तक संघर्ष ही मेरी पहचान है। इस घोषणा के साथ ही ग्रामीण अंचलों में हर्ष और उत्साह की लहर दौड़ गई। वह अब यथार्थ बनने जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब उनके बच्चों की शिक्षा बाधित नहीं होगी, बीमार लोगों को समय पर इलाज मिलेगा, और वे अपने जीवन में सहजता का अनुभव करेंगे।

परेज परियोजना में हाईवाल गिरने से सीनियर ओवरमैन की मौत

संवादाता चरही

चरही। सीसीएल हजारीबाग कोयला क्षेत्र की परेज पूर्वी उत्खनन परियोजना में गुरुवार की देर शाम खदान में हाईवाल गिरने से एक सीसीएलकर्मी की मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि परेज परियोजना में सीनियर ओवरमैन पद पर कार्यरत युगल कुमार महतो द्वितीय पाली ड्यूटी खदान में कर रहे थे। खदान में दोपहर में ब्लास्टिंग किया गया था। जिसके कारण हाइवाल कमजोर पड़ गया था। वहीं दूसरी ओर लगातार बारिश के कारण उपर से हाईवाल गिर गया। जिसके चपेट में आकर युगल महतो बूरी तरह से जख्मी हो गए। घायल अवस्था में उन्हें प्रेमनगर चिकित्सालय ले जाया गया। जहां पर उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें नई सराय अस्पताल रेफर कर दिया गया। नई सराय अस्पताल में जांच करने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बरसात में डटे रहे हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, मासीपीढ़ी की जलजमाव समस्या का लिया संज्ञान

● राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को बुलाकर कराया समाधान

● जनता की सेवा ही मेरा धर्म है, वर्षा हो या धूप मैं सदैव जनता के साथ हूं: प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। लगातार हो रही मूसलधार वर्षा के बीच हजारीबाग सदर के विधायक प्रदीप प्रसाद जनता की समस्याओं के समाधान को लेकर पूरी तरह सक्रिय और सजग नज़र आए। मासीपीढ़ी क्षेत्र में रांची-पटना मुख्य मार्ग पर भारी जलजमाव की सूचना प्राप्त होते ही उन्होंने गुरुवार को स्वयं स्थल पर पहुँचकर स्थिति का निरीक्षण किया और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों से तत्काल संपर्क कर त्वरित समाधान का आग्रह किया। अगले ही दिन शुक्रवार को पुनः विधायक प्रदीप प्रसाद वर्षा के बीच हाथों में छाता लिए स्थल पर उपस्थित हुए और संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलवाया। तत्पश्चात, जेसीबी मशीन की सहायता से सड़क पर एकत्रित जल का निकासी कार्य कराया गया, जिससे आवागमन कर रहे नागरिकों को बड़ी राहत मिली। मुख्य मार्ग पर जलभराव के कारण आम जन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विधायक के त्वरित हस्तक्षेप और तत्परता से आमजन ने राहत की सांस ली तथा उनके सेवा भाव की सराहना की। इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की जनता की सेवा ही मेरा धर्म है। वर्षा हो या धूप, जनसमस्याओं के समाधान हेतु हमेशा जनता के बीच रहना ही मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि भविष्य में ऐसी स्थिति पुनः उत्पन्न न हो, इसके लिए स्थायी समाधान की दिशा में भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

नशा मुक्ति पखवाड़ा को लेकर उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक, फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने दिए रचनात्मक सुझाव

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। उप विकास आयुक्त हजारीबाग के कार्यालय सभागार में नशा मुक्ति पखवाड़ा के सफल आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्वयं उप विकास आयुक्त महोदय ने की। इस बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं व्यावसायिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। विशेष रूप से फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। फेडरेशन की ओर से सचिव राकेश ठाकुर, उपाध्यक्ष सुबोध कुमार,नीरज अग्रवाल, सह-सचिव तारीख अहमद राजा एवं धनंजय गुप्ता बैठक में शामिल हुए। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि नशा मुक्ति पखवाड़ा के दौरान व्यापारिक संस्थान भी जागरूकता अभियानों में पूरी भागीदारी निभाएंगे।

बैठक में उप विकास आयुक्त महोदय ने नशा मुक्ति पखवाड़ा की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि समाज से नशे जैसी बुराई को जड़ से समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पखवाड़ा के दौरान स्कूलों, कॉलेजों, बाजार क्षेत्रों और विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, संगोष्ठी एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की किया जा रहा है। फेडरेशन चैंबर के सदस्यों ने सुझाव दिया की बाजार परिसरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं स्कूलों के माध्यम से जनसामान्य को जोड़ते हुए अभियान को व्यापक रूप से फैलाया जा सकता है। उन्होंने यह भी प्रस्ताव रखा की स्थानीय रेडियो, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और व्यापारिक चैनलों का उपयोग कर लोगों को नशा मुक्ति के प्रति संवेदनशील बनाया जाए। बैठक के दौरान आपसी समन्वय और सहभागिता की भावना के साथ निर्णय लिया गया की सभी संगठन एक साझा मंच पर आकर इस सामाजिक सरोकार में अपनी भूमिका निभाएंगे। अंत में उप विकास आयुक्त महोदय ने सभी प्रतिभागियों का आभार प्रकट करते हुए आशा जताई कि हजारीबाग जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में यह पखवाड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

संक्षिप्त समाचार

राजद प्रदेश अध्यक्ष ने रजरप्पा मंदिर में पूजा अर्चना की प्रदेश एवं हुसैनाबाद वासियों को कि सुख शाति समृद्धि की कामनाएं

आदिवासी एक्सप्रेस/ लालू कुमार यादव हुसैनाबाद

हुसैनाबाद, पलामू। राजद के प्रदेश अध्यक्ष व कई वरिष्ठ नेताओं ने रजरप्पा मंदिर में पूजा अर्चना कर क्षेत्र में सुख-समृद्धि की कामना की राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव श्री भोला यादव ,राज्य के पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता एवं नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव, चतरा लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी सुभाष प्रसाद यादव ,राजद नेता बिनय यादव, रवि कुमार यादव ने शुक्रवार को माँ छीनमस्तिका मंदिर रजरप्पा में पूजा अर्चना किया।साथ ही देश प्रदेश की सुख शांति व समृद्धि का कामना किया। मोके पर प्रदेश प्रवक्ता श्री मनोज कुमार एवं कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय जनता दल के संजय कुमार सिंह यादव को पुनः प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रदेश महासचिव ने दी बधाई

आदिवासी एक्सप्रेस/लालू कुमार यादव

हुसैनाबाद, पलामू। रांची झारखंड राजद प्रदेश कार्यालय में राजद नेता एवं कार्यकर्ताओं ने हुसैनाबाद के लोकप्रिय विधायक सह राजद प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव को निर्विरोध निर्वाचित और पुनः राष्ट्रीय जनता दल झारखंड प्रदेश अध्यक्ष दोबारा बनाए जाने पर रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया और बधाई शुभकामनाए दी ।नेताओं ने कहा कि इन्हीं के कार्य काल में झारखंड विधानसभा चुनाव में चार सिटो पर विजयी प्राप्त किया गया है। और दो सिटो पर दुसरे स्थान पर रहे और कार्य काल में काफी अच्छा स्ट्राईक रेट रहा और आने वाले नगर पंचायत और नगर निगम लोकसभा, विधानसभा चुनाव में और बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया जायेगा। मौके पर मौजूद रहे पुर्व मंत्री सह देवघर विधायक सुरेश पासवान, निर्वाचन अधिकारी गिरधारी गोप, सहायक निर्वाचन पदाधिकारी मो. कलाम खां, प्रदेश महासचिव सह युवा राजद नेता रवि कुमार यादव सहित कई लोग शामिल हुए।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पुर्व अध्यक्ष एवं सांसद श्री राहुल गांधी जी के 55 वें जन्मदिन पर हार्दिक बधाई शुभकामनाएं

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- मोहम्मद शमीम

उंटारी रोड, पलामू। गुरुवार को पलामू जिला महिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष श्रीमति रेखा सिंह ने अपने डाल्टनगंज स्थित आवासीय कार्यालय पर अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी जी के जन्म दिन पर उनकी तस्वीर को केक खिलाकर उनकी जन्म दिन मनाई और उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामना दी। इसके पश्चात् श्रीमति सिंह ने डाल्टेनगंज स्टेशन रोड स्थित मदर टेरेसा सोसायटी द्वारा संचालित मिशनरीज ऑफ चैरिटी में जाकर अनाथ बच्चों को फल और मिठाई खिलाई। साथ में महिला कांग्रेस की पार्वती देवी रीता देवी फूला देवी आदि महिलाएं मौके पर दर्जनों लोग मौजूद थे।

कोयल नदी में बढ़ते जल स्तर को ले नदी तट से दूर रहने को उंटारी रोड पुलिस ने आम लोगों से किया अपील

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- मोहम्मद शमीम

उंटारी रोड, पलामू। पिछले 48 घंटों से लगातार हो रही बारिश से कोयल नदी उफान पर है। जिसके कारण नदी में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। नदी में अचानक बाढ़ आ जाने से लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। वहीं बारिश को लेकर मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इधर कोयल नदी में जल स्तर बढ़ने से उंटारी रोड थाना क्षेत्र के कोयल नदी किनारे बसे गांव लहर बंजारी, सिड़हा, नावाडीह, भदूमा आदि आसपास के लोगों को सतर्कता पूर्वक आवागमन करने व नदी किनारे ना जाने की अपील पुलिस प्रशासन के द्वारा किया गया है। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार दुबे ने कहा नदी में लगातार जलस्तर बढ़ता जा रहा है। ऐसे में नदी के निकट जाना खतरों से भरा पड़ा है। ऐसे में लोगों को स्वयं सतर्कता बरतते हुए औरों को भी सतर्क रहने को लेकर प्रेरित करना होगा। साथी लोगों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी तरह की जानकारी थाना को साझा करें। साथ हीं अफवाहों पर भी ध्यान ना दें।

पर्यावरण धर्म के तहत पर्यावरणविद ने कन्या पूजन व पौधा दान कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

● कन्या पूजन से सृष्टि और वृक्ष पूजन से ब्रह्मांड की होती है सुरक्षा पर्यावरण धर्म गुरु डॉ कौशल ● पर्यावरण धर्म के तहत डॉ कौशल ने आईजी समेत मेधावी बच्चों को पौधा देखकर किया सम्मानित ● सम्मान मिलने से और बेहतर करने की मिलती है प्रेरणा ट्री मैन डॉ कौशल ● समान समारोह में सम्मानित होकर पुलकित हुए बच्चे हौल में खुशी का माहौल

मेदिनीनगर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति भवन (टाउन हॉल) में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसका उदघाटन पलामू जोन के आईजी सुनील भास्कर, विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता, पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल, रेहला ग्रासीम के यूनिट हेड हितेन्द्र केशव अवस्थी, संत मरियम आवासीय विद्यालय के अध्यक्ष अविनाश देव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने पर्यावरण धर्म के तहत

कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन कर व अतिथियों एवं बच्चों को पौधा देते हुए पर्यावरण धर्म के आठ मूलमंत्र का शपथ दिलाते हुए कहा कि कन्या पूजन से सृष्टि और पौधा वितरण से ब्रह्मांड की होती है सुरक्षा व आने वाले भविष्य को सुरक्षित व खुशहाल जिन्दगी के लिए हमलोगों को अपने धर्म के साथ साथ पर्यावरण धर्म अपनाना होगा। पर्यावरण धर्म के तहत हमें क्या करना चाहिए उसके बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि 1966-67 में जब वें पौधा लगाना शुरू किए तो तो गांव के लोग उन्हें पागल कहना शुरू कर दिया था। लेकिन कौन क्या कह रहा उसे नजरंदाज करते हुए अपने काम में पूरे जुनुन के साथ लगा। उन्होंने कहा कि 1977 में वनों को काटने से रोकने के उद्देश्य से पर्यावरण धर्म अपनाया और उसी के तहत वनराखी मूवमेंट चलाया और उपहार में पौधा देने का परंपरा शुरू किया था। आज जब सरकारी या गैरसरकारी संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जब पौधा उपहार स्वरूप दिया जाता है तो मुझे बहुत खुशी होती है कि मैंने जो शुरू किया वह अब परंपरा बनते जा रहा है। पर्यावरणविद डॉ कौशल ने कहा कि सम्मान मिलने से लोगो में और बेहतर करने की प्रेरणा जागृत होती है। उन्होंने बच्चों को लक्ष्य निर्धारित कर पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ मेहनत करने की सलाह देते हुए कहा कि आपके माता-पिता ने विषम परिस्थितियों में भी रहकर आपके आवश्यकताओं की पूर्ती करने का काम करते हैं इसलिए आप उनके सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत करने में कभी भी लापरवाही नहीं करेंगे एवं अपने माता-पिता को कभी भी धोखा में नहीं रखेंगे। डॉ कौशल ने नशा मुक्ति पर नाटक के लिए मासूम आट को बधाई दी। कार्यक्रम में झारखण्ड बोर्ड, सीबीएसई बोर्ड, आईसीआईसी बोर्ड की परीक्षा में टापर एवं नीट,जेई एडवांस आदि परीक्षाओं में सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

प्रतिदिन हजारों लोग जान जोखिम में डालकर करते हैं इस सड़क का उपयोग

बालूमाथ। प्रखंड अंतर्गत शेरेगड़ा पंचायत के बुकरु रेलवे कोल साईंडिंग के पास से बुकरु रहिया भाया टंडवा बारियातू जाने का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कच्ची मार्ग है जो इन दिनों लगातार बरसात होने से और भी जर्जर हालत में हो गई है। इस मार्ग में लगभग एक दर्जन गांव और टोला हैं। जिसमें निवास करने वाले लगभग 10 हजार से भी अधिक लोग हैं.इस सड़क हाही, भलुवाही ,रहिया, पत्रा टोली, जमुंडी, कुसुम टोला रेंची, रहिया, अलगडीहा, साल्वे, हेसला आदि प्रमुख गांव/टोला से जुड़ती है।और इस रास्ता का उपयोग हजारों लोग प्रतिदिन दो चक्का चार चक्का आदि वाहनों से बारियातू या टंडवा

आदि क्षेत्रों में जाने के लिए उपयोग करते हैं। यह क्षेत्र गंजू आदिवासी बाहुली क्षेत्र है। यह सड़क बहुत ही महत्वपूर्ण है जो इन दिनों और भी जर्जर स्थिति में है. ग्रामीण उदय गंझू, कुलदीप गंझू, संतोष गंझू,उमेश यादव, आनंदीप गंझू, कालेश्वर गंझू बजनी देवी, आरती देवी, सरिता देवी सहित दर्जनों ग्रामीणों ने कहा कि बुकरू ग्राम के हाही और भलुवाई टोला जो बुकरु रेलवे कोल साइडिंग से सटा हुआ गांव है। यह रास्ता बहुत ही महत्वपूर्ण है. हम ग्रामीण वर्षों से कच्चे खुदरौले ऊबड़ खाबड़ रास्ते से चलने को बेबस हैं. कई बार हम ग्रामीण गिरकर घायल भी हो चुके हैं. कहा हम ग्रामीण ग्राम सभा में सड़क बनाने की मांग वर्षों करते आ रहे हैं. पर अब तक पक्की सड़क बनाई नहीं गई है.और नाही पर अब तक कोई पहल की गई है। ग्रामीणों ने जिले के उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता से यथाशीघ्र पक्की सड़क बनाने की मांग किया है।

नियमित योग करने की है जरूरत, योग से अनगिनत लाभ

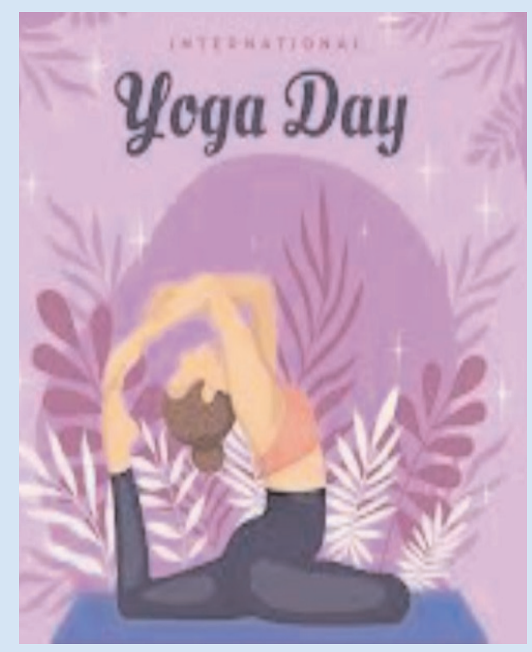

संवादाता चरही फ़राज़ करीम

चरही। वैसे तो भारत देश ऋषि, मुनियों का देश रहा है। भारत जैसे देश में योग की महत्व आज से नही बल्कि वर्षों पुराना से लोगों के जीवन में प्रचलित है। वैसे तो 21 जून को पूरा देश योग दिवस मनायेगा, योग हम सभी को नित्यदिन करने की जरूरत है, ताकि हमारा घर, हमारा समाज व हमारा देश स्वस्थ बन सके। योग दिवस के दिन खासकर लोगों को योग के फायदे के बारे में बतलाने का काम किया जाता है। आम लोगों के स्वास्थ्य से संबंधित जुडी विद्या अब सरकारी कार्यालय तक पहुंचाया जा रहा है। लेकिन सिर्फ एक दिन सांस लेने व छोड़ने से समाज व देश परिपक्व समाज का निर्माण नही हो सकता है। उसके लिए हम सभी को नियमित योग करने की जरूरत है। फिलहाल एक दिन (21 जून) पूरे भारत देश योग दिवस मनाया जाता है। जिससे देश व समाज फिट नही रह सकता हैं। इसके लिए नियमित योग करने की जरूरत है। भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में योग दिवस 2025 की थीम की घोषणा की। मोदी ने योग दिवस की थीम योगा फॉर बन अर्थ, वन हेल्थ रखी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से भारत में उपजी योग विद्या को लोगों के अपने जीवन में फिर ढालने का काम करवाया है। उससे देश ही नही समाज सशक्त बनकर उभर सकता है। आधुनिक समय में अपनी दौड़ती भागती जिंदगी से हटा लिया है। जिंदगी बीमार बनकर जब बोझ बनने लगी तो फिर से उसे जीवन का एक अंग बनाने का कोशिश की जा रही है। विश्व भर में योग को फिर से पुनजीर्वित करने का श्रेय निः संदेह भारत के योग गुरुओ को जाता है। जिसके प्रयास से लोग आज अनुलोम विलोम, कपालभाति व प्राणायाम, आसान, अभ्यास आदि अपना कर अपने जीवन को खुशहाल कर रहे है। फिलहाल एक काफी विचारणीय करने की जरूरत है हम सभी को की सिर्फ एक दिन हाथ हिलाने से कोई व्यक्ति स्वस्थ नही बन सकता है। इसे निरंतर करने की जरूरत है। आम लोगों तक योग सूत्र के महत्व को बताने की आवशयक्ता है ताकि इस विश्वव्यापी इस अभियान को शत प्रतिशत सफल बनाया जा सके। फिलहाल हम सभी को एक लक्ष्य व एक लय के साथ नियमित योग करने की जरूरत है। जिससे एक सशक्त समाज का निर्माण करवाया जा सके।

साल का सबसे लंबा दिन आज: योग दिवस मनाने के लिए इक्कीस जून की तारीख को ही क्यों चुना गया है। यह सवाल तमाम लोगों के मन में होगा। योग दिवस की तारीख़ को तय करने के पीछे ख़ास वजह है। इक्कीस जून को साल का सबसे लंबा दिन माना जाता है। इसे ग्रीष्म संक्रांति भी कहते है। इसके बाद सूर्य धीरे धीरे दक्षिणायन होने लगता है। इस दिन योग और अध्यात्म बेहद खास माना जाता है। यही वजह है कि इक्कीस जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है।

योग का महत्व: योग के ज़रिए शारीरिक और मानसिक दोनों में सुधार होता है। शरीर स्वस्थ्य रहता हैं, और रोगों की चपेट में आने से बचा जा सकता है। वही अगर कोई रोग से ग्रस्त है येसे में रोज़ाना योग करने से रोगों से छुटकारा मिल सकता है।

सतबहिया झरना पुल टूटे एक वर्ष गुजर गए अब तक नहीं हुआ पुल का निर्माण, ग्रामीण परेशान

बड़कागांव संजय कुमार

बड़कागांव। प्रखंड के कांडतरी पंचायत अंतर्गत सतबहिया बिरहोर टोला के समीप टूटे हुए पुल की जगह नए पुल पुल का निर्माण अब तक नहीं हो पाया है । यह पुल पिछले वर्ष ही भारी बारिश में टूटकर बह गया था। तब से लेकर अब तक ग्रामीणों को परेशानिक सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पिछले वर्ष टूटे पुल में मिट्टी मोरम डालकर आवागमन शुरू किया गया था। पुल की टूटने की खबर अखबारों की सुर्खियों में रहा था। पुल निर्माण कराने को लेकर स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा कई बार जिला प्रशासन एवं प्रखंड प्रशासन को लिखित आवेदन दी गई थी परंतु अब तक पुल का निर्माण नहीं हो पाया। पिछले वर्ष के बाद इस वर्ष भी भारी बारिश होने के कारण पुल के ऊपर डाला गया संपूर्ण मिट्टी बारिश में बह गया। जिसके कारण आवागमन पुनः

फिर से बाधित हो गया है। ज्ञात होगी इसी रास्ते से बड़कागांव प्रखंड के बहुचर्चित पर्यटन स्थल बरसों पानी , सतबहिया बिरहोर टोला , पलांडू , चेलंदागदाग , झिकझोर , कुंदरु आदि जाने का मार्ग है। इतना ही नहीं हाई स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए आवागमन का मुख्य मार्ग है। पुल टूट जाने के कारण परेशानी बढ़ गई है।बताते चले की तलसवार एंव कांडतरी दोनों पंचायत में हाई स्कूल नहीं है।जिससे कुंदरू , पलांडू सहित कई बच्चों के गांवों के बच्चें इसी पुल के सहारे हाई स्कूल की पढ़ाई करने बड़कागांव जाते हैं। वहीं कई शिक्षक इसी पुलिया के माध्यम से तलसवार , आंगों विभिन्न विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य करने जाते हैं । पुल निर्माण को लेकर तलसवार पंचायत मुखिया गीता देवी , पंसस मेघा कुमारी , प्रतिनिधि संजय महतो , मिथिलेश साव , कांडतरी पंचायत पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद , प्रभारी मुखिया राजदेव महतो , पंसस रंजीत चौबे , आंगो पंचायत मुखिया नीलम मिंज ,पंसस संगीता कुमारी , प्रतिनिधि महेंद्र मांझी , मुनेश्वर गंझू , समाजसेवी भवानी प्रसाद दांगी , पूर्व वार्ड सदस्य सुरेंद्र कुमार , वार्ड सदस्य , शमशेर आलम , इमरान अंसारी , मोहम्मद युनुस , अहमद रजा, सुरेंद्र प्रसाद दांगी, राजनाथ कुमार , प्रदीप महतो , मोहित कुमार सहित सैकड़ो ग्रामीण ने मांग की है।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए डीसी, पदाधिकारियों को दिये निर्देश

अविनाश मंडल

पाकुड़्पाकुड़ शुक्रवार को आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर डीसी मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच

कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान जमीन से संबंधित, शिक्षा विभाग से संबंधित, अबुआ आवास, नगर परिषद एवं कब्रिस्तान घेराबंदी से आदि से संबंधित मामले से एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

लगातार मूसलाधार बारिश ने मचाई तबाही, गरीबों के घर गिरे

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। लातेहार लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र में कहर बरपा दिया है। विशेष रूप से मारंगलोईया पंचायत के अंतर्गत आने वाले कई गांवों में भारी नुकसान हुआ है। बारिश के कारण मिट्टी से बने दर्जनों घर पूरी तरह से ढह गए हैं और कई घरों में पानी घुस जाने से वहां रहने वाले परिवारों की स्थिति दयनीय हो गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम

बारा, जिलंगा, विशुनपुर और मारंगलोईया में दर्जनों घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। प्रभावित परिवारों में रमेश उरांव, परमेश्वर उरांव, हिरालाल भगत, सुखदेव भगत, लालजी उरांव, (ग्राम बारा), किशा राम (जिलंगा), निरंजन उरांव,कर्मा गंझू, सोहराई उरांव, विनोद उरांव (विशुनपुर), राम कुमार उरांव, सुरेन्द्र उरांव और बीरबल उरांव (मारंगलोईया) सहित कई अन्य लोगों के नाम शामिल हैं।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को कई बार सूचित करने के बावजूद अब तक कोई ठोस राहत या बचाव कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। गांवों में पानी का बहाव इतना अधिक है कि लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। कई परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से तुरंत राहत सामग्री,अस्थायी निवास, भोजन और चिकित्सा सुविधा की मांग की है। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए,तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है। खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को इस आपदा में सबसे अधिक परेशानी हो रही है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों से भी अपील की जा रही है कि वे प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए आगे आएं। वहीं,अगर आने वाले दिनों में बारिश का सिलसिला यूं ही जारी रहा,तो और अधिक घरों के गिरने और जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। लोगों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है।

15 साल से पानी को तरस रहे पाकुड़ रेलवे क्वार्टर के कर्मचारी, अब नगर परिषद से लगाई आस

नगर परिषद कार्यालय में हुई बैठक, शहरी जलापूर्ति योजना से शोधित जल देने पर हुई चर्चा

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। पाकुड़ शहर में जल संकट की समस्या कोई नई नहीं है, लेकिन पाकुड़ रेलवे के कर्मचारी तो बीते डेढ़ दशक से बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं। रेलवे की 170 क्वार्टरों में रह रहे करीब 1250 कर्मचारियों को अब तक नियमित और शुद्ध पेयजल की सुविधा नहीं मिल पाई है। इस समस्या को लेकर अब रेलवे ने नगर परिषद से गुहार लगाई है।

गुरुवार को नगर परिषद कार्यालय में प्रशासक अमरेंद्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में एक अहम बैठक हुई। बैठक में पूर्व रेलवे रामपुरहाट के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (कार्य) मुकेश कुमार, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के सहायक अभियंता अभिजीत किशोर, कनिय अभियंता दिनेश मंडल, ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हिसाबी राय और प्रधान सहायक देवाशीष बर्मन मौजूद रहे।

2013 में बनी थी सहमति, जमीन नहीं मिलने से फंस गया था मामला

सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2013 में रेलवे और जिला प्रशासन के बीच शहरी जलापूर्ति योजना के तहत रेलवे को प्रतिदिन दो लाख लीटर शोधित जल देने पर सहमति बनी थी।जलमीनार, वितरण पाइप और जल पीलर निर्माण की योजना भी बनी थी, लेकिन रेलवे की ओर से आवश्यक जमीन नहीं मिलने के कारण योजना अधर में रह गई।

बोरिंग भी फेल, सिर्फ 3 जगह ही मिला पानी

रेलवे ने स्वयं पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए अब तक कुल दस डीप बोरिंग करवाए,लेकिन सिर्फ तीन बोरिंग से ही सीमित मात्रा में पानी मिल पाया। ऐसे में समस्या जस की तस बनी हुई है।

अब डीआरएम हावड़ा ने दिखाई सक्रियता, उम्मीद जगी

पूर्व रेलवे हावड़ा के मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार के निर्देश पर अब एक बार फिर से प्रयास तेज किए गए हैं। नगर परिषद में हुई बैठक में प्रशासक अमरेंद्र कुमार चौधरी ने कहा कि रेलवे को शहरी जलापूर्ति योजना से जोड़ने के लिए उपायुक्त को मंडल से पत्र भेजकर रेलवे की जमीन पर बनने वाले पानी टंकी निर्माण हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) जारी कराने के बाद ही आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जलमीनार निर्माण, वितरण पाइप बिछाने और पीलर लगाने की योजना को आगे बढ़ाने के लिए अब प्रशासन और रेलवे के बीच समन्वय बनाने की जरूरत बताई गई है।

कर्मचारियों में जगी राहत की उम्मीद

बैठक के बाद कर्मचारियों में एक बार फिर आशा जगी है कि अब शायद वर्षों पुरानी जल संकट की समस्या का समाधान हो सके। यदि यह योजना जमीन पर उतरती है तो 1250 से अधिक लोगों को शुद्ध पेयजल की सुविधा मिल सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ जिले के 3 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में किया गया एनक्यूएएस असेसमेंट

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- एनक्यूएएस प्रमाणन भारत सरकार के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा पाकुड़ जिले के तीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर हिरणपुर प्रखंड के गोपालपुर आयुष्मान आरोग्य मंदिर, महेशपुर प्रखंड के मोहबाना आयुष्मान आरोग्य मंदिर, लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत सूरजबेरा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के एक्टरनल एसेसर स्वास्थ्य संस्थानो का असेसमेंट करने पाकुड़ जिला पहुंचे । आयुष्मान आरोग्य मंदिर में रोगी केंद्रित सेवाओं, स्वच्छता, दस्तावेजों की गुणवत्ता, संक्रमण नियंत्रण, कर्मचारी दक्षता व आपातकालीन सेवाओं के लिए एनक्यूएएस प्रमाणित स्वास्थ्य संस्थान की श्रेणी में शामिल किया जाता है। ज्ञात हो कि बीते दिनों एनक्यूएएस प्रमाणन भारत सरकार के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अलग-अलग राज्यों के विशेषज्ञों से जिले में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में रोगी केंद्रित सुविधाएं, स्वच्छता, दस्तावेज प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण, आपातकालीन तैयारी व कर्मचारी प्रशिक्षण जैसे कई प्रमुख बिंदुओं का मूल्यांकन कराया गया है।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि पाकुड़ जिले में सभी स्वास्थ्य संस्थानो का NQAS असेसमेंट किया जाना है ताकि आमजनों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा दी जा सके। स्वास्थ्य विभाग आने वाले समय में अन्य आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को भी इस प्रमाणन की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि जिले में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा और विस्तृत हो सके।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला सूचना कोषांग एवं जन शिकायत कोषांग की समीक्षात्मक बैठक हुई

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला सूचना कोषांग एवं जन शिकायत कोषांग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त के द्वारा जिला सूचना कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी राहुल कुमार को निर्देश दिया गया कि जिले में प्राप्त सभी आरटीआई से संबंधित सूचना अधिनियम के तहत मांगे गई सूचना संबंधितो को ससमय उपलब्ध करायें। साथ ही प्रभारी पदाधिकारी, जन शिकायत कोषांग को निर्देश दिया गया कि जन शिकायत से संबंधित जितने भी मामले हैं सम्बंधित विभाग से समन्वय से स्थापित कर ससमय शिकायत का निवारण सुनिश्चित करायें।

तीन जरूरतमंदो क़ो इंसानियत फाउंडेशन के सदस्यों ने किया रक्तदान

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ सदर अस्पताल एवं रामपुरहाट सदर अस्पताल मे इलाजरत मरीजों क़ो खून की जरूरत पड़ी महेशपुर के बुजुर्ग महिला रूमी बीबी उन्हें ए बी पॉजिटिव ऑपरेशन के लिए चाहिए तथा नहिदा खातून और नुसरत खातून क़ो ओ पॉजिटिव ब्लड की कमी रही। डॉक्टर ने खून चढ़ाने क़ो कहा। इंसानियत फाउंडेशन के बारे मे जानकारी मिला और मदद की गुहार लगाई सूचना के आधार पर महेशपुर के शकील अहमद रामपुरहाट मे, मोरसलीम एवं जार्जिस पाकुड़ ब्लड मे रक्तदान किया, मौक़े पर इंसानियत फाउंडेशन के उप सचिव आसादुल मुल्ला, नसीम शेख कर्मचारी मौजूद थे।

भाजपा ने सरसजोल गांव में संकल्प सभा का किया आयोजन

शिकारीपाड़ा/दुमका/
ललित कुमार पाल की रिर्पोट

भारतीय जनता पार्टी ने सरसडंगाल मंडल के सरसाजोल गांव में संकल्प सभा का आयोजन किया ।यह सभा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल बेमिसाल पर चर्चा और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विषय पर आयोजन किया गया, सभा की अध्यक्षता शिकारीपाड़ा पूर्वी मंडल अध्यक्ष सुभाशीष चटर्जी ने की।

सभा में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के नेता परितोष सोरेन शामिल हुए। परितोष सोरेन ने वर्ष 2014 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने से लेकर वर्तमान में आतंकवाद के विरुद्ध चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर जैसे विषय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा किए गए कई महत्वपूर्ण कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष सुभाषिश चटर्जी पार्टी के अलावा, भाजपा नेता कामेश्वर गुप्ता, विद्युतवरण मंडल, पोल्टू मंडल सहित सैकड़ो महिला पुरुष एवं विभिन्न पंचायत के बुद्धिजीवी नागरिक उपस्थित हुए।

उपायुक्त ने तिथि भोज सह जन्मोत्सव कार्यक्रम में बच्चों के साथ भोजन किया

- **उपायुक्त ने तिथि भोज में बच्चों के साथ लिया व्यंजन का आनंद, केक काटकर बच्चों का मनाया गया जन्मदिन**
- **जेएसएलपीएस के द्वारा छात्र-छात्राओं को तिथि भोजन कराया गया जिसमें बच्चों को भोजन में पुरी, बुंदिया, मिक्स सब्जी व मिठाई, सलाद, दाल एवं अंडा, केला परोसा गया**

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। धरती आबा अभियान के तहत प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अन्तर्गत जिला के मध्याह्न भोजन संचालित विद्यालयों में शुक्रवार को छात्र- छात्राओं के लिए तिथि भोज सह जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। इस तिथि भोज के सफल क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा प्राथमिक विद्यालय शहरकोल का जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त मनीष कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह ने बच्चों के साथ तिथि भोजन सह जन्मोत्सव का आनंद लिया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि सरकार की ओर से चलाये जा रहे पीएम पोषण योजना को प्रभावी एवं सामाजिक सरोकार से जुड़ाव को लेकर विभागीय निर्देश के आलोक में तिथि भोजन सह जन्मोत्सव के अवसर पर विद्यालय में अध्यनरत छात्राओं को समुदाय-समाज के बुद्धिजीवी, विशिष्ट, गणमान्य व्यक्ति, समाजसेवी या विभिन्न कार्यालयों द्वारा विशेष दिवस पर एमडीएम के मेनू से अलग हटकर खास भोजन की व्यवस्था की जाती है। यह एक अवसर है जब लोग अपनी खुशियों को सरकारी विद्यालयों के बच्चों के साथ मिलकर और बढ़ा सकते हैं। तिथि भोजन को लेकर विद्यालय के छात्र-छात्राएं उत्साहित थे। ऐसे विशेष अवसर पर विद्यालय में बच्चों के लिए तिथि भोज का आयोजन हो, जिससे बच्चों का भी मनोबल बढ़ता रहे।साथ ही उपायुक्त ने बताया कि शिक्षा विभाग में कई सारे कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं जैसे बोलेगा पाकुड़, बाल चौपाल, आज क्या सीख, फिर से स्कूल चले हम इन सब कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की उपस्थिति को बढ़ाना है।

कीचड़ से भरी सड़क पर चलने को मजबूर है ग्रामीण और बेबस स्कूली बच्चे हैं

हिरणपुर (पाकुड़) झारखंड बनने के दशकों बाद भी हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत बरमसिया पंचायत के पाडेरकोला गांव अपनी मूलभूत सुविधा से कोसों दूर है । अगर बात सड़क की जाए तो सिर्फ कीचड़ ही कीचड़ नजर आ रहे हैं । जिसमें स्कूली बच्चे भी बड़ी मुश्किल से पैदल चलकर इस कीचड़ भरी सड़क से गुजरकर स्कूल जाते हैं, फलस्वरुप कई बार बच्चे गिरकर कीचड़ में अपना कपड़ा भी गंदे कर लेते हैं। जबकि सरकार के द्वारा गांव से लेकर गली तक पक्की सड़क की जाल बिछाने का संकल्प लिए हुए हैं। उसके बावजूद भी पाडेरकोला के ग्रामीणों को पक्की सड़क नसीब नहीं हुआ है ,जो सरकार की कथनी और करनी को दर्शा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि हर बार चुनाव के समय अलग-अलग पार्टी के जनप्रतिनिधि गांव में आते हैं। वोट लेने के लिए हम लोग वोट भी देते हैं उसके बावजूद भी मेरे गांव की सड़क नहीं बना दिया। एक आदिवासी बहुल गांवों की सड़क को देख कर ऐसा लग रहा है सरकार के द्वारा आदिवासी समाज के लिए जो भी योजनाएं चला रहे हैं । कहीं ना कहीं धरातल पर नजर नहीं आ रहा है इस गांव में फिलहाल। अब देखने वाली बात है कि इन लोगों की समस्या का समाधान कब तक सरकार या संबंधित अधिकारी करते हैं। गांव को देखकर ऐसा लगा कि ना जाने कितनी दशक पीछे चल रहे हैं ग्रामीण।

क्या कहते हैं ग्रामीण

1 ग्रामीण जगदीश किस्कू बताते हैं बरसात के मौसम में घर से बाहर निकलना हमलोगों के लिए मुश्किल हो जाता है। पूरा रास्ता में कीचड़ और फिसलन होने के कारण स्कूल जाने वाले बच्चे भी आए दिन गिर जाते हैं।

2 बेणेश्वर वस्की कहते हैं बचपन से ही ऐसी कीचड़ को देखते हुए आ रहे हैं। बहुत जगह पर पक्की सड़क बन गए हैं लेकिन आज तक मेरे गांव में पक्की सड़क नहीं बना है।बहुत बार जनप्रतिनिधि से गुहार लगाने के बावजूद भी आज तक सड़क नहीं बन पाया।

3 किरण हांसदा कहती है किसी तरह यह सड़क पक्की बन जाती तो बच्चे बुजुर्ग बूढ़े सभी के लिए चलना आसान होता। खास करके बरसात के मौसम में हल्की सी बारिश होने पर ही सड़क में कीचड़ ही कीचड़ नजर आने लगता है।

श्रम विभाग के द्वारा चलाया गया बाल श्रम विमुक्ति सह जागरुकता अभियान

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, पाकुड़ के द्वारा सोनाजोड़ी, तोड़ाई एवं मोहनपुर चौक के विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं होटल आदि में बाल श्रम विमुक्ति एवं जागरुकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सभी प्रतिष्ठानों में धारा-12 क के तहत सूचना प्रदर्शित कराई गई। श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी गिरीश चन्द्र प्रसाद ने बताया कि किसी भी प्रतिष्ठान में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों एवं खतरनाक नियोजन में 14-18 वर्ष तक के बच्चो का नियोजन प्रतिषेध है। उल्लंघन की स्थिति में नियोजक पर 20 हजार रुपये से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना अथवा 06 माह से 02 वर्ष तक का कारावास या दोनों हो सकता है। जिले में बाल श्रम को रोकने के लिए निरन्तर कारवाई जारी रहेगी। इस अभियान में श्रम विभाग के विकास कुमार गुप्ता, अमजद खान एवं चाइल्ड लाइन के कर्मी शामिल थे।

कमज़ोर जनजातीय समूहों के बीच बुनियादी अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं के सेवाओं की संतृप्ति के लिए कैम्प का हुआ आयोजन

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। पीएम - जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत लिट्टीपाड़ा प्रखंड के ग्राम पंचायत तालझारी ओर बिचामहल पंचायत भवन में अवेयरनेस एवं बेनिफिट सेचुरेशन कैंप का आयोजन किया गया। कैम्प में तालझारी ओर बिचामहल पंचायत के चिह्नित गांव सीमलजोड़ी ओर लेटबाड़ी के आदिवासी एवं पीवीटीजी समुदायों को योजनाओं और उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया साथ ही कैम्प के माध्यम से पात्र पीवीटीजी, ट्राइबल परिवार को 5 पैरामीटरों यथा आइडेंटिफिकेशन एंड बेसिक डॉक्यूमेंटेशन के तहत आधार कार्ड, कास्ट एवं डोमिसाइल

सर्टिफिकेट, फूड एंड न्यूट्रिशन के तहत राशन कार्ड, पोषण, हैल्थ एंड इंश्योरेंस के तहत पीएम मातृवंदना योजना, टीबीमुक्त भारत, निःक्षय पोषण, मिशन इंद्रधनुष के अलावा फाइनेंसियल इंक्लूजन के तहत पीएम जनधन योजना, स्टैंडअप इंडिया, मुद्रा योजना, वन धन योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना के अतिरिक्त एग्रीकल्चर एवं लाइवलीहुड के तहत केसीसी, पीएम किसान, मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं के लाभ से आच्छादित करने के लिए जानकारियां दी गई ओर आवेदन प्राप्त कर कई लाभुकों को ऑन दा स्पॉट लाभ पहुंचाया गया।

मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि कैम्प में विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTGs) के बीच बुनियादी अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करना ही सरकार का लक्ष्य है।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त, पदाधिकारियों को दिये निर्देश

- **जनता की समस्याओं का समाधान हो सबकी प्राथमिकता: उपायुक्त**

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि

संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान जमीन से संबंधित, शिक्षा विभाग से संबंधित, अबुआ आवास, नगर परिषद एवं कब्रिस्तान घेराबंदी से आदि से संबंधित मामले से एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

महिला पर्यवेक्षिका एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं को फेस रिकॉग्निशन सिस्टम और पोषण ट्रैकर एप्प का दिया गया प्रशिक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में निदेशालय से गठित दल जिसमें राज्य समन्वयक, एनईजीडी बबलू कुमार, महिला पर्यवेक्षिका सिंगरेन टुडू एवं जिला समन्वयक गौतम दत्ता के द्वारा पाकुड़ जिला अंतर्गत प्रत्येक प्रखंड से दस सेविका एवं महिला पर्यवेक्षिका तथा पोषण

ट्रैकर ऐप में शून्य इंट्री वाले आंगनबाड़ी केंद्र सहित को पोषण ट्रैकर एप पर फेस रिकॉग्निशन सिस्टम का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पोषण ट्रैकर एप पर फेस रिकॉग्निशन सिस्टम एंट्री में आ रही समस्याओं के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा बताया गया कि जिस तरह शिक्षा के क्षेत्र में इस वर्ष स्टेट रैंकिंग में पाकुड़ जिला दूसरा स्थान प्राप्त किया है। अबुआ आवास में पाकुड़ जिला पहले स्थान पर है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी पाकुड़ जिला बेहतर कर रहा है। उसी तरह से समाज कल्याण विभाग के प्रत्येक योजना के हर पैरामीटर में पाकुड़ जिला को 15 अगस्त 2025 तक हर हाल में स्टेट रैंकिंग के टॉप 05 में लाने का संकल्प लिया जाय। उपायुक्त ने कहा कि पोषण ट्रैकर ऐप में FRS एंट्री करने में आंगनबाड़ी सेविका जबतक पूरी तरह से प्रशिक्षित नहीं हो जाती है तब तक फेज वाइस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती बसंती ग्लाडिस बाड़ा एवं जिला समाज कल्याण के कर्मी उपस्थित रहे।

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य: योग से वैश्विक संतुलन की ओर

योगेश कुमार गोयल

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है।

योगः मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड

दुनिया भर के 170 से भी ज्यादा देश प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के साथ 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। इस वर्ष भारत में 'योग संगम 2025' के तहत आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में भव्य आयोजन हो रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और हजारों संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। अनुमान है कि इस आयोजन में 5 लाख से अधिक लोग एक साथ योगाभ्यास करेंगे, जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड होगा।

प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरूआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था।

हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। साल 2023 में ही लगभग 190 देशों में योग दिवस के तहत 25 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया था।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊजार्वान बनाए रखता है। यही कारण है कि अब युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है। योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा से आह्वान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके। यह भारत के बेहद गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में लाभकारी माना गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है। इसलिए स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। योग केवल एक व्यायाम नहीं है बल्कि यह शरीर और मन के साथ-साथ स्वयं को सशक्त बनाने का एक बेहतरीन तरीका है। यह भारत की उस धरोहर का पुनर्जागरण है, जिसे आज पूरा विश्व अपनाकर अपने तन, मन और आत्मा को संतुलन में ला रहा है। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

खामेनेई की खरी-खरी

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप को जो खरी-खरी सुनाई है, ट्रंप उसी के हकदार थे। एक तो ट्रंप इस्राइल और ईरान के संघर्ष में जबरदस्ती अपनी नाक घुसा रहे हैं दूसरे वह इस्राइल के पक्ष में ऊटपटांग बयान देकर ईरान को धमका और चिढ़ा रहे हैं। किसी भी संप्रभु राष्ट्र का नेता ऐसे हालात में वही करेगा जो खामेनेई ने किया है। उन्होंने आत्मसमर्पण करने की ट्रंप की नसीहत को खारिज कर दिया और उल्टे चेतावनी दे ड़ाली कि संघर्ष में अमेरिका की किसी भी कूद-फांद से उसे ही अपूरणीय क्षति होगी। हालांकि इस्राइल अमेरिका की मदद के बल पर ही सीनाजोर बना हुआ है। ट्रंप ने एक ही दिन पहले ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण करने को कहा था। इससे भी बढ़कर उन्होंने कहा था कि खामेनेई को मारने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। ये सब कौन बर्दाश्त करता। तकनीकी रूप से ईरान कितना ही कमजोर हो, लेकिन इस्राइल की बेजा हरकतों का मुकाबला तो वह कर ही रहा है। इसी कारण से नेतन्याहू बिलबिला रहे हैं और चाहते हैं कि अमेरिका इस युद्ध में कूद जाए। ट्रंप हैं कि रोज बयान बदलकर ही ईरान को झुका लेना चाहते हैं। ईरान को धमकाने के लिए अमेरिका ने इस क्षेत्र में कुछ और युद्धक विमान भेजे हैं। खामेनेई ने ट्रंप के धमकी भरे और बेतुके बयानों को खारिज करते हुए कहा इस तरह की धमकियां समझदारी नहीं है। सीधे अमेरिकियों को संदेश देते हुए खामेनेई ने चेताया कि अमेरिका की किसी भी सैन्य भागीदारी से क्षेत्र में पूर्ण युद्ध छिड़.जाएगा और उसे ही अपूरणीय क्षति होगी। लगता है इस मामले में अलग थलग पड़े.ईरान के पक्ष में अरब देशों में एकजुटता की सुगबुगाहट होने लगी है। इसी कड़ी में इराक ने क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए इस्तांबुल में होने वाले इस्लामिक सहयोग संगठन सम्मेलन के दौरान अरब देशों के विदेश मंत्रियों की आपातकालीन बैठक बुलाने का आह्वान किया है। प्रस्तावित बैठक का उद्देश्य तेजी से बदल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर अरब देशों की स्थिति में समन्वय करना और साझा जिम्मेदारी की भावना के साथ मौजूदा चुनौतियों से निपटना है। हालांकि अमेरिका की चालबाजियों को देखते हुए अरब और इस्लामिक देशों की एकजुटता बहुत दूर की कौड़ी है। युद्ध के छठे दिन ईरान और इस्राइल के बीच महत्त्वपूर्ण संस्थानों पर हमले का सिलसिला जारी है।

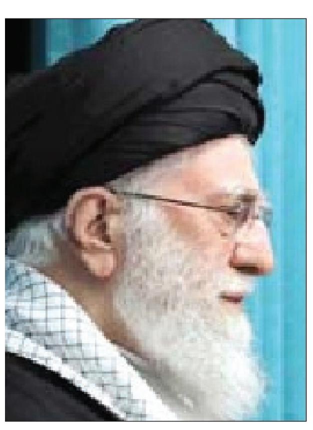

सूक्ति

हम प्रयास के लिए उत्तरदायी हैं, न कि परिणाम के लिए।
- गीता
बुद्धि से विचारकर किए गए कर्म ही सफल होते हैं।
- महाभारत

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ञ ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव।
येन भूतान्यशेषाणि द्रक्षस्यात्मन्यथो मयि।।

अथार्तः हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

इजराईल - ईरान युद्ध में भारत निभा सकता है अहम भूमिका

प्रहलाद सबनानी

रूस - यूक्रेन एवं इजराईल - हम्मास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजराईल - ईरान के बीच भी युद्ध प्रारम्भ हो गया है। हालांकि इस बीच भारत - पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुक्सान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं। वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजराईल - ईरान के बीच हाल ही में प्रारम्भ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर ऐसा होता है तो बहुत सम्भव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले। ऐसा कहा जा रहा है कि इजराईल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके।

वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया जाता हुआ दिखाई दे रहा है। चौधरी बन रहे कुछ देश अपनी विस्तरवादी नीतियों के चलते कई देशों में अपने हित साधने वाली सरकारों की स्थापना करना चाह रहे हैं एवं इन देशों में इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि ये देश आपस में लड़ाई प्रारम्भ करें। रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है । साथ ही, कुछ देशों की कथनी और करनी में पाए जाने वाले फर्क के चलते भी वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां बिगड़ रही हैं। चौधरी बन रहे देशों को तो उदाहरण पेश करते हुए अपनी कथनी एवं करनी में फर्क को समाप्त करना ही होगा। अन्यथा, वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां भयावह स्तर तक पहुंच सकती हैं।

चूंकि इजराईल भी आतंकवाद से पीड़ित देश है एवं इजराईल की सीमाएं चार मुस्लिम राष्ट्रों से जुड़ी हुई हैं; यथा, उत्तर में लेबनान, दक्षिण पश्चिम में ईजिप्ट (एवं गाजा), पूर्व में जॉर्डन (एवं वेस्ट बैंक) एवं उत्तर पूर्व में सीरिया। अतः इजराईल अत्यधिक आक्रात्मकता के साथ आतंकवादियों (हम्मास एवं हूथी आदि संगठनों) से युद्ध करता रहता है। इस्लाम के अनुयायी यहूदियों के कट्टर दुश्मन हैं, इसके चलते भी इजराईल के नागरिकों को आतंकवाद को लम्बे समय से झेलना पड़ रहा है।

ईरान के बारे में तो कहा जा रहा है कि ईरान स्थित लगभग 60 प्रतिशत मस्जिदों में इबादत के लिए कोई भी व्यक्ति पहुंच ही नहीं रहा है क्योंकि ईरान में एवं ईरान द्वारा पड़ौसी देशों में फैलाए गए आतंकवाद से ईरान के मूल नागरिक अत्यधिक परेशान हैं। महिलाओं पर आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से स्थानीय नागरिक बहुत दुखी हैं। अतः अब वे अपने पुराने धर्म जोरोस्ट्रीयन को अपनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं अथवा इस्लाम धर्म का परित्याग करना चाह रहे हैं। जोरोस्ट्रीयन, ईरान का मूल धर्म हैं एवं यह अब ईरान के कुछ (बहुत कम) क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। भारत में भी जोरोस्ट्रीयन धर्म को मानने वाले पारसी समुदाय के कुछ नागरिक शांतिपूर्वक रह रहे हैं एवं भारत के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर निर्मित हो रही उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत की विशेष भूमिका रह सकती है क्योंकि भारत के इजराईल एवं ईरान दोनों ही देशों के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत, ईरान से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है एवं भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान की है। चाबहार बंदरगाह का संचालन भी ईरान की सरकार के साथ भारतीय इंजीनियरों द्वारा ही किया जा रहा है। भारत और ईरान के बीच प्रतिवर्ष 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है। दूसरी ओर, इजराईल भारत का रणनीतिक साझीदार है। भारत इजराईल से भारी मात्रा में सुरक्षा उपकरण भी खरीदता है। भारत और इजराईल के बीच प्रतिवर्ष 650 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है, इसमें भारत द्वारा इजराईल से आयात किये जाने वाले सुरक्षा उपकरणों की राशि शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत के इजराईल एवं ईरान, दोनों देशों के साथ बहुत पुराने व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रिश्ते हैं।

भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्न; ह्लसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायह्न एवं ह्लसर्वे भवंतु सुखिनःह्न की भावना पर विश्वास किया जाता है। अतः भारतीय नागरिक सामान्यतः शांत स्वभाव के होते है एवं पूरे विश्व में ही भ्रातत्व के भाव का संचार करते हैं। आज 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। इन देशों में होने वाले अपराधों में भारतीय मूल के नागरिकों की संलिप्तता लगभग नहीं के बराबर पाई गई है। इसी कारण के चलते आज वियतनाम, जापान, इजराईल, आस्ट्रेलिया एवं सिंगापुर जैसे कई देश भारतीय मूल के नागरिकों को अपने देश में कार्य करने एवं बसाने में सहायता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। खाड़ी के देश यथा ओमान, बहरीन, सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात आदि में भी लाखों की संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं शांतिप्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कुल मिलाकर, विभिन्न देशों में निवासरत भारतीय मूल के नागरिकों का रिकार्ड बहुत ही संतोषजनक पाया जाता है, क्योंकि, भारतीयों की मूल प्रकृति ही सनातन हिंदू संस्कारों के अनुरूप पाई जाती है एवं वे किसी भी प्रकार के कर्म में धर्म को जोड़कर ही इसे सम्पन्न करने का प्रयास करते हैं। और, धर्म के अनुरूप किये गए किसी भी कार्य से किसी का अहित हो ही नहीं सकता।

उक्त वर्णित परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर जब चौधरी बन रहे देशों द्वारा अन्य देशों के साथ न्याय नहीं किया जाता हुआ दिखाई दे रहा है तो ऐसे में भारत को आगे आकर युद्ध में झौंके जा रहे देशों के नागरिकों की मदद करनी चाहिए। भारत की तो वैसे भी नीति ही ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्न की है। यदि पूरे विश्व में भाईचारा फैलाना है तो सनातन हिंदू संस्कृति के अनुपालन से ही यह सब सम्भव हो सकता है। उक्त परिस्थितियों के बीच सनातन हिंदू संस्कृति की स्वीकार्यता विभिन्न देशों के नागरिकों की बीच तेजी से बढ़ भी रही है क्योंकि कई देश अब आतंकवाद से बहुत अधिक परेशान हो चुके हैं। अतः अब वे किसी तीसरे रास्ते की तलाश में हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच उनके पास अब विकल्प केवल सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को अपनाने का ही बचता है, जिसके प्रति वे लालायित भी हैं। और फिर, आतंकवाद से यदि छुटकारा पाना है तो इससे लड़ते हुए छुटकारा पाने में तो कुछ देशों को कई प्रकार के बलिदान देने पड़ सकते हैं और यदि सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को स्वीकार कर लिया जाता है तो कई देशों के नागरिकों को इस बलिदान से बचाया जा सकता है। अतः विश्व के देशों में सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को तेजी से वहां के स्थानीय नागरिकों के बीच किस प्रकार फैलाया जा सकता है, इस विषय पर विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से अब गहन चिंतन एवं मनन करने की आवश्यकता है।

मुद्दा : एमएसएमई की बढ़ती चुनौतियां

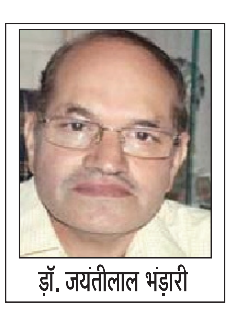

ड़ॉ. जयंतीलाल भंड़ारी

इन दिनों भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में एमएसएमई की चुनौतियों के बीच मौके भी उभरकर दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार एमएसएमई की चुनौतियों को दूर करने की डगर पर रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है। सरकार एमएसएमई से निर्यात बढ़ाने के लिए एक नई स्कीम लाने पर विचार कर रही है। खासतौर से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई की अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश निर्यातक इकाइयां अमेरिकी खरीदारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नये सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों के मद्देनजर एमएसएमई के बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी माना जा रहा हैं। हाल ही में प्रकाशित सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। एमएसएमई की क्रेडिट मांग व पूर्ति में 30 लाख करोड़ रुपये का अंतर है। मांग के मुताबिक लोन मिलने पर एमएसएमई के तहत 5 करोड नये रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे उद्योगों को जरूरत के मुताबिक क्रेडिट, तकनीकी कौशल तथा विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिल जाए तो एमएसएमई रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा साधन बन सकते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नये व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर इस साल मार्च तक पंजीकृत 6.2 करोड़ एमएसएमई 25.95 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसद है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपये का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसद उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। ऐसे में भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ खे ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है और अमेरिका के अलावा अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के पूर्ण होने पर एमएसएमई की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। अतएव नये अवसरों का लाभ उठाने के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर मजबूत बनाना जरूरी है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। निश्चित रूप से निर्यातकों को सहारा देने के सरकार के ये कदम सराहनीय हैं, लेकिन ट्रंप के टैरिफ तूफान का मुकाबला करने और निकट भविष्य में निर्मित होने वाले उभरते अवसरों को मुट्ठी में लेने के मद्देनजर एमएसएमई को हरसंभव उपाय से मजबूत बनाना होगा। नये सिरे से एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा किसी भी निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिए जाने के प्रयासों में तेजी लाना होगी। इससे भारत की एमएसएमई उतार-चढ़ाव भरे सफर को आगे बढ़ा सकेगी।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी के लोग अब नौकरी की बजाय खुद का उद्योग-व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं। ऐसे में एमएसएमएई उनके लिए महत्त्वपूर्ण विकल्प है। जरूरी है कि देश के कोने-कोने में, प्रदेशों और जिला स्तर पर एमएसएमई कानक्लेव आयोजित किए जाएं और ऐसे मंच पर एमएसएमई से जुड़े कारोबारी, उद्योग विशेषज्ञ और नीति बनाने वाले लोग एकत्रित होकर एमएसएमई के नये दौर के लिए नई पीढ़ी का जन जागरण करें। नई पीढ़ी को एमएसएमई के उत्पादों और सेवाओं से परिचित कराएं। नये ग्राहकों से मिलाएं और एमएसएमई को आगे बढ़ाने के नये तरीके सिखाएं। उम्मीद करें कि एमएसएमई की बहुआयामी उपयोगिता के मद्देनजर सरकार एमएसएमई के समक्ष दिखाई देने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए तत्परता के साथ रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। उम्मीद करें कि देश में एमएसएमई से संबद्ध उद्यमी और निर्यातक अधिकतम प्रयासों से कम लागत पर अधिकतम उत्पादन करते हुए देश के छोटे उद्योग-कारोबार को तेजी से आगे बढ़ाएंगे। वर्ष 2028 तक देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक विकसित देश बनाने में एमएसएमई की भूमिका अहम होगी।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी** * **फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कोटालपोखर में मोहर्रम इंतजामिया कमेटी की अहम बैठकः नई कमेटी का सर्वसम्मति से चुनाव

आदिवासी एक्सप्रेस मोहित मंसूरी
बरहरवा– कोटालपोखर में आज, शुक्रवार, 20 जून 2025 को कोटालपोखर में मोहर्रम इंतजामिया कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक मोहम्मद अली साहब के घर के पास आयोजित की गई. इस बैठक की अध्यक्षता मोहम्मद इशहाक अली ने की बैठक में पिछली कमेटी को भंग करते हुए, सर्वसम्मति से एक नई कमेटी का चुनाव किया गया नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के नाम इस प्रकार हैंः
अध्यक्षः समीम मंसूरी नेता
उपाध्यक्षः राशिद आलम
सचिवः साजिद आलम
सह-सचिवः मोहम्मद शमीम
मीडिया प्रभारीः मोहित मंसूरी
कोषाध्यक्षः तनवीर आलम
सभी पदों पर पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ।

धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत ग्राम सभा का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। धरती आबा जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत पतना प्रखंड के लखीपुर पंचायत अंतर्गत छोटामझदिहा एवं तिलभीता गाँव में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीएमएफटी से नवीन कुमार, प्रोजेक्ट ऑफिसर (आजीविका) पंकज कुमार अकेला, डाटा एनालिस्ट गौरव चंद्र, एवं अन्य की उपस्थिति रही। ग्राम सभा में ग्रामीणों से संवाद कर उनके क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं का गहन अवलोकन किया गया, जिनमें विशेष रूप से पेयजल व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएँ, आंगनबाड़ी केंद्र, सड़क की स्थिति तथा मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता आदि शामिल रही। ग्रामवासियों ने अपनी समस्याएं एवं आवश्यकताएं साझा कीं, जिन पर गंभीरतापूर्वक विचार किया और संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई हेतु संज्ञान लेने का आश्वासन दिया।

निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग कौशल विकास केंद्र, लोहंडा में चलाया गया जागरूकता अभियान

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। झारखंड सरकार, रांची के निदेश के आलोक में 10 जून से लेकर 26 जून तक राज्य में निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने को लेकर जिला प्रशासन, साहेबगंज के निदेश के जिला नियोजन पदाधिकारी पंकज कुमार झा के निदेशन में लोहण्डा स्थित कौशल विकास केंद्र में एस.जी.आर एस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नशापान नहीं करने एवं आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में नशा के दुष्प्रभाव को रोकने समेत अन्य सुझाव दिए गए।

जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं को मिला सम्मान, उपायुक्त ने कहा- शिक्षा ही विकास की कुंजी

अजय कुमार कुशवाहा आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो
साहिबगंज सिद्धो-कान्हू सभागार में वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त हेमन्त सती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसका उद्घाटन उपायुक्त द्वारा किया गया।
मुख्य अतिथि का स्वागत क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक, संथाल परगना दुर्गानन्द झा एवं जिला शिक्षा

पदाधिकारी-सह-जिला कार्यक्रम पदाधिकारी द्वारा बाल पौधा भेंटकर किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, साहेबगंज की छात्राओं ने स्वागतगान की मनमोहक प्रस्तुति दी।
अपने प्रेरणादायक संबोधन में उपायुक्त हेमन्त सती ने छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि सफलता पाने के लिए बच्चों को नकारात्मक संगत से बचना चाहिए और प्रेरणादायक एवं योग्य मित्रों का साथ चुनना चाहिए। उन्होंने सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।
कार्यक्रम में विशेष रूप से NEET परीक्षा 2025 में जिले की एकमात्र चयनित छात्रा प्रिया राज गुप्ता (पिता - उमेश प्रसाद साह, संकुल साधन सेवी, राजमहल) को उपायुक्त द्वारा सम्मानित किया गया।
समारोह में झारखंड अधिविध परिषद् (JAC), केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) एवं भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र (ICSE) बोर्ड के कुल 101 टॉपर छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।
इस अवसर पर जिला शिक्षा अधीक्षक-सह-अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कुमार हर्ष, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी उर्मिला हाँसदा, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी तरूण कुमार घाटी एवं रॉबिन चन्द्र मंडल, जिला जेंडर समन्वयक शबनम तब्बस्सुम, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी संजय कुमार तिवारी (कार्यक्रम संचालक), एमआईएस मनीष कुमार गुप्ता, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एहसान एहमद, मनीष कुमार, क्षेत्र प्रबंधक जयंत कुमार मंडल एवं वीर प्रकाश, मनोज कुमार गुप्ता समेत अन्य शिक्षा पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राजस्थान इंटर विद्यालय, साहेबगंज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अजय कुमार कुशवाहा
आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो
झारखंड सरकार द्वारा 10 से 26 जून तक चलाए जा रहे निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज अपराह्न 2ः00 बजे राजस्थान इंटर विद्यालय, साहेबगंज में नशा मुक्त भारत जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, साहेबगंज द्वारा की गई।
कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा एक नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु उन्हें

प्रेरित करना था। इस दौरान छात्रों को मानसिक, शारीरिक एवं सामाजिक रूप से नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई।
साथ ही कोटपा अधिनियम 2003 की धाराएं 4, 5, 6 (क) एवं 6 (ख) के अंतर्गत नशा नियंत्रण से संबंधित कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के शरीर को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि समाज की नींव को भी कमजोर करता है।
इसके अतिरिक्त, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल तस्करी, पोक्सो एक्ट, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आफ्टर केयर, फोस्टर केयर और स्पॉन्सरशिप योजना आदि के बारे में भी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय कर्मियों ने ÷नशा नहीं करेंगे और दूसरों को भी इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे का सामूहिक संकल्प लिया।
इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से संबंधित कर्मी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम सफलतापूर्वक जागरूकता एवं संकल्प के भाव के साथ संपन्न हुआ।

उपायुक्त कार्यालय पर प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन हुआ

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। इसके साथ ही उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया

जाएगा। इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनने के बाद उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें।साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके।ज्ञात हो कि हर सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

शुक्रवार को बरहेट स्थित तीनमुहानी चौक पहुंच कर सड़क जाम कर दिया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बरहेट प्रखंड क्षेत्र के एकलव्य विद्यालय भोगनाडीह के छात्र द्वारा शुक्रवार को बरहेट स्थित तीनमुहानी चौक पहुंच कर सड़क जाम कर दिया। मामले की सूचना पाकर बीडीओ अंशु कुमार पांडे घटनास्थल पर पहुंचकर बच्चों से बातचीत कर जाम हटवाया। वही छात्र को अपने साथ लेकर प्रखंड कार्यालय पहुंचे तत्पश्चात छात्रों की समस्या रूबरू हुए। वहीं छात्रों ने बताया कि एकलव्य विद्यालय भोगनाडीह के पद स्थापित संगीत शिक्षक तोबियस मरांडी को बिना

कारण से विद्यालय से हटाए जा रहे हैं जो गलत है। संगीत शिक्षक छात्रों को अच्छे प्रशिक्षण देते हैं। संगीत विषय में उनकी अच्छी अनुभव है। अपने निजी वाद्य यंत्र से विद्यालय के छात्रों को सीखाते हैं। विद्यालय के संगीत शिक्षक को पुनः पद स्थापित किया जाए। इस मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार पांडे ने छात्रों को समझा बूझकर शांत कराया और कहा कि मामले को लेकर जिला कल्याण पदाधिकारी को अवगत कराया जाएगा। मौके पर सुनीराम मरांडी, परितोष मुर्मू, विकास मुर्मू, विमल हेंब्रम, सुमित हेंब्रम, विनोद सोरेन, राम किस्कू, अन्य छात्र मौजूद थे।

झारखंड सरकार अभी तक तीनपहाड प्रखंड का उद्घाटन नही करा रही है

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

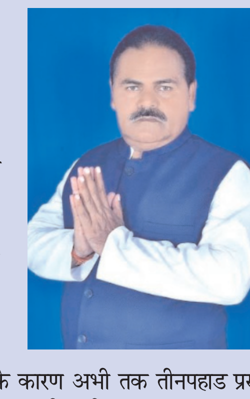

साहिबगंज। राजद के जिला अध्यक्ष सत्यनारायण यादव ने प्रेस विज्ञाप्ति जारी कर कहा क़ी तीनपहाड प्रखंड का घोषणा तत्कालीन मुख्यमंत्री लालु प्रसाद यादव ने 1995 मे उधवा प्रखंड के उद्घाटन के समय ही किया गया था. क़ी तीनपहाड प्रखंड बनेगा. लेकिन झारखंड सरकार अभी तक तीनपहाड प्रखंड का उद्घाटन नही करा रही है जो क्षेत्र के संसद और विधायक के उदासीनता के कारण अब तक कोई पहल नही करने के कारण अभी तक तीनपहाड प्रखंङ अस्तित्व मे नही आ पाया. उन्होंने कहा क़ी राष्ट्रीय जनता दल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग करती है. क़ी तीनपहाड को राजमहल प्रखंड से काटकर तीनपहाड को अविलम्ब प्रखंड बनाया जाए.नही तो बाध्य हो कर राष्ट्रीय जनता दल आन्दोलन करेगी!

पेंड़ में फांसी के फंदे से लटकता मिला विवाहिता, घर वालों ने लगाया ससुराल वालों पर हत्या का आरोप

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। गुरुवार रात्रि जिला के सदर प्रखंड अंतर्गत मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हाजीपुर दियरा निवासी कैलाश मंडल की 21 वर्षीय पत्नी अंजू देवी का शव संदिग्ध अवस्था में फंदे से लटकता हुआ घर के बाहर अमरूद के पेड़ से बरामद किया गया है, जिससेऊ देख हत्या की आशंका जतायी जा रही है। इस खबर का पता चलते ही इलाके में सनसनी फैल गयी है। शव को देख ऐसा प्रतीत हो रहा है, लगता है किसी ने महिला की हत्या कर पेड़ से लटका दिया है। इस मामले की खबर पुलिस को मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी मदन कुमार अपने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेते हुए जांच में जुट गयी है। साथ ही कागजी प्रकिया करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेजा गया है। बताया जा रहा है कि मंजू देवी बिहार की रहने वाली थी, जिसका विवाह लगभग तीन माह पहले हाजीपुर दियरा निवासी कैलाश मंडल के साथ हुई थी। मृतक अंजू देवी के चचेरे भाई सोनू कुमार मंडल ने मीडिया को बताया कि गुरुवार की रात्रि करीब 11 बजे हमलोगों को पता चला कि अंजू देवी फांसी लगा ली है। करीब रात्रि 1 बजे हमलोग परिजन के साथ पहुंचे तो देखा कि घर के बाहर अमरूद के पेड़ में साड़ी के फंदे से अंजू देवी का शव लटका हुआ है। हमलोगों को आशंका है कि उनके पति कैलाश मंडल और उनकी भाभी सोनी देवी ने मिलकर इस घटना को अंजाम दिया है। मुफ्फसिल थाना प्रभारी मदन कुमार ने बताया है कि मामले की जांच चल रही है। मृतिका के पति और परिजन सभी लोग घर से फरार है।

आबुआ आवास योजनाः बरहरवा प्रखंड में 680 परिवारों को मिला सपनों का घर

अजय कुमार कुशवाहा आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो

बरहरवा। बरहरवा प्रखंड के आहुतग्राम में गुरुवार को आबुआ आवास योजना के तहत निर्मित घरों के गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें साहिबगंज के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) एवं बरहरवा के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सहित विभिन्न सहयोगी दलों के पदाधिकारी, प्रमुख और उप प्रमुख तथा प्रखंड के अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर, विधायक निसात आलम ने कहा कि हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका अपना घर हो, और आबुआ आवास योजना इसी सपने को साकार करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, अधिकारियों ने बताया कि जब केंद्र सरकार ने झारखंड को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का लक्ष्य नहीं दिया, तो पूर्व मंत्री श्री आलमगीर आलम और राज्य के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के गरीब और आवासहीन लोगों के लिए अपना आवास बनाने के सपने को पूरा करने हेतु राज्य में आबुआ आवास योजना की शुरुआत की। उन्होंने आगे बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जहां ग्रामीण लाभार्थियों को एक लाख बीस हजार रुपये दिए जा रहे हैं, वहीं राज्य सरकार की आबुआ आवास योजना के तहत लाभार्थियों को दो लाख रुपये प्रदान किए जा रहे हैं, जिसमें तीन कमरों का पक्का मकान और शौचालय शामिल है।
बरहरवा प्रखंड में अब तक 2949 लाभार्थियों को पहली किस्त का पैसा दिया जा चुका है, जिसमें से 680 आबुआ आवास पूरी तरह से बनकर तैयार हो गए हैं। आज के इस गृह प्रवेश कार्यक्रम से पूर्व मंत्री जनाब आलमगीर आलम का गरीबों और आवासविहीन परिवारों को पक्का मकान दिलाने का प्रयास और सपना पूरा होता दिख रहा है।
इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि बरकत खान, सांसद प्रतिनिधि अब्दुल कादिर, 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास, प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफूर, पंचायत के मुखिया, अब्दुल कादिर,पंचायत समिति के सदस्य, कांग्रेस और जेएमएम के कार्यकर्ता और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद थे।

दुमका प्रखंड के गोलपुर पंचायत में जन-संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

● जन संवाद कार्यक्रम में बोले उपायुक्त- बेझिझक अपनी समस्याओं,परेशानियों से जिला प्रशासन को अवगत कराएं ● हर जरूरतमंद व्यक्ति को सरकार के कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले,यही जिला प्रशासन का प्रयास है ● सरकार की योजनाएं कागज तक सीमित नहीं रहे, योजनाएं लोगों को धरातल पर दिखाई दे, इस उद्देश्य के साथ जिला प्रशासन कार्य कर रही है...-अभिजीत सिन्हा, उपायुक्त, दुमका

दुमका। जन-संवाद कार्यक्रम का आयोजन आपकी समस्याओं को समझने एवं उसे दूर करने के लिए किया गया है। आपकी समस्याओं को दूर करने के लिए जिला प्रशासन निरंतर कार्य कर रही है।उक्त बातें दुमका प्रखंड अंतर्गत गोलपुर पंचायत के प्राथमिक विद्यालय दिग्घी में आयोजित जन-संवाद कार्यक्रम में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा।
उपायुक्त ने कहा कि योजनाएं सिर्फ कागज तक सीमित नहीं रहे लोगों को धरातल पर सरकार की कल्याणकारी योजनाएं दिखाई दे,इस उद्देश्य के साथ जिला प्रशासन कार्य कर रहा है।ससमय जन-जन तक सरकार की योजना पहुँचे यह जिला प्रशासन की जिम्मेवारी है।कहा कि इस जन संवाद कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए हैं स्टॉल पर पहुँचकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें एवं योजनाओं को लाभ लेने हेतु आवेदन करें।
उपायुक्त ने कहा कि जिले के सभी गांव में इसी प्रकार से कैंप का

आयोजन किया जाएगा एवं हर जरूरतमंद व्यक्ति को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले,इसे सुनिश्चित करने का कार्य किया जाएगा। जिला प्रशासन का प्रयास रहा है कि आम जनों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द दूर किया जाए अपनी समस्याओं,परेशानियों को बेझिझक बताएं ताकि उसे नियमानुसार ढंग से दूर किया जा सके।
इस अवसर पर जिला कल्याण पदाधिकारी गौतम मोदी ने 150 वीं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं पीएम जनमन अन्तर्गत योजनाओं के बारे में लोगों को विस्तार से बताया गया। उन्होंने बताया कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जनजाति समुदाय के संपूर्ण उत्थान के लिए एक अति महत्वकांक्षी योजना है।कहा कि सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाएं सभी जनजातीय समूह तक पहुँचे इसके लिए लगभग 600 कैम्प का आयोजन पूरे जिले में किया जाएगा।इस कैम्प के माध्यम से जनजातीय ग्राम में सभी सरकार के कल्याणकारी योजनाओं से योग्य लाभुकों को आच्छादित करने का कार्य किया जाएगा।
इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी ने उपस्थित ग्रामीणों से स्टॉल पर पहुंचकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए योजनाओं का लाभ लेने के लिए कहा।उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की कोई कठिनाई हो तो सीधे मुझसे संपर्क करें। स्टॉल पर योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन करें।
जन संवाद कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने उपायुक्त को अपनी समस्याओं से अवगत कराया।अबुआ आवास,आयुष्मान कार्ड,आधार कार्ड,चापाकल मरम्मती, जल मीनार की मरम्मती से संबंधित समस्याओं से ग्रामीणों ने अवगत कराया।इस संबंध में उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं पंचायत सचिव को आवश्यक निदेश दिया।कहा कि अविलंब समस्याओं को दूर किया जाए।पेयजल की समस्याओं को दूर करने के लिए 15वीं वित्त आयोग की राशि का उपयोग किया जाय।कहा कि टाइमलाइन निर्धारित कर इन समस्याओं को दूर करें।
इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टॉल का भी निरीक्षण किया।स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी रजिस्टर की जांच की।विभिन्न जांच किट रखने का निदेश दिया।कहा कि सभी जरूरी दवाई निश्चित रूप से रहे,इसका ध्यान रखा जाय।
बाल विकास परियोजना के स्टॉल निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में उपलब्ध प्री स्कूल किट, एएनसी कार्नर के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कहा कि जल्द ही जिला स्तर पर गठित टीम के द्वारा वीडियो कॉल के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्र की जांच की जाएगी।
कृषि विभाग के स्टॉल निरीक्षण के दौरान स्टॉल पर जानकारी दी गयी कि स्टॉल के माध्यम से केसीसी का आवेदन प्राप्त किया जा रहा है।उपायुक्त ने कहा कि जिले के सभी किसान श्री विधि के माध्यम से खेती करें।इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का निदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग अपने स्तर से लोगों को इस संबंध में जागरूक करें।
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के स्टॉल निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंचायत के सभी खराब चापानल,जलमीनार को मिशन मोड में ठीक करने का निदेश दिया।कहा कि 15 वीं वित्त आयोग से मरम्मती का कार्य किया जाय।
आपूर्ति विभाग के स्टॉल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंचायत के डीलर को निर्धारित मात्रा में ससमय राशन वितरित करने का निदेश दिया।कहा कि किसी प्रकार की कोई शिकायत लाभुकों द्वारा प्राप्त नहीं हो इसका ध्यान रखें।
इसके उपरांत उन्होंने दीदी की दुकान का निरीक्षण किया।
इससे पूर्व उपायुक्त एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों का स्वागत पारंपरिक रीति रिवाज से किया गया। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गयी।
इस दौरान जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ पंचायत के मुखिया एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड कृषक मित्र महासंघ के प्रखंड इकाई जमुआ का बैठक प्रखंड परिसर जमुआ में किया गया

जमुआ, प्रतिनिधि। शुक्रवार को झारखंड कृषक मित्र महासंघ के प्रखंड इकाई जमुआ का बैठक प्रखंड परिसर जमुआ में किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष रामकुमार वर्मा एवं संचालन प्रखंड सचिव मो. आलम ने की बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। जिसमें मुख्य रूप से 23 जून को कृषि मंत्री आवास घेराव पर चर्चा किया गया। साथ ही साथ बीज वितरण एवं जमुआ में मासिक बैठक नहीं होना इस पर भी चर्चा किया गया। बैठक के दौरान कृषक मित्रों ने यह निर्णय लिया कि जमुआ से दर्जनों कृषक मित्र 23 जून को रांची के कृषि मंत्री आवास घेराव में हिस्सा लेंगे और सिर्फ 23 जून को ही नहीं बल्कि प्रदेश नेतृत्व के दिशा निर्देश के अनुसार जब तक हड़ताल समाप्त नहीं होती है तब तक हर तरह के कार्यक्रम में हम जमुआ के तमाम कृषक मित्र तन-मन- धन से कार्यक्रम को सफल करने में अपनी भूमिका निभाएंगे। बैठक में राम कुमार बर्मा, मो. आलम, रीतलाल वर्मा, हरिहर वर्मा, रामदेव महतो, अनिल दास, नियामत अंसारी, अब्दुल हमीद, प्रकाश पांडे, छोटन कुमार सिंह, मोहनदास महतो , सच्चिदानंद राय, गौतम कुमार मिश्रा, दामोदर प्रसाद वर्मा, सुनील कुमार द्विवेदी, मुन्नालाल वर्मा, बलदेव हजरा ,किशोर कुमार, शैलेश प्रसाद यादव, परमेश्वर महतो, जयप्रकाश नारायण वर्मा ,मदन कुमार, जमुना सिंह, दिलीप साव, पवन कुमार राम ,रोजन अंसारी, छत्रपति पंडित, कालेश्वर यादव, देवानंद दास आदि दर्जनों कृषक मित्र उपस्थित थे।

प्रखंड कार्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में 25 यूनिट रक्त संग्रह

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह प्रखंड कार्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन बीडीओ सह अंचलाधिकारी गणेश रजक ने किया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड सह अंचल कार्यालय के कर्मियों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। इस मौके पर मौजूद रेड क्रोस के चेयरमेन अरविंद कुमार ने लोगों को रक्तदान के फायदे बताते हुए स्वैच्छिक रक्तदान के लिए लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आपके एक यूनिट रक्तदान से किसी जरूरतमंद को नया जीवनदान मिल सकता है। इस दौरान नवनियुक्त कई चौकीदारों ने भी रक्तदान किया। इस शिविर में कुल 25 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। मौके पर डॉ शोहेल अख्तर, डॉ सचिन, ब्लड बैंक के टेक्नीशियन संत कुमार, शोहेल, रंजीत समेत कई लोग मौजूद थे।

नगर थाना परिषद में लगा जनता दरबार

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। नगर थाना परिषद में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। वहीं जनता दरबार मे जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद आनंद, सीओ सह बीडीओ बासुकीनाथ टुडू, सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक सिंह संयुक्त रूप से उपस्थित थे। जनता दरबार में फरियादियों ने काफी संख्या में अपने-अपने फरियाद लेकर उपस्थित हुए। वहीं फरियादियों की एक-एक कर समस्या सुनी गई। जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद आनंद ने बताया कि बीते दिनों अमख धर्मशाला में लगे जनता दरबार में घोषणा के उपरांत आज 20 जून 2025 को नगर थाना परिषद में जनता दरबार लगाया गया है। इसमें जमीन से संबंधित कुल 40 मामला आया है। उन्होंने बताया कि सभी मामलों की जांच पड़ताल कर इसका निष्पादन किया जाएगा। वही कई अलग-अलग मामलों का जनता दरबार में त्वरित निष्पादन किया गया। मौके पर नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

नशे के विरुद्ध व्यापक स्तर पर जिला प्रशासन गिरिडीह द्वारा चलाए जा रहा है जागरूकता कार्यक्रम

● निषिद्ध मादक पदार्थों के प्रति जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगो को किया जा रहा है जागरूक

● गांव तक जनसंचार के विभिन्न साधनों के माध्यम से चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। दिनांक 10 .06. 2025 से दिनांक 26.06.25 तक चलाए जा रहे मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जागरूकता अभियान का विभिन्न विभागों के द्वारा कार्ययोजना के अनुरूप व्यापक रूप से प्रचार प्रसार किया जा रहा है। नशा एक सामाजिक बुराई है जो व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों को प्रभावित करता है। इस खतरे से निपटने हेतु गिरिडीह जिले में नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग,समाज कल्याण,नगर निगम, शिक्षा विभाग ,एवं अन्य संबंधित विभाग द्वारा विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए ल नशा मुक्ति अभियान के संदेश को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है ।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित गतिविधियाँ, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनजागरण

जिले के विभिन्न प्रमुख स्थलों, बस स्टैंड, चौक-चौराहों, पंचायतों, ग्रामीण हाट-बाजारों में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन कर नशा मुक्ति हेतु मंचन कर लोगों तक जागरूकता एवं संदेश दिया जा रहा है। विभिन्न नाट्य दलों ने स्थानीय भाषा एवं प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों को दर्शाया जा रहा जिससे लोग काफी प्रभावित हो रहे हैं एवं अपने परिवेश को नशा मुक्त बनाने हुतु संकल्पित भी हो रहे हैं। कई नाट्य दल गीत संगीत प्रस्तुत कर मनोरंजक तरीके से भी जनता के बीच इस संदेश को प्रेषित करने हेतु अलग अलग कार्यक्रम कर रहे हैं। प्रस्तुति के जरिए यह बताया कि मादक पदार्थों की लत कैसे व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।यह भी दिखाया गया कि नशा न केवल व्यक्ति विशेष को, बल्कि पूरे परिवार और समाज को नुकसान पहुंचाता है। इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य था कि किशोर-किशोरियों, महिलाओं और युवाओं को नशे की ओर जाने से रोका जाए और उन्हें एक स्वस्थ, आत्मनिर्भर और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया जाए।

एलईडी वैन और वीआर वैन के माध्यम से सूचना प्रसार

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित एलईडी वैन के माध्यम से नशा मुक्ति पर आधारित लघु फिल्में, स्लाइड शो तथा ऑडियो संदेशों का प्रसारण किया जा रहा है।10 जून को समाहरणालय से 3 एलईडी वैन को गिरिडीह जिले के सभी प्रखंडों के विभिन्न पंचायत में जन जागरूकता हेतु भेजा गया है जिसमें नशा से होने वाले दुष्परिणाम एवं उसे दूर करने के विभिन्न उपायों के बारे में लघु फिल्म के माध्यम से लोगों के बीच नशे से दूर रहने हेतु संदेश को पहुंचा जा रहा है। वहीं, वर्चुअल रिएलिटी (वीआर) वैन के ज़रिए लोगों को तकनीक के माध्यम से यह अनुभव कराया गया कि नशा कैसे एक सामान्य व्यक्ति को तबाही की ओर ले जाता है। यह पहल खासकर युवाओं में अत्यंत लोकप्रिय रही। इसके माध्यम से फिल्म को 3-डी में मनोरंजक रूप में देखने से लोगो पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

मेला व प्रदर्शनी का आयोजन

जिला मुख्यालय एवं प्रखंड स्तर पर मेलों व प्रदर्शनी का आयोजन स्टाल के माध्यम से करते हुए नशा मुक्ति अभियान के लक्ष्य को लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें नशा मुक्ति विषयक पोस्टर, पैंफलेट, स्टाल्स, होर्डिंग्स आदि के माध्यम से सशक्त संदेश दिया गया। भीड़-भाड़ एवं हाट-बाजार के क्षेत्र में लोग प्रदर्शनी देखने आते हैं एवं इससे संबंधित जानकारी साझा की जाती है।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम

सभी कार्यक्रमों में उपस्थित जनसमूह को नशा से दूर रहने की शपथ दिलाई जा रही है। सरकारी कार्यालयों, सामाजिक संगठनों के माध्यम से सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित कर नशा मुक्ति अभियान का हिस्सा बनने हेतु लोगो को प्रेरित किया जा रहा है।

समाज कल्याण विभाग द्वारा स्थानीय स्तर पर चलाए जा रहे हैं विविध कार्यक्रम

समाज कल्याण विभाग की और से स्थानीय स्तर प्रखंड आंगनबाड़ी जैसे जगह में सहायिका सेविका के माध्यम से वृहद स्तर पर जन जागरूकता का कार्य किया जा रहा है उसके साथ ही होम विजिट के माध्यम से घर-घर जाकर नशा से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी जा रही है एवं सभी जनों से इस अभियान का हिस्सा बनने हेतु अपील की जा रही है।

शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल सभी विद्यालयों कॉलेज एवं शिक्षण संस्थानों में सेमिनार, निबंध,क्विज प्रतियोगिता, संगोष्ठी, भाषण आदि का आयोजन कर जन जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। युवाओं में विशेष रूप से जागरूकता की आवश्यकता है इस उद्देश्य के साथ उनको इस अभियान का हिस्सा बनने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। नगर निगम के द्वारा शहरी क्षेत्र में ध्वनि प्रसारक यंत्र के माध्यम से एवं अन्य सभी संस्थानों द्वारा भी नशा मुक्ति की दिशा में बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। *खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग* की ओर भी इस दिशा में विशेष पहल करते हुए तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन कर युवाओं को विशेष रूप से इस अभियान में जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही प्रखण्ड एवं गांव स्तर पर जन चौपाल,एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित कर नशा मुक्ति अभियान में जनभागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

÷नशा न केवल व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक क्षति करता है, बल्कि पूरे परिवार को सामाजिक और आर्थिक संकट में डालता है। ऐसे में हर नागरिक को नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। यही जिला प्रशासन की अपील है।

गिरिडीह टाऊन हॉल में 21 जून को अंतरास्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर किया जाएगा जिला स्तरीय आयोजन

गिरिडीह, प्रतिनिधि। 21 जून को आयोजित होने वाले 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन जिला स्तर पर टाऊन हॉल में किया जाएगा। इसके साथ ही सभी अंचल प्रखंड कार्यालयों में भी स्थानीय स्तर पर आयोजित करने हेतु उपायुक्त द्वारा संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन टाऊन हॉल में प्रातः 6:00 बजे से किया जाएगा।संबंधित पदाधिकारी को कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया।जिला आयुष अधिकारी को योग प्रशिक्षकों की व्यवस्था, अभ्यास सत्र तथा प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास की रूपरेखा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए ताकि अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जा सके। स्वास्थ्य विभाग को आयोजन स्थल पर प्राथमिक उपचार, पेयजल एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। योग में स्वच्छ वातावरण का विशेष महत्व है इस हेतु नगर निगम को इस हेतु आवश्यक करवाई करने का निर्देश दिया गया। सभी प्रखंड एवं अनुमंडल कार्यालय प्रधान को निदेशित किया गया कि निश्चित रूप से इस अंतरास्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अपने परिसर में इसका आयोजन करें जिसमें सभी कार्यालय कर्मियों के साथ साथ उस क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी को सुनिश्चित करें। साथ ही अपने क्षेत्र में इसका व्यापक प्रचार प्रसार भी सुनिश्चित करें।

एनसीसी प्रशिक्षण- युवाओं को आत्मविश्वासी नेतृत्वकर्ता बनाने के लिए एक आधार

सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, सिलवार में CATC-VII का जोशपूर्ण शुभारंभ

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) का 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (CATC-VII) दिनांक 19 जून 2025 को सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, सिलवार में एक गरिमामयी उद्घाटन समारोह के साथ प्रारंभ हुआ। यह आवासीय प्रशिक्षण शिविर क्षेत्र के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आए हुए लगभग 375 सीनियर और जूनियर डिवीजन के कैडेट्स (लड़के व लड़कियाँ) तथा 20 सैन्य और ए एन ओ (ANO) एवं सहायक स्टाफ को भाग ले रहें हैं। यह शिविर कैडेट्स में एकता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। इस अवसर पर 22 झारखंड बटालियन NCC के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एंटनी हेनरी सेल्वम कैम्प कमांडेंट के रूप उपस्थित रहेंगे। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में NCC प्रशिक्षण में व्यक्तिगत विकास और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान पर बल दिया। उन्होंने सभी कैडेट्स से एक पृथ्वी, एक स्वास्थ÷ के संकल्प को अपनाने का आह्वान किया – अर्थात पृथ्वी की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है और स्वास्थ्य की सुरक्षा हमारी प्रतिबद्धता। कमांडिंग ऑफिसर ने कैडेट्स को शिविर के विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया, जिनमें शामिल हैं÷ शारीरिक एवं मानसिक फिटनेस प्रशिक्षण, ड्रिल अभ्यास एवं नक्शा पठन, शस्त्र प्रशिक्षण व सैन्य विषय और सामुदायिक सेवा।

कार्यक्रम उद्घाटन समारोह में शिविर की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी गई और एक प्रेरणादायक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जिससे कैडेट्स में देशभक्ति, अनुशासन और उत्साह की भावना जागृत हुई। यह शिविर 28 जून 2025 तक चलेगा, जिसमें PI स्टाफ और CTO के लिए ओरिएंटेशन कैडर । CATC-VII का उद्देश्य है– कैडेट्स को एक आत्मविश्वासी, सक्षम और समाज के प्रति सजग नागरिक के रूप में तैयार करना।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष (डीए जेजीयूए) अभियान के तहत गिरिडीह जिले के सभी 13 प्रखंडों के पंचायतों में विशेष शिविर का किया गया आयोजन

● सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से योग्य लाभुकों को किया जा रहा है लाभान्वित

गिरिडीह, प्रतिनिधि। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष (डीए जेजीयूए) अभियान के तहत आज जिले के सभी 13 प्रखंडों में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष (डीए जेजीयूए) अभियान के तहत जिले के 50 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या वाले अनुसूचित जनजातीय ग्रामों के लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने हेतु जिले के विभिन्न पंचायतों में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 15 से 30 जून 2025 तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य जनजातीय बहुल क्षेत्रों में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना और पात्र लाभुकों को त्वरित सेवा प्रदान करना है। आयोजित शिविर में प्रखंड स्तरीय सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से योग्य लाभुकों को आच्छादित किया गया। शिविरों में पीएम जनमन, आयुष्मान भारत, वन अधिकार, पेंशन, मनरेगा, जल जीवन मिशन, जनधन योजना, राशन कार्ड, पीएम विश्वकर्मा आदि प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लोगों से आवेदन प्राप्त किए गए। शिविर मे विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया। ग्रामीणों को योजनाओं की प्रक्रिया, पात्रता एवं लाभ प्राप्ति के तरीकों से अवगत कराया गया।

कमज़ोर जनजातीय समूहों के बीच बुनियादी अधिकारों,कल्याणकारी योजनाओं के लिए कैंप आयोजित

आदिवासी एक्सप्रेस प्रतिनिधि लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) पीएम -जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत लिट्टीपाड़ा प्रखंड के ग्राम पंचायत तालझारी ओर बिचामहल पंचायत भवन में अवेयरनेस एवं बेनिफिट सेचुरेशन कैंप का आयोजन किया गया। कैम्प में तालझारी ओर बिचामहल पंचायत के चिह्नित गांव सीमलजोड़ी ओर लेटबाड़ी के आदिवासी एवं पीवीटीजी समुदायों को योजनाओं और उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया साथ ही कैम्प के माध्यम से पात्र पीवीटीजी,ट्राइबल परिवार को 5 पैरामीटरों यथा आइडेंटिफिकेशन एंड बेसिक डॉक्यूमेंटेशन के तहत आधार कार्ड, कास्ट एवं डोमिसाइल सर्टिफिकेट, फूड एंड न्यूट्रिशन के तहत राशन कार्ड, पोषण,हैल्थ एंड इंश्योरेंस के तहत पीएम मातृवंदना योजना, टीबीमुक्त भारत, निक्षय पोषण,मिशन इंद्रधनुष के अलावा फाइनेंसियल इंक्लूजन के तहत पीएम जनधन योजना, स्टैंडअप इंडिया,मुद्रा योजना, वन धन योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना के अतिरिक्त एग्रीकल्चर एवं लाइवलीहुड के तहत केसीसी, पीएम किसान, मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं के लाभ से आच्छादित करने के लिए जानकारियां दी गई ओर आवेदन प्राप्त कर कई लाभुकों को ऑन दा स्पॉट लाभ पहुंचाया गया।

मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि कैम्प में विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTGs) के बीच बुनियादी अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करना ही सरकार का लक्ष्य है।

गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीए जेजीयूए) के सफल क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए

● सभी संबंधित विभाग इस योजना के समयबद्ध क्रियान्वयन की सतत मॉनेटरिंग तथा गति शक्ति पोर्टल पर सभी योजनाओं का टारगेट आधारित प्रोग्रेस हेतु आंकड़ों का संधारण निश्चित रूप से करेंगे ● जिला उपायुक्त ने पूरी पारदर्शिता और प्राथमिकता के साथ अनुसूचित जनजाति समुदाय और बिरहोर परिवारों को सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ लाभान्वित करने का निर्देश दिया है ● जनजातीय समुदायों को प्राथमिकता प्रदान करते हुए पशुपालन से जुड़े विभिन्न योजनाओं का लाभ दें तथा वन अधिकार पट्टा से भी आच्छादित करें: उपायुक्त

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीए जेजीयूए) के तहत कार्यान्वित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के सफल क्रियान्वयन को लेकर सभी संबंधित विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया है। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभाग को आपसी समन्वय स्थापित कर (डीए जेजीयूए) से जुड़ी सभी योजनाओं से पात्र लाभुकों को लाभान्वित करें तथा लक्ष्य अनुरूप शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

साथ ही पूरी पारदर्शिता और प्राथमिकता के साथ अनुसूचित जनजाति समुदाय और बिरहोर परिवारों को सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ लाभान्वित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभाग इस योजना के समयबद्ध क्रियान्वयन की सतत मॉनेटरिंग तथा गति शक्ति पोर्टल पर सभी योजनाओं का टारगेट आधारित प्रोग्रेस हेतु आंकड़ों का संधारण निश्चित रूप से करने का निर्देश दिया। जिला उपायुक्त ने जिला स्तरीय सभी संबंधित विभागों को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कई टास्क सौंपे। इसके साथ ही सभी अनुसूचित जनजाति समुदाय और बिरहोर क्षेत्रों में टेलीकॉम कनेक्टिविटी के लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा रोड कनेक्टिविटी, जल जीवन मिशन, बिरहोर क्षेत्रों में विद्युतीकरण, सोलर शक्ति की सुविधा, अनुसूचित जनजाति समुदाय वाले इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बहाल करना जैसे महत्वपूर्ण कार्य है, जिसे पूरा करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभाग अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ करें, जिससे अनुसूचित जनजाति समुदाय को इसका समुचित लाभ मिल सकें। उपायुक्त ने कहा कि 143 गांवों में योग्य और वंचित परिवारों को पीएम उज्ज्वला योजना अंतर्गत गैस का कनेक्शन उपलब्ध कराएं। साथ ही जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में विद्यालयों में आवश्यकता अनुरूप अतिरिक्त क्लासरूम का निर्माण की प्रक्रिया पूरी कराएं तथा छात्रावास के निर्माण हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने की बात कहीं। इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि स्थानीय ग्रामीणों को मत्स्य पालन और पशुपालन योजना से भी जोड़े और लाभ दिलाएं। जनजातीय समुदायों को प्राथमिकता प्रदान करते हुए पशुपालन से जुड़े विभिन्न योजनाओं का लाभ दें तथा वन अधिकार पट्टा से भी आच्छादित करें।

पीएम मोदी ने सिवान से किया वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन

संवाददाता द्वारा

छपरा (सारण): रेलवे क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से बिहार के सारण के मढ़ौरा से पहले अत्याधुनिक रेल इंजन को रवाना किया गया. यह इतिहास में पहली बार होगा कि बिहार में बना कोई इंजन विदेश भेजा जाएगा.

मढ़ौरा का इंजन पहुंचा गिनी: लगभग 3000 करोड़ की लागत से हुई 140 लोकोमोटिव की इस ऐतिहासिक डील ने न केवल रेलवे के बुनियादी ढांचे को मजबूती दी है, बल्कि मेक इन इंडिया और स्थानीय रोजगार को भी नई दिशा दी है.

150 इंजन भेजा जाएगा गिनी: सारण जिले का मढ़ौरा जो कभी बिहार का मैनचेस्टर कहलाता था. भारतीय रेलवे के इतिहास में बिहार को एक नया चैप्टर जोड़ने का मौका मिला है. यह चैप्टर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में जोड़ा जाएगा. भारतीय रेलवे पहली बार छपरा जिले के मढ़ौरा रेल इंजन कारखाने से पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी को रेल इंजन निर्यात करेगा. गिनी को अगले तीन सालों में 150 इंजन भेजे जाएंगे.

इंजन पर नहीं लिखा जाता मेड इन मढ़ौरा: मढ़ौरा में असेंबल्ड इंजन पर मेड इन गांधीधाम गुजरात और उत्तर प्रदेश लिखा जाता है. इसको लेकर भी यहां पर काफी राजनीति हुई लेकिन आज भी किसी भी इंजन पर मेड इन मढ़ौरा नहीं लिखा जाता है. इस लोकोमोटिव फैक्ट्री में बना. इंजन पश्चिमी अफ्रीकी देश गिनी को निर्यात किया जा रहा है.

मढ़ौरा में बन चुका है 729 शक्तिशाली डीजल इंजन: इस फैक्ट्री की स्थापना 2018 में की गई थी. 2018 में स्थापित यह संयंत्र अब तक 729 शक्तिशाली डीजल इंजन बना चुका है. इनमें 4500 एचपी के 545 और 6000 एचपी के 184 इंजन शामिल हैं. 26 मई को दक्षिण अफ्रीका के गिनी देश के तीन मंत्रियों ने संयंत्र का दौरा किया था. इसके बाद 140 लोकोमोटिव इंजनों की डील फाइनल की गयी थी.

हमारे देश का इंजन दूसरे देश में जा रहा है. भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है. बहुत खुशी की बात है. मेरे देश की प्रगति होते रहे. यहां के नौजवानों को नौकरी मिले और बेरोजगारी खत्म हो. - वीरेंद्र यादव, मढ़ौरा

ये अधिकारी मौजूद थे: उद्घाटन के मौके पर रेल अधिकारियों में वीपी सिंह, एडिशनल मेंबर ट्रैक्शन, पंकज शर्मा प्रिंसिपल एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर रेलवे बोर्ड, संजय सिंहल, एमडी संदीप सालोट, डीआरएम अजय सिंह, इंजन को के जाने वालों में सहायक लोको पायलट श्वेता कुमारी लोको पायलट दिलीप कुमार आदि मौजूद थे.

2018 में स्थापित हुई थी फैक्ट्री: इस फैक्ट्री की स्थापना 2018 में की गई थी. 2018 में स्थापित यह संयंत्र अब तक 729 शक्तिशाली डीजल इंजन बना चुका है. इनमें 4500 एचपी के 545 और 6000 एचपी के 184 इंजन शामिल हैं.

गिनी को 140 इंजनों का निर्यात किया जाएगा. कुल 3000 करोड़ का ऑर्डर है. इसमें वेबटेक की 74% और रेलवे की 26% हिस्सेदारी है. इस लोको में कई नए फीचर्स हैं. इसका प्रपोर्सल सिस्टम एडवांस्ड एसी बेस्ड है, इसमें री जेनरेटिंग ब्रेकिंग सिस्टम है. कैब में काफी मोडिफिकेशन किया गया है. इसमें ड्राइवर के लिए रेफ्रिजरेटर और माइक्रोवेव ओवेन है.- मनीष कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मढ़ौरा लोकोमोटिव फैक्ट्रीमढ़ौरा कारखाना में बना इंजनः मढ़ौरा का कारखाना पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप मॉडल पर बना है. इसे अमेरिकी कंपनी वैबटेक और भारतीय रेलवे मिलकर चलाते हैं. गिनी ने एक ग्लोबल टेंडर निकाला था, जिसे इस कारखाने ने जीता. ये इंजन गिनी में लोहे की खदानों से माल ढोने के काम आएंगे. ये 4,500 हॉर्स पावर के इंजन हैं. इनमें कई सुविधाएं हैं, जैसे विंडशील्ड हीटिंग, इंसुलेटेड छत, टॉयलेट और एयर कंडीशनिंग.

संक्षिप्त समाचार

एक पौधा माँ के नाम, कोटालपोखर मध्य विद्यालय में किया गया पौधा रोपण

आदिवासी एक्सप्रेस प्रिंस मिश्रा

साहिबगंज/ बरहरवा शुक्रवार को मध्यविद्यालय कोटालपोखर में विद्यालय के सुन्दरता के लिए बागवानी का कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में पूर्व प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सह वर्तमान पंचायत समिति सदस्य रंजीत साह विद्यालय समिति के साथ शामिल होकर पौधा रोपण किए। उन्होंने कहा पेड़ - पौधा प्रकृति की सुन्दरता के साथ मानव जीवन के लिए अनमोल वरदान है। हर व्यक्ति को अपने जीवन में पेड़ लगाने चाहिए। हमने कई बार इस तरह कार्यक्रम कर पेड़ - पौधों को लगाया है। आज फिर मौका मिला तो एक पौधा माँ के नाम लगाया। हम सभी को अपने जीवन में कम से कम दो पौधा लगाना चाहिए। जिसके माध्यम हमारे पर्यावरण में हरियाली आए और हमारा वातावरण प्रदूषित न हो। इस कार्यक्रम को दौरान समिति सदस्य राजेश साह एवं विद्यालय प्रधानाध्यापक गंगा भारती ने भी पौधा रोपण किया। प्रधानाध्यापक ने बताया कि आज इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय परिसर में ग्यारह पौधें लगाए गए हैं, जिसमें एक तुलसी का भी पौधा है। ये सभी पौधें बड़े होकर विद्यालय प्रांगण को सुन्दरता प्रदान करेंगे। साथ ही इसके माध्यम से छात्रों में पर्यावरणीय समझ विकसित होगा। इस दौरान कई छात्रों के साथ अभिभावक भी उपस्थित थें।

टीकाकरण कार्य योजना को लेकर शुक्रवार को एकदिवसीय समीक्षा सह कार्यशाला का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। राजमहल उपाधीक्षक अनुमंडल अस्पताल राजमहल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नियमित टीकाकरण रिव्यु दल के द्वारा नियमित टीकाकरण कार्य योजना को लेकर शुक्रवार को एकदिवसीय समीक्षा सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला सह समीक्षा का बैठक में जिला स्तरीय रिव्यू कमेटी में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार मिश्रा विश्व स्वास्थ्य संगठन साहिबगंज के सर्विलांस मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर धारुन जिला कार्यक्रम प्रबंधक हिना गौरव बरनवाल वीसीसीएम अभिषेक कुमार राजमहल एवं उधवा प्रखंड के विश्व स्वास्थ्य संगठन के मॉनिटर बासुकीनाथ यादव एवं सुबोध कुमार शर्मा के द्वारा राजमहल एवं उधवा प्रखंड का नियमित टीकाकरण कार्य योजना का बारीकी से समीक्षा किया गया उक्त बैठक में प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अमित कुमार एवं सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के एएनएम एवं डाटा ऑपरेटर उपस्थित रहे।

सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि पोषण, सुरक्षा और संरक्षण से जुड़ी योजनाएँ ज़मीनी स्तर पर प्रभावी रूप से पहुंचें : श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

विशेष प्रतिनिधि

देवघर। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने आज झारखंड के देवघर स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र, वन स्टॉप सेंटर और बालिका स्वाधार गृह का दौरा किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने पोषण, महिला सुरक्षा और बच्चों के संरक्षण से जुड़े जमीनी कार्यों को नजदीक से देखा और स्थानीय जरूरतों की गहन समझ ली।

केन्द्रीय मंत्री ने ग्राम पंचायत चाँदडीह स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और मातृ-सेवाओं का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली और सेवाओं की सराहना की, साथ ही ज़मीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन के सुझावों को भी जाना।

इसके बाद उन्होंने देवघर स्थित वन स्टॉप सेंटर का भी निरीक्षण किया, जो संकट में पड़ी महिलाओं को तत्काल सहायता, परामर्श, चिकित्सा और सुरक्षा जैसी सुविधाएँ प्रदान करता है। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने वहां कार्यरत टीम से बातचीत की और सेवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।बालिका स्वाधार गृह के दौरे में मंत्री ने बालिकाओं के पुनर्वास, देखभाल और सशक्तिकरण से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर बच्ची को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिलना चाहिए।

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि पोषण, सुरक्षा और संरक्षण से जुड़ी योजनाएँ ज़मीनी स्तर पर प्रभावी रूप से पहुंचें। ऐसे दौरे हमें नीतियों को और अधिक व्यावहारिक और संवेदनशील बनाने में मदद करते हैं।

22 जुलाई से शुरू होगा झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र

संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र का समय अब नजदीक आ चुका है. इस वित्तीय वर्ष में 22 जुलाई से सत्र शुरू होने की संभावना जतायी जा रही है. यह सत्र 27 जुलाई तक चल सकता है. इस दौरान कुल पांच कार्य दिवस होंगे. सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दे लाए जाएंगे.

यह सत्र बेहद खास होगा. क्योंकि प्रथम अनुपूरक बजट से पता चलेगा कि राज्य सरकार किस सेक्टर पर विशेष फोकस करने जा रही है. इस दौरान आदिवासी हितों की रक्षा, खनन और पर्यावरण, साइबर अपराध के निवारण से जुड़े विषयों पर विधेयक लाए जा सकते हैं. प्रक्रिया के तहत संसदीय कार्यमंत्री सत्र से जुड़ा प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजते हैं. सब कुछ ठीक रहने पर मुख्यमंत्री के पहल पर प्रस्ताव को कैबिनेट में लाकर पारित कराया जाता है. फिर राज्यपाल की सहमति के लिए भेजा जाता है.

साल 2024 में झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 26 जुलाई से शुरू हुआ था जो 2 अगस्त तक चला था. उसमें कुल छह कार्य दिवस थे. बजट सत्र के बाद आयोजित मानसून सत्र में 29 जुलाई को सरकार ने अनुपूरक बजट पेश किया था. अनुपूरक बजट पर 30 जुलाई को चर्चा हुई थी. पिछले साल चुनावी वर्ष की वजह से विपक्ष ने भ्रष्टाचार, अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ की वजह से संथाल में बदल रही डेमोग्राफी को लेकर सरकार को घेरने की पूरी कोशिश की थी.

हेमत सरकार के दूसरे कार्यकाल का यह पहला मानसून सत्र होगा. सत्र को लेकर पक्ष-विपक्ष दोनों ने तैयारी कर रखी है. विपक्ष के पास कई मुद्दे हैं जिस पर वो सरकार को सदन में घेरने का काम करेगी. वहीं सरकार भी विपक्ष की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है. वो विपक्ष के एक-एक सवाल का जवाब देने को तैयार है

हालांकि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए यह तय है कि आगामी मानसून सत्र हंगामेदार तो होगा ही, साथ ही कई मुद्दों को लेकर पक्ष और विपक्ष में टकराव के आसार हैं. बीजेपी लगातार सरकार को डीजीपी, भ्रष्टाचार, भाषा विवाद, सरकार पदों पर बहाली समेत कई अन्य मामले को लेकर घेरती रही है. बीजेपी के मौजूदा रवैया को देखते हुए यह साफ दिख रहा है कि आगामी सत्र में भी वो इन मुद्दों को लेकर सरकार को बख्शने वाली नहीं है.

राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों संग मनाया जन्मदिन, दिव्यांगजनों को समर्पित किया खास दिन

● राष्ट्रपति ने कहा-दिव्यांगजनों को दया की नहीं, सहयोग की आवश्यकता

देहरादून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में राष्ट्रीय दृष्टि विकलांग व्यक्ति सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी) के छात्रों संग मिलकर मनाया। यहां बताते चलें कि राष्ट्रपति मुर्मू तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर हैं और आज जन्मदिन का छात्रों के बीच रहना प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा है।

इससे पहले जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भव्य स्वागत किया। जहां से वह सड़क मार्ग से देहरादून पहुंचीं। पूरे दौरे के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अमला पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। राष्ट्रपति मुर्मू ने एनआईईपीवीडी परिसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में छात्रों से संवाद किया और उन्हें बेहतर जीवन जीने के टिप्स दे उनका हौसला भी बढ़ाया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, कि यह पहला अवसर नहीं है जब मैं अपना जन्मदिन दिव्यांगजनों के साथ मना रही हूं। 2023 में भी मैंने इसी संस्थान में यह खास दिन उनके साथ बिताया था। उन्होंने आगे कहा कि दिव्यांगजनों को दया की नहीं, सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने समाज से अपील की कि सभी नागरिक दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील बनें और उनके सशक्तिकरण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने मौजूद छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इनमें वह क्षमता है जो देश के विकास में अहम योगदान दे सकती है। इस विशेष अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल गुरमीत सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने बच्चों के सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और उनके साथ समय भी बिताया।

राष्ट्रपति के उत्तराखंड दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां चाक-चौबंद हैं। उनके तीन दिवसीय प्रवास (19 से 21 जून) के दौरान राजधानी देहरादून सहित अन्य क्षेत्रों में कई कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी पुलिस ने विशेष डायवर्जन प्लान लागू किया है ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू अपने दौरे के दौरान उत्तराखंडवासियों के लिए कुछ बड़ी सौगातों की घोषणा भी कर सकती हैं। इससे राज्य को सामाजिक और संरचनात्मक विकास की दिशा में नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

आईपीएस अधिकारी डॉ. पार्थसारथि महंत द्वारा लिखित और निर्देशित असमिया शॉर्ट फिल्म अनसूनी चिखे (Ansuni Chinkhe) को मिला सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट फिल्म का सम्मान।

पंकज नाथ, असम, आदिवासी एक्सप्रेस

असम के आईपीएस अधिकारी और सांस्कृतिक क्षेत्र के अग्रणी डॉ. पार्थसारथि महंत की लिखी और निर्देशित असमिया शॉर्ट फिल्म अनसूनी चिखे ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म जगत में हलचल मचा दी है। इस फिल्म ने कई फिल्म महोत्सवों में कई पुरस्कार जीतने में सफलता पाई है। फिल्म का निर्माण डॉ. मीना महंत और स्वयं आईपीएस अधिकारी पार्थसारथि महंत की पत्नी आईपीएस डॉ. इंद्राणी बरुआ ने किया है। हाल ही में कोलकाता में आयोजित इंडिपेंडेंट फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट फिल्म का पुरस्कार जीता। फिल्म में एकल अभिनय अभिनेत्री सीमा बिस्वास ने किया है, जिनका अभिनय दर्शकों को छू जाता है। सीमा बिस्वास को उनके शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान भी मिला है। साथ ही, पार्थसारथि महंत को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार भी मिला। यही नहीं, कई अन्य फिल्म महोत्सवों में भी इस फिल्म ने पुरस्कार जीते हैं।

2025 के 17 जनवरी से 21 जनवरी तक आयोजित जयपुर अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में वर्ल्डवुड इंटरनेशनल पैनोरमा (अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता श्रेणी) में इस फिल्म को शामिल किया गया था। इस महोत्सव में भी शॉर्ट फिल्म ने कई श्रेणियों में पुरस्कार जीते। शॉर्ट फिल्म श्रेणी में सीमा बिस्वास ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब और पार्थसारथि महंत ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता। दिल्ली शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल 2025 में भी इस फिल्म को पुरस्कार मिले, जिसमें अनसूनी चिखे ने सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट फिल्म का पुरस्कार हासिल किया। कई फिल्म महोत्सवों में लगातार मिल रही इन उपलब्धियों ने इस फिल्म को एक ऊँचाई तक पहुँचाया है।फिल्म की एक बड़ी उपलब्धि हाल ही में मार्चे डू फिल्म के ऑनलाइन सेगमेंट में शामिल होना था, जिससे फिल्म ने वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया। फिल्म की विषयवस्तु और कहानी ने कई दर्शकों को छू लिया है। आईपीएस डॉ. पार्थसारथि महंत के निर्देशन और सीमा बिस्वास के अभिनय से यह फिल्म विश्व मंच पर सराही गई है। इनके सहयोग ने अनसूनी चिखे को चर्चा में लाने के साथ-साथ असमिया और भारतीय शॉर्ट फिल्मों के स्तर को भी ऊँचा किया है। इस फिल्म की बड़ी सफलता ने असमिया शॉर्ट फिल्म इंडस्ट्री में एक नई उम्मीद जगाई है।

अंतरिक्ष मिशन एक्सिओम-4 की लॉन्चिंग टली, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की उड़ान अब नई तारीख पर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को बताया कि एक्सिओम मिशन-4 (एक्सिओम-4) की प्रस्तावित लॉन्चिंग फिलहाल टाल दी गई है। यह मिशन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना होने वाला था, जिसमें भारत के शुभांशु शुक्ला सहित चार अंतरिक्ष यात्री सवार होने वाले थे। डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पोस्ट में बताया कि नासा ने फिलहाल 22 जून को निर्धारित संभावित लॉन्च तिथि से स्टैंड डाउन (वापस हटने) का फैसला लिया है। अब मिशन की लॉन्चिंग नई तिथि पर की जाएगी, जिसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी। एक्सिओम-4 मिशन को अंतरिक्ष में भेजने की जिम्मेदारी निजी अमेरिकी कंपनी एक्सिओम-स्पेस की है, जो नासा के सहयोग से वाणिज्यिक अंतरिक्ष यात्राओं को अंजाम देती है। इस मिशन की खास बात यह है कि इसमें भारत के युवा वैज्ञानिक शुभांशु शुक्ला भी अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले हैं, जिससे देश में खासा उत्साह है। डॉ. सिंह ने कहा कि उन्हें जो जानकारी प्राप्त हुई है, उसके अनुसार मिशन को नई संभावित तिथि पर लॉन्च किया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि देरी के पीछे कोई तकनीकी या सुरक्षा कारण हो सकता है, जिसकी आधिकारिक पुष्टि नासा द्वारा की जाएगी।

एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर कई वैज्ञानिक प्रयोग और अनुसंधान कार्य करेंगे। भारत के लिए यह मिशन इसलिए भी खास है क्योंकि यह निजी अंतरिक्ष उड़ानों में भारतीयों की भागीदारी को दर्शाता है और आने वाले समय में देश की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को गति देने में सहायक होगा। देशभर के वैज्ञानिक और अंतरिक्ष प्रेमी शुभांशु शुक्ला की इस उड़ान को लेकर उत्साहित हैं और अब सभी की नजरें नई लॉन्च तिथि पर टिकी हैं।

देश में कोरोना मामलों में कमी, अब कुल सक्रिय मामले 5608

Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

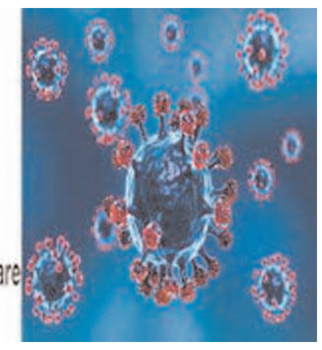

नई दिल्ली। देश में पिछले कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों में कमी देखी गयी है और शुक्रवार को कुल सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 5608 रह गयी। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमित 1092 मरीजों के स्वस्थ होने के साथ इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या 18256 तक पहुंच गयी और इस अवधि में चार और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा 120 पहुंच गया है।

गौरतलब है कि 22 मई को देश में कोराना के सिर्फ़ 257 मामले सक्रिय थे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमित चार और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 120 पहुंच गया। पिछले 24 घंटों में दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र और पंजाब में कोराना संक्रमण से एक-एक मरीज की मौत हो गयी। इस अवधि में जहां नौ राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेश में कोरोना के मामलों में वृद्धि देखी, वहीं 16 राज्यों में सक्रिय मामलों में कमी आयी है। जबकि अन्य राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से कोरोना संक्रमण के मामले प्राप्त नहीं हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार नये वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण संक्रमण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है।

मंत्रालय के अनुसार संक्रमण के मामलों में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, हालांकि आज सुबह तक 125 सक्रिय मामले घटने के साथ इसका आंकड़ा 1184 रह गया। राष्ट्रीय राजधानी में दो मामले घटने से संक्रमितों की कुल संख्या 630 हो गयी।

अखनूस स्पोर्ट्स क्लब ने बैडमिंटन चैंपियन को किया सम्मानित

एजेंसी

अखनूर। अखनूर स्पोर्ट्स क्लब ने जम्मू में खेले गए पहले तवी टूर्नामेंट के चैंपियन को सम्मानित किया। अखनूर स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष धर्मपाल गुप्ता ने विजेता खिलाड़ियों को उनकी जीत के लिए बधाई दी और अखनूर के चैंपियन को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।उन्होंने रूपेश चिब (अंडर-19), अधविक मन्हास (अंडर-13) को एकल ट्रॉफी, शिवाय गुप्ता और रूपेश चिब को युगल ट्रॉफी (अंडर-17) में उपविजेता और सक्षम को एकल (अंडर-17) में कांस्य पदक प्रदान किया। इन खिलाड़ियों ने अपने निडर खेल और अचूक शॉट्स से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अखनूर स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष धर्मपाल गुप्ता ने इन बैडमिंटन खिलाड़ियों को कोच के रूप में प्रशिक्षित करने वाले आशीष चौधरी, सुमित सिंह और अंकुश शर्मा की सराहना की और उम्मीद जताई कि वे अखनूर के युवाओं को इस खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने, वांछित ऊंचाइयों को प्राप्त करने और राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित करने में अपना समर्पित प्रयास जारी रखेंगे। धर्मपाल गुप्ता ने कहा कि अखनूर स्पोर्ट्स क्लब हमेशा अखनूर में खेल गतिविधियों को बढ़ाने और खिलाड़ियों को उनके सपने पूरे करने में मदद करने के लिए तैयार है। सम्मान समारोह के दौरान अखनूर स्पोर्ट्स क्लब के कार्यकारी सदस्य, खिलाड़ी, बैडमिंटन के कोच और अखनूर के प्रमुख नागरिक मौजूद थे।

हॉकी लीग : एमआईसी और उत्तर मध्य रेलवे को मिली जीत

प्रयागराज। एमआईसी और उत्तर मध्य रेलवे ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर प्रथम हाफिज गजनफर उल्ला इलाहाबाद हॉकी लीग में पूरे अंक प्राप्त किये। मजीदिया इस्लामिया इंटर कालेज मैदान पर खेले गये पहले मैच में एमआईसी ने केपीआईसी को 8-1 से हराया। एमआईसी के लिए मोहम्मद तल्हा व अता खान ने दो-दो तथा शशि शेखर, शाहबाज, मोहम्मद रिजवान एवं अल्काब ने एक-एक गोल किया। केपीआईसी के लिए एक मात्र गोल हरिशंकर ने किया। मैच में शाहबाज और राहुल निर्णायक रहे। दूसरे मैच में उत्तर मध्य रेलवे ने नेशनल स्पोर्टिंग क्लब को 2-1 से हराया। एमआईसी को 24वें मिनट में जैद ने गोल करके 1-0 की बढ़त दिला दी थी। लेकिन 31वें मिनट में शरद ने और 32वें मिनट में अभय ने गोल करके उत्तर मध्य रेलवे की बढ़त को 2-1 कर दिया जो मैच के अंत तक बनी रही।

रवि शास्त्री की शुभमन गिल को सलाह- 'उन्हें अपना समय लेना चाहिए'

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज कल यानी शुक्रवार से शुरु हो रही है। पहला टेस्ट लीड्स में खेला जाएगा। शुभमन गिल के नेतृत्व में एक युवा टीम इस दौरे पर गई है। भारतीय टीम रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के बिना टेस्ट क्रिकेट में उतरेगी। ऐसे में 25 साल के गिल की कप्तानी में भारतीय टीम की यह पहली परीक्षा होगी। इस बीच पूर्व क्रिकेटर और पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि बतौर कप्तान गिल के लिए ये टेस्ट सीरीज बिल्कुल भी आसान नहीं होगी। युवा कप्तान को इस चुनौतीपूर्ण भूमिका को निभाने के लिए धैर्य और संयम की जरुरत है। रवि शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के नवीनतम एपिसोड में कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें अपना समय लेना चाहिए। यह आसान नहीं होगा। उन्हें एक कठिन काम करने के लिए कहा गया है जो है इंग्लैंड दौरे पर भारत की कप्तानी करना। गिल ने अपने टेस्ट करियर में अभी 32 मैच ही खेले हैं। उन्होंने दिसंबर 2020 में पदार्पण के बाद से इतने मैचों में 35.05 की औसत से 1893 रन बनाए हैं। इंग्लैंड की पिचें हमेशा खिलाड़ियों की परीक्षा लेती हैं। ऐसे में देखना होगा कि बतौर कप्तान शुभमन गिल का करियर कैसे शुरू होता है, वो भी तब जब विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे दिग्गज टीम में नहीं हैं, जिन्होंने टेस्ट से संन्यास ले लिया है।

भारतीय फुटबॉल कैलेंडर से गायब हुआ आईएसएल, एआईएफएफ ने 2025-26 योजना में नहीं किया शामिल

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल के 2025-26 सीज़न के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की ओर से जारी किए गए प्रतियोगिता कैलेंडर में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। देश की शीर्ष पुरुष फुटबॉल लीग मानी जाने वाली इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) को इस बार के शेड्यूल से पूरी तरह हटा दिया गया है। आईएसएल की शुरुआत 2014 में फ्रेंचाइज़ी लीग के रूप में हुई थी और 2019 में इसे भारत की शीर्ष श्रेणी (टॉप फ्लाइट) की लीग का दर्जा मिला था। यह लीग फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) द्वारा संचालित होती है, लेकिन अब इसका भविष्य अधर में लटका हुआ है। इसका मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) दिसंबर में समाप्त हो रहा है और अब तक इसके नवीनीकरण पर कोई निर्णय नहीं हुआ है। अप्रैल 2025 में एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने एफएसडीएल के साथ एमआरए के भविष्य को लेकर चर्चा करने के लिए एक आठ सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया था।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप : मेसी के फ्री-किक गोल से इंटर मियामी ने पोर्टो को 2-1 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा क्लब वर्ल्ड कप में खेले गए मुकाबले में लियोनेल मेसी की ट्रेड मार्क फ्री-किक की बदौलत इंटर मियामी ने पुर्तगाली क्लब पोर्टो के खिलाफ 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही एमएलएस क्लब इंटर मियामी ने ग्रुप-ए से अगले दौर में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया है।

पहले हाफ में सैमू आगहेहोवा के पेनल्टी गोल से पोर्टो को शुरुआती बढ़त मिली, लेकिन दूसरे हाफ में इंटर मियामी ने जोरदार वापसी की। पहले टेलास्को सेगोविया ने बराबरी का गोल दागा और फिर 54वें मिनट में मेसी ने एक शानदार फ्री-किक के जरिए अपनी टीम को जीत दिलाई।

पहले हाफ में पोर्टो का दबदबा

मैच की शुरुआत में पोर्टो ने आक्रामक खेल दिखाया और 8वें

मिनट में उन्हें पेनल्टी मिली, जिसे वीएआर समीक्षा के बाद मंजूरी दी गई। इंटर मियामी के डिफेंडर नोआ एलेन द्वारा जोआओ मारियो को बॉक्स में हल्का सा टच करने पर रेफरी ने पेनल्टी दी।स्पेनिश खिलाड़ी सैमू आगहेहोवा ने गोलकीपर ऑस्कर उस्तारी को छकाकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी, हालांकि उस्तारी ने गेंद को हाथ लगाया लेकिन रोक नहीं सके। लियोनेल मेसी ने शुरुआत से ही रचनात्मक भूमिका निभाई। उन्होंने अनुभवी स्ट्राइकर लुइस सुआरेज़ को एक शानदार गेंद थ्रू की, लेकिन सुआरेज़ ऑफसाइड थे और गोलकीपर क्लाउडियो रामोस ने भी अच्छा बचाव किया।पहले हाफ के अंत तक पोर्टो का दबाव बना रहा। आगहेहोवा और वरेला ने गोल के कई मौके बनाए, लेकिन गोलपोस्ट और गोलकीपर उस्तारी की सतर्कता के चलते मियामी ने और गोल नहीं खाने दिए। दूसरे हाफ की शुरुआत से ही इंटर मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया। 47वें मिनट में मार्सेलो वाइगांट के क्रॉस पर टेलास्को सेगोविया ने शानदार फिनिशिंग करते हुए स्कोर 1-1 कर दिया। इसके कुछ ही मिनटों बाद 54वें मिनट में मेसी को बॉक्स के बाहर फाउल किया गया। इसके बाद उन्होंने खुद फ्री-किक ली और अपने चिर-परिचित अंदाज़ में गेंद को टॉप राइट कॉर्नर में डालकर इंटर मियामी को 2-1 की बढ़त दिलाई।

कानपुर के युवाओं में गजब का क्रिकेटिंग टैलेंट, सही मार्गदर्शन व कड़ी मेहनत की ज़रूरत: पीयूष चावला

एजेंसी

कानपुर। कानपुर के युवाओं में गजब का क्रिकेटिंग टैलेंट है। जरूरत है तो बस सही मार्गदर्शन और मेहनत की। यह बातें आर्य नगर स्थित 'द स्पोर्ट्स हब' (टीएसएच) में तीन दिवसीय क्रिकेट कैंप के पहले दिन खिलाड़ियों से रूबरू होते हुए भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार स्पिनर और वर्ल्ड कप विजेता पीयूष चावला ने कही। उन्होंने बताया कि इस तरह के कैंप खिलाड़ियों को एक नई दृष्टि और प्रोफेशनल एक्सपोज़र देते हैं, जिससे वे आगे जाकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। वर्ल्ड कप विजेता पीयूष चावला ने युवा खिलाड़ियों को बताया कि ग्राउंड पर समय बिताना, गेम को पढ़ना और हर छोटी तकनीकी गलती पर काम करना ही एक अच्छे खिलाड़ी की पहचान होती है। उन्होंने उभरते हुए क्रिकेटरों को मैदान पर प्रैक्टिकल टिप्स दिए और तकनीक, मानसिकता और अनुशासन पर फोकस करने की सीख दी। टीएसएच में पहले दिन के प्रशिक्षण सत्र में पीयूष चावला ने गेंदबाज़ी एक्शन, रन-अप, लाइन-लेंथ और मानसिक संतुलन जैसे पहलुओं पर चावला ने कहा कि ÷कानपुर के युवाओं में गजब का क्रिकेटिंग टैलेंट है। जरूरत है तो बस सही मार्गदर्शन और मेहनत की। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को बताया कि ग्राउंड पर समय बिताना, गेम को पढ़ना और हर छोटी तकनीकी गलती पर काम करना ही एक अच्छे खिलाड़ी की पहचान होती है। उन्होंने बच्चों के सवालों का जवाब भी उत्साह से दिया। उन्होंने कहा कि ÷सपना बड़ा हो और मेहनत ईमानदार, तो किसी भी शहर का खिलाड़ी इंटरनेशनल लेवल तक पहुंच सकता है। पीयूष चावला ने द स्पोर्ट्स हब की इस पहल को सराहते हुए कहा कि यहां जिस तरह की ट्रेनिंग फैसिलिटी और कोचिंग का माहौल है, वह राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरता है।

स्पेन के राजा ने राफेल नडाल को 'मार्क्विस' की उपाधि दी

एजेंसी

नई दिल्ली। हैम्पशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने भारतीय युवा बल्लेबाज़ तिलक वर्मा के साथ करार की पुष्टि की है। तिलक रेड-बॉल क्रिकेट के लिए टीम के साथ जुड़ेंगे और काउंटी चैम्पियनशिप के अगले चार मुकाबलों में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनका पहला मुकाबला 22 से 25 जून तक एसेक्स के खिलाफ चेल्मसफोर्ड में होगा। भारतीय टीम की ओर से 29 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके तिलक वर्मा ने अब तक 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 749 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक शामिल हैं, जो नवंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार पारियों में आए थे। इसके अलावा उन्होंने तीन अर्धशतक भी जड़े हैं, जिसमें साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 72* रनों की पारी शामिल है। टी20 और खासकर आईपीएल में अपने प्रदर्शन के लिए चर्चित तिलक ने 2019 में छोटे फॉर्मेट में पदार्पण किया था। 2022 में मुंबई इंडियंस ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया और तब से उन्होंने फ्रेंचाइज़ी के लिए 54 मैचों में लगभग 1500 रन बनाए हैं। उनका औसत 37.47 और स्ट्राइक रेट

144.41 है। जून 2025 तक तिलक वर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी भी पूर्ण सदस्य देश के बल्लेबाज़ों में सबसे ऊंचे औसत (49.93) के साथ शीर्ष पर हैं। हैम्पशायर के क्रिकेट निदेशक जाइल्स व्हाइट ने एक बयान में कहा, तिलक जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को अगले चार मुकाबलों के लिए टीम में पाकर हम बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच और आईपीएल में अपनी काबिलियत साबित की है, और अब हम उन्हें हैम्पशायर के लिए खेलते देखने को उत्सुक हैं। रेड-बॉल क्रिकेट में भी तिलक वर्मा का रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। उन्होंने अब तक 18 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं, जिसमें इंडिया ए के लिए दलीप ट्रॉफी और इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ दो मैच शामिल हैं। उन्होंने 50.16 के औसत से 1200 से अधिक रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं।

मिडलसेक्स ने डेन विलास को अंतरिम फर्स्ट टीम कोच नियुक्त किया

एजेंसी

लंदन। काउंटी क्रिकेट क्लब मिडलसेक्स ने पूर्व दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ डेन विलास को मौजूदा सीज़न के अंत तक अंतरिम फर्स्ट टीम कोच नियुक्त किया है। यह फैसला रिचर्ड जॉनसन के पद छोड़ने के दो दिन बाद लिया गया, जिन्होंने तीन साल से अधिक समय तक कोच की भूमिका निभाई। 40 वर्षीय विलास ने 2023 सीज़न के अंत में फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया था। वह सात वर्षों तक लंकाशायर के लिए खेले और वहीं टीम की कप्तानी भी की। हालांकि, वह फ्रेंचाइज़ी लीग एसए 20 में खेलना जारी रखे हुए थे। अब वह लंदन में ही बसे हुए हैं और तुरंत प्रभाव से मिडलसेक्स की जिम्मेदारी संभालेंगे।मिडलसेक्स की मौजूदा स्थिति संतोषजनक नहीं रही है। काउंटी चैम्पियनशिप के डिविजन दो में टीम तीसरे स्थान से नीचे है, और शुरुआती सात मैचों में केवल दो जीत दर्ज कर पाई है। टी20 ब्लास्ट में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है, जहां टीम ने हाल ही में केवल अपना दूसरा मुकाबला जीता, जिसके कुछ देर बाद विलास की नियुक्ति की घोषणा की गई। मिडलसेक्स के महत्वपूर्ण रहेगा।डेन विलास, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए 6 टेस्ट और 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला है, ने अपनी नियुक्ति पर कहा,यह मेरे लिए

क्रिकेट निदेशक एलन कोलमैन ने कहा,मैं डेन का क्लब में स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हूं। उनके पास बहुत अनुभव है, जो हमारे खिलाड़ियों के लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। उन्होंने हाल ही में खेल को अलविदा कहा है, लेकिन लंकाशायर की कप्तानी के दौरान उनके नेतृत्व कौशल ने मुझे प्रभावित किया। उनका जुनून, प्रतिस्पर्धात्मकता और सभी प्रारूपों का अनुभव हमारे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। लॉर्ड्स जैसे ऐतिहासिक मैदान का हिस्सा बनना विशेष अनुभव है। मैं टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। इस ग्रुप में काफी प्रतिभा है और मैं उसका अधिकतम उपयोग करना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा, मेरे रॉरी कौट्स, टिम मर्टग और इयान सैलिसबरी के साथ अच्छे संबंध हैं, और हम सभी मिलकर टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

मार्नस लाबुशेन वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर, स्टीव स्मिथ भी चोट के चलते नहीं खेलेंगे

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया को 25 जून से बारबाडोस में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले बड़ा झटका लगा है। स्टार बल्लेबाज़ मार्नस लाबुशेन को टीम से बाहर कर दिया गया है जबकि अनुभवी स्टीव स्मिथ चोट के कारण उपलब्ध नहीं रहेंगे। उनकी जगह सैम कॉन्सटास और जोश इंगलिस को टीम में शामिल किया गया है। यह दोनों बदलाव पहले टेस्ट से पांच दिन पहले ही घोषित किए गए, जिससे यह स्पष्ट है कि ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज़ी लाइन-अप में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के मुकाबले काफी बदलाव होगा। सैम कॉन्सटास तीसरा टेस्ट खेलेंगे। उन्होंने भारत के खिलाफ डेब्यू पर एमसीजी में 60 रन की पारी खेली थी। वहीं जोश इंगलिस ने

श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में शतक लगाकर अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की थी।वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में लाबुशेन को सलामी बल्लेबाज़ के रूप में आजमाया गया था, लेकिन वे केवल 17 और 22 रन की पारियां ही खेल पाए। पिछले दो वर्षों से उनका टेस्ट फॉर्म लगातार गिरावट पर है। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बैली ने कहा, मार्नस जब अपने सर्वश्रेष्ठ पर होते हैं तो टीम के लिए बेहद अहम होते हैं। वह भी समझते हैं कि उनका प्रदर्शन उस स्तर पर नहीं है जिसकी हम और वे खुद उनसे अपेक्षा करते हैं। हम उनके खेल के उन पहलुओं पर काम करना जारी रखेंगे जिन्हें सुधारने की जरूरत है।

स्मिथ को साउथ अफ्रीका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान टेम्बा बावुमा का कैच छोड़ते समय उंगली में गंभीर चोट लगी थी। उनकी छोटी उंगली में कंपाउंड डिसलोकेशन हुआ है और फिलहाल उन्हें आठ हफ्ते के लिए स्प्लिंट पहनना होगा। हालांकि उम्मीद है कि वे वेस्टइंडीज दौरे के बाद के टेस्ट में वापसी कर सकते हैं। टेस्ट की अंतिम एकादश और बल्लेबाज़ी क्रम की घोषणा मैच के करीब की जाएगी, लेकिन उम्मीद है।

मुनीमपुर स्टार्स की टीम ने मेवाती वाली मिलक को 199 रन से दी शिकस्त

एजेंसी

मुरादाबा,। अरमान अली एपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट में मुनीमपुर स्टार्स की टीम ने मेवाती वाली मिलक को 199 रन के अंतर से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। मुनीमपुर में खेले गए खिताबी मुकाबले में मेजबान टीम ने पहले खेलते हुए 19 ओवर में सभी विकेट खोकर 290 रन बनाए। जवाब में मेवाती वाली मिलक की पूरी टीम महज आठ ओवर में 91 रन पर ही ढेर हो गई। विजेता टीम के लिए नवाजिश ने 64 और गुले हसन ने 43 रन की पारी खेली। मुख्य अतिथि मूंढापांडे ब्लॉक प्रमुख डॉ. नवदीप यादव ने विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान शानू नंबरदार, मुर्शद अली, रिजवान, फरमान मुर्तजा आदि मौजूद रहे।

फर्स्ट हॉकी इंडिया मास्टर्स कप: दूसरे दिन हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र और ओडिशा की दमदार जीत

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई में चल रहे फर्स्ट हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 के दूसरे दिन मुकाबलों में रोमांच और उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। महिला वर्ग में हॉकी पंजाब और हॉकी हरियाणा ने जीत दर्ज की, जबकि पुरुष वर्ग में हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा विजेता रहे।

महिला वर्ग में पंजाब और हरियाणा का दबदबा

दिन की शुरुआत हॉकी पंजाब और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के मुकाबले से हुई, जिसमें पंजाब ने ओडिशा को 3-1 से मात दी। पंजाब की ओर से संगीता मिन्ज (3'), कप्तान अमनदीप कौर (5') और नीति (26') ने गोल दागे। ओडिशा की ओर से एकमात्र गोल रंजीता बेक (50') ने किया। दूसरे मैच में हॉकी हरियाणा ने हॉकी यूनिट

ऑफ तमिलनाडु को 8-4 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। हरियाणा के लिए छिंगशुबम संगई इबेमहल (3', 10', 13') और सोनिका यादव (32', 49', 51') ने हैट्रिक लगाई, जबकि सुमन लता चुम्बक (26') और नीतू कुमारी (44') ने भी गोल किए। तमिलनाडु की ओर से सुरेश रासना बाबू (2', 20'), क्रिस्टी एलेना एडवर्ड (40') और सौम्या (56') ने गोल किए।

पुरुष वर्ग में महाराष्ट्र और ओडिशा ने दर्ज की बड़ी जीत

पुरुष वर्ग में हॉकी महाराष्ट्र ने मणिपुर हॉकी को एकतरफा मुकाबले में 7-1 से शिकस्त दी। कप्तान धनंजय महाडिक (34', 36') ने दो गोल किए, जबकि दादासाहेब प्रकाश घुंबरे (12'), विक्रम पिल्लै (14'), लियोनार्ड कीथ परेरा (19'), शक्ति भारतसिंह ठाकुर (24') और हरीश पाडिन्जारेथिल (54') ने भी एक-एक गोल किया। मणिपुर की ओर से एकमात्र गोल सोरोक्हैबम विद्याकुमार सिंह (25') ने किया। दिन के अंतिम मुकाबले में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने ले पुडुचेरी हॉकी को 6-3 से हराया। ओडिशा के लिए सैंटियल मुंडू ने (32', 41', 43') हैट्रिक लगाई, जबकि कप्तान लाजरुस बारला (19'), लधु एक्का (52') और बर्नार्ड लकड़ा (59') ने भी गोल किए। पुडुचेरी की ओर से हरिकृष्णन एस (17'), बी अधिकेसवन (23') और डेल्हिगणेश (58') ने गोल किए।

आलिया एलीन और कियाना जोसेफ आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर दोषी करार

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम की दो खिलाड़ियों आलिया एलीन और कियाना जोसेफ को दूसरे महिला वनडे मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के कारण आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। यह मुकाबला बीते सप्ताहांत बारबाडोस के ओवल में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के खिलाफ खेला गया था। दोनों खिलाड़ियों ने आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन किया है, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्णय पर असंतोष प्रकट करने से संबंधित है। आलिया एलीन को आउट दिए जाने के बाद खुले हाथों से इशारा करते हुए मैदान छोड़ने में देरी करने पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया।

उत्तराखंड करेगा वीनू मांकड़ ट्रॉफी 2025 की मेजबानी, देहरादून में होंगे मुकाबले

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड को इस बार (सीसीआई की प्रतिष्ठित वीनू मांकड़ ट्रॉफी की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ है। अंडर-19 आयु वर्ग की यह राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता 09 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक देहरादून में आयोजित की जाएगी।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) के तत्वावधान में होने वाली इस प्रतियोगिता के सभी मैच देहरादून के तीन अलग-अलग मैदानों में खेले जाएंगे। हर दिन तीन मुकाबले आयोजित होंगे।इस ट्रॉफी में देश की छह राज्य स्तरीय टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा, हैदराबाद और कर्नाटक शामिल हैं।सीएयू के सचिव माहिम वर्मा ने बताया कि वर्ष 2019 में उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन को बीसीसीआई से मान्यता मिली थी। उन्होंने कहा कि अल्प समय में ही उत्तराखंड ने खेल आयोजनों में

अपनी एक खास पहचान बना ली है। इसी शानदार आयोजन क्षमता को देखते हुए बीसीसीआई ने इस बार मेजबानी का दायित्व उत्तराखंड को सौंपा है।माहिम वर्मा ने यह भी कहा कि ऐसे आयोजन राज्य में खेल प्रतिभाओं को निखारने, उत्तराखंड की छवि राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने और पर्यटन व रोजगार के अवसर बढ़ाने में सहायक होते हैं।

बंगाल प्रो टी20 लीग : नूरुद्दीन मंडल और अंकुर पॉल के शानदार प्रदर्शन से सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की धमाकेदार जीत

एजेंसी

कोलकाता। बंगाल प्रो टी20 लीग में सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स और मुर्शिदाबाद किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले को सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की टीम ने जीत लिया। गत चैंपियन मुर्शिदाबाद किंग्स, सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के नूरुद्दीन मंडल की शानदार गेंदबाजी के आगे पस्त हो गए, सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने इस मुकाबले में 61 रन की धमाकेदार जीत दर्ज करते हुए लीग में अपना पहला मैच जीता। इस जीत के साथ टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। चार विकेट लेकर सिर्फ 16 रन देने वाले नुरुद्दीन मंडल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह अब टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गए हैं, उनके नाम 10 विकेट हो चुके हैं।

बारिश से प्रभावित मुकाबला, देरी से हुई शुरुआत

ईडन गार्डन्स में खेले गए इस मुकाबले को बारिश के चलते 16-16 ओवर का कर दिया गया। मैच की शुरुआत तय समय से एक घंटा 15 मिनट देरी से हुई। टॉस जीतकर मुर्शिदाबाद किंग्स ने पहले गेंदबाज़ी करने का फैसला किया। सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की शुरुआत शानदार रही। ओपनर अंकुर पाल ने 35 गेंदों पर 50 रनों की तेज़

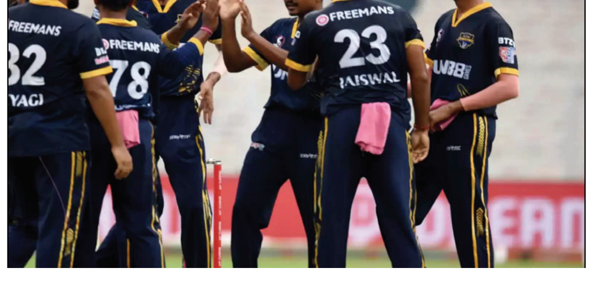

पारी खेली, जिसमें एक छक्का और आठ चौके शामिल थे। सुरज सिंधु जैसवाल ने भी 24 रन का योगदान दिया। मुर्शिदाबाद के लिए सैयद इरफ़ान आफताब ने 21 रन देकर तीन विकेट लिए। तौफिक उद्दीन मंडल, बिकाश सिंह और दिलशाद ने दो-दो विकेट झटके।

गेंदबाज़ों का जलवा, मुर्शिदाबाद की टीम 74 पर ढेर

136 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुर्शिदाबाद किंग्स की टीम पूरी तरह लड़खड़ा गई और 14 ओवरों में सिर्फ 74 रन पर ऑल आउट हो गई। नुरुद्दीन मंडल ने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी करते हुए चार विकेट झटके। उनके साथ रज्जू हलदार, शिवम भारती और अंकुश त्यागी ने भी शानदार गेंदबाज़ी की और लगातार दबाव बनाए रखा।

अंक तालिका में वापसीः बारिश के कारण पहले दो मुकाबलों में अंक बांटने के बाद यह जीत सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के लिए राहत लेकर आई।

अनुष्टुप मजूमदार की कप्तानी में टीम ने जोरदार वापसी की है और अब टीम प्लेऑफ की दौड़ में मजबूती से खड़ी नजर आ रही है। सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स का अगला मुकाबला हारबर डायमंड्स के खिलाफ शनिवार दोपहर 01 बजे है।

एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज का आईपीओ 24 जून को खुलेगा, प्राइस बैंड 380-400 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। औद्योगिक एवं चिकित्सा गैस क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 24 जून को खुलेगा और गुरुवार, 26 जून को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 380-400 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए 2 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए मूल्य का दायरा 380-400 रुपये निर्धारित किया गया है। यह आईपीओ ताजा इक्विटी जारी करने और बिक्री के लिए पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इसके लिए निवेशक न्यूनतम 37 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 37 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड के इस आईपीओ में 400 करोड़ तक के नए निर्गम और पद्म कुमार अग्रवाल द्वारा 56,56,565 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश तथा वरुण अग्रवाल द्वारा 56,56,565 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। कंपनी की योजना इस नए इश्यू से प्राप्त 210 करोड़ रुपये की धनराशि का उपयोग एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान, पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा।

डीपीआईआईटी और योरस्टोरी मीडिया ने देशभर में जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने अग्रणी डिजिटल प्लेटफॉर्म योरस्टोरी मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ में एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल का उद्देश्य समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देना और पूरे भारत में गतिशील स्टार्टअप का समर्थन करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से डीपीआईआईटी के उप सचिव राजेश कुमार और योरस्टोरी एवं द भारत प्रोजेक्ट की संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रद्धा शर्मा ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव सिंह ने उद्यमियों की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने में समावेशी प्लेटफार्मों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साझेदारी नेटवर्क, ज्ञान और सफलता की कहानियों तक पहुंच का विस्तार करेगी, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों के महत्वाकांक्षी संस्थापकों के लिए जिससे भारत की वैश्विक नवाचार केंद्र बनने की यात्रा में तेजी आएगी।

भारत दे सकता है यूके की अर्थव्यवस्था को रफ्तार : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकता है। भारतीय यूके जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ते हैं। मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे। गोयल ने लंदन में इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हम इस अनिश्चित विश्व में जो अस्थिरता, अनिश्चितता, चुनौतियों और संकटों से भरा हुआ है, ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकते हैं। इस समय दुनिया संकटों और चुनौतियों से भरी है। फिर भी भारत स्थिरता, तेज विकास के दौर में है। यहां के लोग अपने शांत स्वभाव के कारण पूरे विश्वभर में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि चार करोड़ भारतीय विश्व के अलग-अलग देशों में रहते हैं, जो अपनी प्रतिभा और कौशल के लिए पहचाने जाते हैं। इंडिया ग्लोबल फोरम में बोलते हुए गोयल ने यूके-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इसे मुफ्त में दिए जाने वाला कहना अनुचित है। भारतीय लोग जब यहां आते हैं तो वे यूके की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ते हैं।

सेल ने आईएनएस 'अर्णाला' का उत्पादन करने के लिए आपूर्ति की स्टील

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने रक्षा के क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता और आयात प्रतिस्थापन की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। देश की महारत्न कंपनी सेल ने देश के पहले एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट अर्णाला के लिए विशेष इस्पात की ज़रूरत को सफलतापूर्वक पूरा किया है। आईएनएस अर्नाला को 18 जून को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। मंत्रालय ने कहा कि सेल ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में बनाए जा रहे अन्य सात एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी कोरवेट के लिए भी विशेष इस्पात की पूरी आपूर्ति की है। रक्षा स्वदेशीकरण की दिशा में भारत के प्रयासों में एक प्रमुख भागीदार के तौर पर सेल ने इस परियोजना के लिए आवश्यक जरूरत की विशेष स्टील की आपूर्ति की है। यह देश की आत्मनिर्भर भारत की पहल को लागू करने और आयात पर निर्भरता को कम करने में सेल की प्रतिबद्धता का एक और प्रभावशाली उदाहरण है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रूस के डिप्टी पीएम से की मुलाकात, रेयर अर्थ मेटल के साथ कई मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी

सेंट पीटर्सबर्ग। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रूस के उपप्रधानमंत्री अलेक्सी ओवरचुक से मुलाकात की और ट्रांसपोर्ट, कनेक्टिविटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर और रेयर अर्थ मेटल जैसे मुद्दों पर चर्चा की। दोनों देश के दिग्गज लीडर्स के बीच यह मुलाकात रूस के सबसे बड़े शहरों में एक सेंट पीटर्सबर्ग में हुई है। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रूस के उपप्रधानमंत्री अलेक्सी ओवरचुक से मुलाकात की। ट्रांसपोर्ट, कनेक्टिविटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर और रेयर अर्थ मेटल सहित सहयोग के प्रमुख मुद्दों को लेकर चर्चा की।' सेंट पीटर्सबर्ग में भारत की कॉन्सुलेट जनरल की ओर से की गई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की गई पोस्ट के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (एसपीआईईएफ 2025) में भाग

लेने के लिए सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचे हैं। एसपीआईईएफ 2025, 18 जून को शुरू हो चुकी है और यह 21 जून तक चलेगी।रूस जाने से पहले रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 17 जून को हरियाणा के मानेसर में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड प्लांट में देश के सबसे बड़े ऑटोमोबाइल मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल का उद्घाटन किया था। मारुति सुजुकी के प्लांट में नया गति शक्ति कार्गो टर्मिनल ऑटोमोबाइल परिवहन की लॉजिस्टिक्स दक्षता को काफी हद तक बढ़ाता है। मानेसर प्लांट 10 किलोमीटर के रेल लिंक के माध्यम से पाटली रेलवे स्टेशन से जुड़ा हुआ है, जो हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एचआरआईडीसी) द्वारा विकसित किए जा रहे 121.7 किलोमीटर लंबे हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर का हिस्सा है। इस 10 किलोमीटर के लिंक के निर्माण के लिए 800 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है, जिसमें एचआरआईडीसी ने 684 करोड़ रुपए का योगदान दिया और शेष राशि मारुति सुजुकी द्वारा दी गई। इस गति शक्ति कार्गो टर्मिनल की लोडिंग क्षमता 4.5 लाख ऑटोमोबाइल प्रति वर्ष के साथ भारत में सबसे अधिक है। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय रेलवे में बड़ा बदलाव आया है। 2014 से पहले भारतीय रेलवे का वार्षिक बजट 24,000 से 25,000 करोड़ रुपए था, जो कि बढ़कर अब 2.5 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

लगातार तीसरे दिन गिरा शेयर बाजार, निवेशकों को 1 दिन में लगी 3.70 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर सेंसेक्स और निफ्टी को कुछ देर के लिए हरे निशान में पहुंचाने में सफलता भी हासिल की, लेकिन ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। बिकवाली के दबाव की वजह से ये दोनों सूचकांक एक बार फिर लाल निशान में गिर गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.10 प्रतिशत और निफ्टी 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, रियल्टी और आईटी सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसके अलावा बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल इंडेक्स आज 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने चार लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 442.58 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया।

स्टॉक मार्केट में ओसवाल पम्प्स की मजबूत एंट्री, मुनाफे में कंपनी के आईपीओ निवेशक

मुंबई।

नई दिल्ली। सोलर पंप और सबमर्सिबल बनाने वाली कंपनी ओसवाल पम्प्स के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 614 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 632 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 634 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह मार्केट में एंट्री करते ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 3 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। मार्केट में एंट्री के बाद भी कंपनी के शेयर फिलहाल मजबूती दिखा रहे हैं। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे ये शेयर 644.40 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक 4.95 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। ओसवाल पम्प्स का 1,387.34 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 से 17 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 34.42 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के

लिए रिजर्व पोर्शन 88.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 36.70 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 890 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 81 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने, पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 16.93 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 34.20 करोड़ रुपये और 2023-24 में 97.67 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 47 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 761.23 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सोना और चांदी की कीमत में मामूली तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने और चांदी की कीमत में मामूली तेजी नजर आ रही है। भाव में तेजी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,090 रुपये से लेकर 1,01,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,660 रुपये से लेकर 92,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में आज तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,12,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,01,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,120 रुपये प्रति

10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,01,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत में यूपीआई का प्रयोग सामान्य व्यवहार का हिस्सा बना: बीकन का सर्वे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल अब सामान्य व्यवहार का हिस्सा बन गया है। कनाडा में भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए अग्रणी क्रॉस-बॉर्डर फिनटेक प्लेटफॉर्म बीकन की तरफ से यूपीआई उपयोग को लेकर किए गए सर्वे रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। यह रिपोर्ट कनाडा में बसे एनआरआई (अनिवासी भारतीयों) की भारत में अपने वित्तीय दायित्वों को निभाने के तरीके में हो रहे मूलभूत बदलावों को दर्शाती है। बीकन के विश्लेषण में यह बात सामने आई है कि भारत में यूपीआई सामान्य व्यवहार का हिस्सा बन गया है। इसके बाद हाल ही में कनाडा आए एनआरआई भी उसी गति और सुविधा की उम्मीद करते हैं, जब वे भारत में अपने परिवार को पैसे भेजते हैं या खर्चों का प्रबंधन करते हैं। यहां तक कि लंबे समय से बसे एनआरआई भी अब यूपीआई का उपयोग करने लगे हैं क्योंकि भारत में उनके परिवारजन, मकान मालिक या सेवा प्रदाता अब खाता नंबर के बजाय यूपीआई आईडी मांगते हैं। बीकन के सह-संस्थापक आदित्य म्हात्रे ने जारी बयान में कहा कि जब वे भारत से कनाडा गए तो खुद विदेश में वित्तीय प्रबंधन की चुनौतियों को अनुभव किया। एनआरआई द्वारा यूपीआई को अपनाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब एक पीढ़ीगत बदलाव हो रहा है जिसमें लोग वित्तीय स्वतंत्रता और डिजिटल-फर्स्ट व्यवहार को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमारा प्लेटफॉर्म इस परिवर्तन को सक्षम बनाता है—यह कैनेडियन डॉलर से भारतीय रुपये में यूपीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर के ज़रिए भुगतान को संभव बनाता है, जिससे पारंपरिक बैंकिंग की जटिलताएं समाप्त हो जाती हैं। बीकन के अनुसार, कनाडा में 70 प्रतिशत से अधिक भारतीय छात्र क्रॉस-बॉर्डर लेनदेन के लिए मोबाइल-फर्स्ट फिनटेक प्लेटफॉर्म को प्राथमिकता देते हैं। भारतीय छात्र और एनआरआई कनाडा के सबसे अधिक डिजिटल रूप से सक्रिय और वित्तीय रूप से शामिल वर्गों में आते हैं, जिन्हें तेज़, लचीली और पारदर्शी सेवाओं की आवश्यकता होती है। कनाडा में भारतीय मूल की आबादी 18.5 लाख से अधिक हो चुकी है, जो कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत है। भारत से कनाडा आने वाले स्थायी निवासियों की संख्या 2013 में जहां लगभग 33,000 थी, वहीं 2023 में यह बढ़कर 1.4 लाख हो गई—यानी 326 प्रतिशत की वृद्धि। केवल 2024 में ही भारत से आए नागरिक कनाडा के कुल नए नागरिकों का लगभग 23.4 प्रतिशत (87,800 लोग) रहे। भारत को कनाडा से भेजी जाने वाली रेमिटेंस 2024 में लगभग 4 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। यह वृद्धि ऐसे समय में हो रही है जब भारत लगातार 2024 में भी कुल 129.4 अरब डॉलर के साथ ग्लोबल रेमिटेंस का शीर्ष प्राप्तकर्ता बना हुआ है। अकेले यूपीआई ने 2024 में 172 अरब से अधिक लेनदेन किए—पिछले वर्ष की तुलना में 46 प्रतिशत अधिक—जो इसकी विश्वसनीयता और वास्तविक समय पर भुगतान की क्षमता को दर्शाता है।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशभर में करेगा 50 कार्यक्रम

एजेंसी

नई दिल्ली। खान मंत्रालय के अधीन भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) 21 जून को राष्ट्रव्यापी भागीदारी के साथ 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) मनाने जा रहा है। जीएसआई इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशभर में 50 कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। खान मंत्रालय ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए देशभर में 50 कार्यक्रमों की तैयारी शुरू कर दी है। इस वर्ष की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' को ध्यान में रखते हुए जीएसआई ने अपने कर्मियों और आम जनता के बीच समग्र स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए देशभर में 46 स्थानों पर 50 कार्यक्रमों की योजना बनाई है। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप जीएसआई कोलकाता में अपने केंद्रीय मुख्यालय, क्षेत्रीय और राज्य इकाई कार्यालयों, 12 भू-विरासत स्थलों, 6 ड्रिलिंग फील्ड कैंपों और 3 प्रशिक्षण केंद्रों पर निर्देशित योग सत्र आयोजित करेगा। इस पहल में जीएसआई कर्मियों, स्कूली छात्रों और स्थानीय समुदायों के सदस्यों सहित 3,000 से अधिक प्रतिभागियों के भाग लेने की आशा है। खान मंत्रालय के मुताबिक जीएसआई अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के लिए काउंटडाउन कार्यक्रम में भी भाग लेगा। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ इस बार लाइव योग सत्र का आयोजन 20 जून, 2025 को हैदराबाद में होगा। इस समन्वित पहल के जरिए जीएसआई स्वास्थ्य और कल्याण को प्रोत्साहन देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

नागरिक उड्डयन मंत्री ने एयरलाइनों, हवाईअड्डा अधिकारियों के साथ यात्री सुरक्षा मुद्दों का जायजा लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद एयर इंडिया के विमान की दुखद दुर्घटना के मद्देनजर सुरक्षा, यात्री सुविधा और एयरलाइन के प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा की है। वीडियो कांसिंग के जरिए हुई बैठक में देशभर के सभी हवाईअड्डा निदेशक शामिल हुए।

राम मोहन नायडू की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में दुर्घटना के बाद की जांच, मौसम में बदलाव, भू-राजनीतिक तनाव के कारण कुछ हवाई क्षेत्रों को बंद करने आदि जैसे कई कारणों से उड़ानों के पुनर्निर्धारण के मद्देनजर जमीनी स्तर की तैयारियों और यात्री सहायता तंत्र की समीक्षा की गई। बैठक में यात्रियों की समस्याओं का त्वरित और तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइनों के साथ घनिष्ठ संपर्क पर जोर दिया गया। खासकर उड़ान में

देरी या भीड़भाड़ के दौरान टर्मिनलों पर भोजन, पीने के पानी और पर्याप्त बैठने की सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कहा गया कि यात्रियों की शिकायतों का सक्रिय रूप से समाधान करने के लिए प्रमुख टचपॉइंट पर पर्याप्त कर्मियों को तैनात किया जाना चाहिए। एयरपोर्ट निदेशकों से अनुरोध किया गया कि वे परिचालन संबंधी व्यवधानों का सामना कर रही एयरलाइनों को हर संभव सहायता प्रदान करें, जिसमें गेट पुनःनिर्धारण और रसद सहायता शामिल है। एयरपोर्ट के सुरक्षित वातावरण को बनाए रखने के लिए, एयरपोर्ट निदेशकों को पक्षियों और आवारा जानवरों को रोकने सहित वन्यजीव जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया गया।केंद्रीय मंत्री नागरिक उड्डयन मंत्री ने एयर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कैम्पबेल विल्सन के साथ परिचालन निरंतरता बनाए रखने, जनता के साथ पारदर्शी और जवाबदेह संचार का समर्थन करने के साथ ही यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी बैठक की। बैठक में इस बात पर गौर किया गया कि मध्य पूर्व में उभरती स्थिति, बढ़ी हुई सुरक्षा जांच और यूरोप में रात में उड़ान भरने पर प्रतिबंध के कारण एयर इंडिया को विमानों की उपलब्धता में कमी का सामना करना पड़ रहा है।

ईरान-इजरायल संघर्ष से कच्चे तेल में तेजी, 77 डॉलर के पार पहुंचा क्रूड ऑयल

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान-इजरायल के बीच जारी जंग और उसमें अमेरिका के हस्तक्षेप की वजह से मिडिल ईस्ट का तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस तनाव का प्रत्यक्ष असर क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमत में आई तेजी के रूप में देखा जा सकता है। मिडिल ईस्ट के तनाव की वजह से कच्चा तेल आज 77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को भी पार कर गया। भारतीय समय के हिसाब से शाम 5 बजे ब्रेंट क्रूड 77.77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 76 डॉलर के स्तर को पार करके 76.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी का असर घरेलू बाजार में भी नजर आ रहा है। आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर कच्चा तेल 6,450 रुपये प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। एमसीएक्स पर आज कच्चा तेल 26 रुपये की बढ़त के साथ 6,360 रुपये प्रति बैरल के स्तर पर खुला। थोड़ी ही देर बाद इसकी कीमत बढ़ाकर 6,467 रुपये प्रति बैरल के उच्चतम स्तर तक पहुंच गई। हालांकि बाद में इसकी कीमत में मामूली गिरावट भी आई। कमोडिटी मार्केट के एक्सपर्ट्स का कहना है कि ईरान-इजरायल संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की सप्लाई में कमी आने की आशंका बन गई है। खासकर, अमेरिका ने जिस तरह से ईरान को सरेंडर करने की चेतावनी देकर दी है, उससे इस बात की आशंका भी बन गई है कि अमेरिका की ओर से भी ईरान पर हमला किया जा सकता है। दावा किया जा रहा है कि अमेरिका ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश कर सकता है। खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि मिडिल ईस्ट के तनाव ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमत पर तो दबाव बनाया ही है, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती नहीं करने के फैसले से भी कच्चे तेल की कीमत को सपोर्ट मिला है। अमेरिका में कच्चे तेल की इन्वेंटरी घटना की वजह से भी कीमत में तेजी आई है। इसके कारण ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई क्रूड के बीच का अंतर भी कम हो गया है। अभी ये अंतर एक से दो डॉलर प्रति बैरल का रह गया है।

स्टॉक मार्केट में सीमेंस एनर्जी की जोरदार एंट्री, पहले दिन ही निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। डीमर्जर के जरिए सीमेंस लिमिटेड से अलग होने वाली उसकी पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री की। इसी साल 7 अप्रैल को हुए डीमर्जर के दिन सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड के शेयर का भाव 2,350 रुपये था। आज बीएसई पर इसकी एंट्री 2,850 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी एंट्री 2,840 रुपए के स्तर पर हुई। स्टॉक मार्केट में एंट्री करने के बाद शुरुआती कारोबार में ही कंपनी के शेयर उछल कर 2,982 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। हालांकि कुछ देर बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली की वजह से कंपनी के शेयर के भाव में गिरावट भी आई। दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद सीमेंस एनर्जी के शेयर 2,815.10 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक कंपनी के निवेशकों को 13.59 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। दावा किया जा रहा है कि सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड अपनी मजबूत स्थिति के कारण आने वाले दिनों में देश की प्रमुख ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन इक्विपमेंट कंपनी बन सकती है। जानकारों का कहना है कि कंपनी के पास पहले से मौजूद ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन से संबंधित वर्क आर्डर और संचालनगत कुशलता की वजह से 2026-27 तक सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड का ईपीएस (अर्निंग पर शेयर) 40 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ सकता है।

वॉलमार्ट अगले तीन साल में वृद्धि कार्यक्रम के तहत 1 लाख एमएसएमई को जोड़ेगा

एजेंसी

नई दिल्ली।अमेरिकी खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वॉलमार्ट ने भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने के लिए बड़ा ऐलान किया है। कंपनी अगले तीन वर्षों में एक लाख नए एमएसएमई को अपने 'वॉलमार्ट 'वृद्धि' प्रोग्राम से जोड़ेगी। इस योजना के जरिए इन कारोबारियों को डिजिटल ट्रेनिंग, एक्सपोर्ट के मौके और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोडक्ट्स बेचने का अवसर मिलेगा। एमएसएमई राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे की उपस्थिति में वॉलमार्ट के आपूर्तिकर्ता विकास (सोर्सिंग) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेसन फ्रेमस्टेड ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित वॉलमार्ट वृद्धि एमएसएमई शिखर सम्मेलन 2025 में इसकी घोषणा की। फ्रेमस्टेड ने कहा, हमने अगले तीन वर्षों में अतिरिक्त एक लाख एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए आइडियाज टू इम्पैक्ट फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है। उन्होंने बताया कि भारत में वॉलमार्ट को फ्लिपकार्ट के ई-कॉमर्स नेटवर्क के साथ जोड़ा गया है। इस बार वृद्धि कार्यक्रम को एनजीओ आइडियाज टू इम्पैक्ट (आई2आई) फाउंडेशन का समर्थन प्राप्त है। वॉलमार्ट के सप्लायर डेवलपमेंट प्रोग्राम वॉलमार्ट वृद्धि ने अगले तीन वर्षों में भारत में एक लाख अतिरिक्त एमएसएमई को सशक्त करने के लिए आइडियाज टु इम्पैक्ट (आई2आई) फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है। जेसन फ्रेमस्टेड ने बताया कि ग्लोबल सप्लाई चेन में वॉलमार्ट की विशेषज्ञता की ताकत और भारत में फ्लिपकार्ट की ई-कॉमर्स क्षमताओं को साथ लाते हुए शुरू किया गया। वॉलमार्ट वृद्धि प्रोग्राम ज्यादा से ज्यादा एमएसएमई को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में पहुंच बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि 2019 में अपनी लॉन्चिंग के बाद से वॉलमार्ट वृद्धि ने अब तक 70,000 से अधिक एमएसएमई को डिजिटल कॉमर्स तक पहुंच एवं पर्सनलाइज्ड मेंटरशिप प्रदान करते हुए और रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से प्रशिक्षित किया है। वॉलमार्ट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, सप्लायर डेवलपमेंट जेसन फ्रेमस्टेड ने कहा, 'हम भारत के वाइब्रेंट इनोवेशन इकोसिस्टम और यहां के एमएसएमई की विकास की क्षमता से लगातार प्रेरित होते हैं। कई सूक्ष्म उद्यमों को विकास के लिए जरूरी जानकारी, टूल्स एवं बाजार तक पहुंच के मामले में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। प्रोग्राम के जरिये महत्वपूर्ण बिजनेस स्किल एवं बाजार तक पहुंच के माध्यम से सशक्तीकरण ने इन उद्यमियों को अपने कारोबार को सतत तरीके से आगे बढ़ाने और भारत के आर्थिक विकास में योगदान देने में सक्षम बनने में मदद की है।' फ्लिपकार्ट ग्रुप के एसवीपी एवं चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, 'फ्लिपकार्ट में डिजिटल कॉमर्स तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाते हुए और विकास के व्यापक अवसर प्रदान कराते हुए एमएसएमई को सशक्त करना हमारी अथक प्रतिबद्धता है। वॉलमार्ट वृद्धि जैसे रणनीतिक गठजोड़ के माध्यम से हम साथ मिलकर उद्यमियों को उनकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने और भारत की डिजिटल इकोनॉमी में योगदान देने में सक्षम बना रहे हैं।' उल्लेखनीय है कि वॉलमार्ट वृद्धि प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए अब एमएसएमई https://www.walmartvriddhi.org/ पर रजिस्टर कर सकते हैं। वॉलमार्ट मार्केटप्लेस के माध्यम से अमेरिका में बिक्री की इच्छा रखने वाले सेलर्स इस लिंक के माध्यम से रजिस्टर कर सकते हैं- https://www.walmartvriddhi.org/marketplace उद्यमियों के लिए जानकारियों को और सरल बनाने के लिए वॉलमार्ट वृद्धि वेबसाइट में अब एक कंसोलिडेटेड रिसोर्स प्लेटफॉर्म भी दिया गया है, जिससे छोटे कारोबारी वॉलमार्ट ग्रुप की कंपनियों व अन्य रिसोर्स की ऑफरिंग्स तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

ज्योतिष विज्ञान के अनुसार शनि की टेढ़ी नजर यानि वक्र दृष्टि हर व्यक्ति के जीवन में हलचल मचाती है। सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से मनुष्य तो क्या देवता भी थर-थर कांपते हैं, यहां तक की भगवान श्री गणेश पर दृष्टि पड़ते ही उनका सिर कट गया।

शनिदेव की दृष्टि से क्यों कांपते हैं

मनुष्य व देवता

शनि एक पाप ग्रह माना जाता है। शनि की वक्र दृष्टि से अच्छे-भले मनुष्य का नाश हो जाता है। ज्योतिष विज्ञान के अनुसार शनि की टेढ़ी नजर यानि वक्र दृष्टि हर व्यक्ति के जीवन में हलचल मचाती है। सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से मनुष्य तो क्या देवता भी थर-थर कांपते हैं, यहां तक की भगवान श्री गणेश पर दृष्टि पड़ते ही उनका सिर कट गया। जानें आगे क्या हुआ

सनातन धर्म में शास्त्रों के अनुसार भगवान श्री गणेश को भगवान श्री कृष्ण चन्द्र का ही अवतार माना गया है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार पुत्र प्राप्त करने की चाह से मां पार्वती ने भगवान श्री कृष्ण चन्द्र जी का ध्यान किया। अपने भक्त की पुकार सुन कर भगवान श्री कृष्ण चन्द्र जी ने वृद्ध ब्राह्मण का रूप धारण कर माता पार्वती को बताया कि वह गणेश रूप में उनके पुत्र बनकर अवतरित होंगे। इस घटना के उपरांत मनमोहनी छवी का बालक मां पार्वती जी के समक्ष अवतरित हुआ। उस बालक के मुख मंडल पर इतना तेज था कि उसके आकर्षण में बंध कर समस्त देवी-देवता और ऋषि-मुनि बालक के दर्शनों हेतू आ गए। जब शनिदेव को ज्ञात हुआ की सभी देवी-देवता और ऋषि-मुनि मनमोहनी छवी के बालक के दर्शन करने गए हैं तो वो भी श्री गणेश के दर्शनों के अभिलाषी बन कर कैलाश पर्वत पर पंहुच गए।

वे खुशी-खुशी कैलाश पर्वत पर पंहुच तो गए मगर उन्होंने बालक गणेश के दर्शन नहीं किए क्योंकि शनिदेव को उनकी पत्नी का शाप था कि उनकी दृष्टि सदैव नीची ही रहेगी, जिस पर उनकी दृष्टि पड़ेगी उसका सिर कट जाएगा। इस भय से की उनके दर्शन करने से बालक का कोई अहित न हो जाए वह आंखे फेरे खड़े रहे।

माता पार्वती को बहुत आश्चर्य हुआ की सभी देवी-देवता और ऋषि-मुनि उनके पुत्र की मनमोहनी छवी को निहार रहे हैं वहीं शनि देव नजरे नीचे किए उनके पुत्र से दूरी क्यों बनाए हुए हैं। उन्होंने शनिदेव को अपने समीप बुलाया और कहा, '' शनिदेव सभी देवी-देवताओं और ऋषि-मुनियों ने मेरे पुत्र के दर्शन कर लिए हैं बस आप ही रह गए हैं। लिजिए गोद में उठा लें बालक को।''

शनिदेव बोले, '' माफ करें माता मैं चाह कर भी इस मनमोहने बालक को अपनी गोद में उठा नहीं सकता और न ही इस पर अपनी दृष्टि डाल सकता हूं।''

माता पार्वती हैरानी से शनि देव की ओर देखने लगी। शनिदेव ने उन्हें अपनी पत्नी द्धारा दिए गए श्राप की बात बताई। किंतु माता बनने का सौभाग्य पाकर माता पार्वती बहुत हर्षित थी। उन्होंने शनिदेव की एक न सुनी और बालक गणेश के दर्शन करने को कहा। माता पार्वती के प्रेमपूर्वक किए गए अग्रह को शनिदेव टाल न सके और उन्होंने बालक पर अपनी दृष्टि डाल दी। शनिदेव के बालक गणेश पर दृष्टि डालते ही उनका सिर कट गया। अपने पुत्र की ऐसी दशा देख माता पार्वती विलाप करने लगी। भगवान श्री हरि विष्णु जल्दी से गए और जाकर एक हाथी के बच्चे का सिर काटकर ले आए और उसे बालक गणेश के सिर पर लगा दिया। उसी दिन से श्री गणेश गजानन कहलाए।

तप का सर्वोत्तम उपाय क्या है ?

परमात्मा की हवा, परमात्मा का पानी, परमात्मा की रोशनी, परमात्मा का खाना, इन चीजों से मनुष्य की शक्ति बनती है। जब मनुष्य मन में यह भावना घर कर लेती है कि मेरी शक्ति से नहीं, उन्हीं की शक्ति से सब कुछ हो रहा है, तब उनमें अनंत शक्ति आ जाती है। परमात्मा की इच्छा से दुनिया की उत्पत्ति हुई है किंतु मनुष्य सोचते हैं कि मेरी कर्मसिद्धि हुई है। कर्मसिद्धि कुछ नहीं हुई है, परमपुरुष की इच्छा की पूर्ति हुई है। वे जैसा चाहते हैं, वैसा हुआ। तुम्हारी ख्वाहिश भी वैसी थी, इसलिए तुम्हारे मन में भावना आई कि मेरी इच्छा की पूर्ति हो गई है। साधक केवल आगे बढ़ेंगे और दुनिया के और व्यक्ति पीछे रह जाएंगे, यह मनोभाव साधक का नहीं है इसलिए कहा जाता है कि साधना का अन्यतम अंग है तप। तप अर्थात अपने स्वार्थ की ओर नहीं ताकना, ताकना है समाज के हित की ओर। सामूहिक कल्याण की भावना जहां है, व्यक्तिगत कल्याण उसमें हो या न हो, उसी का नाम है तप। तप का सर्वोत्तम उपाय क्या है ? जनसेवा जो जनसेवा करते हैं, वे सेवा करते वक्त सेवा प्राप्त करने वाले को नारायण समझते हैं, मनुष्य नहीं। इसलिए जनसेवा से आध्यात्मिक उन्नति तो अवश्य ही होती है। इसके अतिरिक्त मन अत्यन्त निर्मल हो जाता है। उस निर्मल मन से मनुष्य जो कुछ भी करेगा, उसी में उनकी जय-जयकार है।

राशिनुसार दीवारों के रंग कैसे हों

अपनी राशि के अनुरूप रंगों का चयन करके आप अपने मकान को पेंट करवा सकते हैं।

मेष - लाल, मेहरून, ईंट जैसा

वृषभ - सफेद, चमकीला, हरा, बादामी

मिथुन - गहरा हरा, गहरा नीला, पीच, फिरोजी

कर्क - चांदी, सफेद, आसमानी, परपल

सिंह - पीले रंग के हर शेड्स, जामुनी, नारंगी

कन्या - गुलाबी, हल्का हरा, रामा ग्रीन, सी ग्रीन

तुला - सफेद, बेबी पिंक, ब्राउन, मरीन ब्लू

वृश्चिक - हल्का लाल, लाइट मेजेंटा, पिकॉक ब्लू

धनु - लाइट येलो, हल्दी जैसा पीला, पीच

मकर - ग्रे, डार्क ऑरेंज, ब्राऊन, लाइट ब्लू

कुंभ - ब्लू के सभी शेड्स, खिलता पिंक, मेटल शेड

मीन - ऑरेंज के सभी शेड्स, हल्का बैंगनी, डार्क बादामी

सपनों में छुपा है जीवन का रहस्य

- शास्त्रों के अनुसार सपने में आकाश में उडना, नदी या समुद्र में तैरना, तारों या चंद्रमा का दर्शन, महल या पर्वत की चोटी पर आसीन होना शुभ रहता है।
- सपने में पानी वाली जगह जैसे तालाब पोखर में नहाना, सफेद फूल, दर्पण, देवी-देवता, आभूषण से सुसज्जित स्त्री को देखना सुखकारक होता है।
- यदि आप स्वप्न में स्वयं को मल में लिपटा हुआ पाते हैं या सांप ने आपको काट लिया है, तो इसका मतलब है कि आपको धन की प्राप्ति होगी।
- सपने में आपके सिर पर सांप काट ले, तो आपको बेहतरीन नौकरी, पुराना धन मिलने, विवादित या बरसों से बाधित काम के योग बनते हैं।
- सपने में यदि अपने दांत टूटे दिखें, तो इसका मतलब है कि आप बीमार पडने वाले हैं। खाई में गिरना पद-हानि, अथवा पतन का प्रतीक माना जाता है।
- स्वप्न में सिर के केशों का गिरना-भयानक बीमारी, सोने के गहने का टूटना या खोना दुर्घटना का सूचक है। सपने में दूध का जलना भी अशुभ माना जाता है।

कैसे करें नवग्रह को प्रसन्न

ज्योतिष के अनुसार हमारे अंतरिक्ष में फैले सौर मण्डल के 9 ग्रहों का धरती पर स्थित सभी प्राणियों, यहां तक कि जल और पेड़-पौधों पर भी प्रभाव पड़ता है। ज्योतिष गणना के मुताबिक प्रत्येक जातक पर जन्म लग्न, दशा-महादशा, अंतरदशा तथा प्रत्यंतरों का प्रभाव निश्चित पड़ता है। लग्न, जन्मराशि तथा नाम राशि से चौथे, आठवें, बारहवें स्थान की स्थिति का प्रभाव सभी पर पड़ता है। नवग्रहों के दुष्प्रभाव को शांत करने के लिए भी कई उपाय ज्योतिष में बताए गए हैं जिनका विधि-विधान से पालन करें तो अवश्य लाभ मिलता है।

सूर्य शांति के लिए आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। माता-पिता की सेवा तथा सूर्य को अर्घ्य, जल में रोली तथा लाल पुष्प डालकर देना चाहिए। सोना-तांबा तथा चीनी-गुड़ का दान भी करें। सूर्योदय से पूर्व उठें तथा रविवार का व्रत करें।

ध्यान देने योग्य बातें- नमक का कम उपयोग करें। बुजुर्गों का सम्मान करें। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में भाग लें।

चंद्रदेव शांति के लिए नम : शिवाय मंत्र का जप करें। पानी वाला नारियल, सफेद चंदन तथा चांदी का चंद्रमा, विल्बपत्र, सफेद मिष्ठान्न का भगवान शंकर को भोग लगाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- सोमवार का व्रत करें तथा सफेद वस्त्र का दान करें, पहाड़ों की यात्रा करें तथा स्वमाता के चरण छूकर आशीर्वाद प्राप्त करें।

मंगल की शांति के लिए हनुमानजी को चमेली का तेल मिश्रित सिंदूर व शुद्ध घी का चोला चढ़ाएं तथा मंगल स्तोत्र का पाठ करें। इमरती, जलेबी, बूंदी तथा चूरमे का प्रसाद अर्पण करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- अपने कुटुंब, सहयोगियों से बैर न रखें। सगे भ्राता को सम्मान दें। मंगलवार का व्रत करें।

बुध ग्रह की शांति के लिए मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। हरे मूंग भिगोकर पक्षियों को डालें। पालक या हरा चारा गायों को खिलाएं। पक्षियों विशेषकर तोतों को पिंजरों से स्वतंत्रता दिलाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- नौ वर्ष से छोटी कन्याओं के पाद प्रक्षालन अर्थात पैर धोकर उनको प्रणाम करके आशीर्वाद प्राप्त करें। बुधवार का व्रत रखें। मंत्रानुष्ठान हवन करके बुध की अनुकंपा प्राप्त करें।

बृहस्पति देव गुरु की प्रसन्नता के लिए ब्राह्मणों का सम्मान करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। चने की दाल तथा केशर का मंदिर में दान करें, केशर का तिलक मस्तक पर लगाएं एवं ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों का योग्य व्यक्तियों को दान करें।